सूर्योदय 6:17 सूर्यास्त 6:02

आज का तापमान

शिमला	16.0 न्यू	25.0 अधि
धर्मशाला	18.0 न्यू	28.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	71,909.70
निफ्टी	22,421.95

सोना 1,48,138 चांदी 2,20,829

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | सोमवार, 5 अक्तूबर 2026 | 19 अश्विन, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 161, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

पाक के लिए जासूसी के आरोप में गुवाहाटी से युवक गिरफ्तार

एजेंसी, गुवाहाटी। असम एसटीएफ ने पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव (पीआईओ) के निर्देश पर कथित जासूसी गतिविधियों में शामिल 31 वर्षीय अभिषेक कुमार सिंह को गुवाहाटी से गिरफ्तार किया है। कार्रवाई सेना की गजराज मिलिट्री इंटेलिजेंस से मिली प्रारंभिक सूचना के आधार पर की गई। एसटीएफ ने 3 और 4 अक्टूबर की रात सातगांव थाना क्षेत्र के गांधीनगर स्थित किराए के मकान में अभियान चलाकर आरोपी को पकड़ा। वह बिहार के पूर्वी चंपारण का निवासी बताया गया है। मामले में एसटीएफ थाना केस नंबर 09/2026 दर्ज कर जांच जारी है।

भाजपा ने राज्यसभा के लिए दिनेश व मल्लिक को बनाया उम्मीदवार

एजेंसी, नई दिल्ली। भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने उत्तराखंड से दिनेश आर्य और पश्चिम बंगाल से रुक्मिणी मल्लिक उर्फ कोयल मल्लिक को राज्यसभा उम्मीदवार घोषित किया है। उत्तराखंड में एक सीट पर द्विवार्षिक चुनाव, जबकि पश्चिम बंगाल में रिक्त सीट पर उपचुनाव होगा। दिनेश आर्य उत्तराखंड में भाजपा के विभिन्न संगठनात्मक पदों पर रह चुके हैं और राज्यस्तरीय पेयजल अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष भी रहे हैं। वहीं, कोयल मल्लिक बंगाली फिल्मों की अभिनेत्री और पूर्व राज्यसभा सदस्य हैं। पश्चिम बंगाल की सीट उनके इस्तीफे के बाद रिक्त हुई थी। दोनों सीटों के लिए 16 अक्टूबर को मतदान होगा। उम्मीदवार 6 अक्टूबर तक नामांकन दाखिल कर सकेंगे।

3 महिला पत्रकारों से यौन उत्पीड़न के आरोप क्राइम ब्रांच करेगी जांच

एजेंसी, नई दिल्ली। नई दिल्ली में 3 अक्टूबर को हुए प्रदर्शन के दौरान तीन महिला पत्रकारों ने पुलिस अधिकारियों पर कथित यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए। मामले को लेकर आम आदमी पार्टी ने संसद मार्ग पुलिस थाने के बाहर प्रदर्शन किया और एफआईआर दर्ज करने की मांग की। दिल्ली पुलिस के अनुसार, नई दिल्ली जिला प्रशासन को पत्रकारों की शिकायतें प्राप्त हुई हैं। निष्पक्ष जांच के लिए शिकायतों को अपराध शाखा को सौंप दिया गया है। आआपा नेता सौरभ भारद्वाज और विधायक कुलदीप कुमार ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए शिकायत दर्ज करने और एफआईआर की मांग की। पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था बिगड़ने की स्थिति में ये आरोप लगाए गए थे। मामले की जांच अपराध शाखा करेगी।

इंडोनेशिया, म्यांमार में लगे भूकंप के झटके

एजेंसी, जकार्ता। इंडोनेशिया और म्यांमार में शनिवार देर रात से रविवार सुबह तक भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, इंडोनेशिया में रविवार सुबह 5:07 बजे 5.2 तीव्रता का भूकंप आया। इसकी गहराई जमीन से 10 किलोमीटर नीचे थी। इससे पहले 3 अक्टूबर की रात 11:42 बजे म्यांमार में 4.6 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। वहीं भारत में त्रिपुरा और मध्य प्रदेश में भी भूकंप के झटके आए। त्रिपुरा के धलाई में 4 अक्टूबर को रात 12:57 बजे 3.8 तीव्रता का भूकंप आया, जिसकी गहराई 30 किलोमीटर थी।

मुंबई में सीईसी के खिलाफ उद्धव-राज ठाकरे का प्रदर्शन

एसआईआर पर जताया विरोध, ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की उठाई मांग

एजेंसी, मुंबई। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ रविवार को मुंबई में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने जॉइंट प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में हजारों लोग शामिल हुए। दोनों नेताओं ने मेट्रो स्टेशन से शुरू होकर महानगरपालिका भवन तक मार्च निकाला। उद्धव की शिवसेना यूबीटी और राज ठाकरे की मनसे पार्टी ने चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की है। राज ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में हुए एसआईआर को रद्द किया जाए। सरकार किसकी बनेगी, ये फैसला जनता को तय करना है, चुनाव आयोग को नहीं। वहीं उद्धव बोले कि ज्ञानेश कुमार बीजेपी का हथियार हैं।

राज ठाकरे ने कहा कि हमारी मांग है कि महाराष्ट्र में की गई पूरी एसआईआर प्रक्रिया रद्द की जाए। कानून के मुताबिक, एसआईआर किसी आपात स्थिति में की जाती है। विधानसभा चुनाव के दौरान 40 से 60 लाख मतदाताओं के नाम जोड़े गए और इसके जरिए सत्ता हासिल की गई। अब एसआईआर के जरिए 2 करोड़ लोगों को हटाया जा रहा है। ये 2 करोड़ मतदाता कौन हैं?

उन्होंने कहा कि हमारा विरोध इस बात को लेकर है कि आप सरकार कैसे चला रहे हैं और सत्ता का इस्तेमाल किस तरह कर रहे हैं। सरकार कौन बनाएगा और सरकार कैसे चलेगी, इसका फैसला जनता और मतदाताओं को करना चाहिए। इसका फैसला चुनाव आयोग को नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की नियुक्ति चुनाव के जरिए होनी चाहिए।



करोड़ों लोगों के नाम वोटर्स लिस्ट से हटाए: राज

राज ठाकरे ने कहा कि देशभर में 13 करोड़ लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। बंगाल और तमिलनाडु में भी मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। पश्चिम बंगाल में अभी उपचुनाव हो रहा है और लोग अपने वोट देने के अधिकार की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। सुप्रीम कोर्ट कहता है कि यह सिर्फ उपचुनाव है, इससे क्या फर्क पड़ता है? यह भी अभी तय नहीं है कि कल सुनवाई होगी या नहीं।

10 को कॉकरोच पार्टी का दिल्ली में प्रदर्शन

सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने 2 अक्तूबर को कहा कि ज्ञानेश कुमार ने इस्तीफा नहीं दिया तो 10 अक्तूबर को पूरे देश से कॉकरोच दिल्ली पहुंचेंगे। दीपके ने लिखा- अगर दिल्ली पुलिस हमें रोकने की कोशिश करती है, तो जहां वे हमें रोकेंगे, वही हमारा जंतर-मंतर होगा। हमारा आंदोलन शांतिपूर्ण होगा। हम महात्मा गांधी के दिखाए रास्ते पर चलेंगे।

एशियन गेम्स की क्लोजिंग सेरेमनी में नीरू ढांडा ने लहराया 'तिरंगा'

एजेंसी, नागोया। एशियन गेम्स 2026 का समापन हो गया है। रविवार को जापान के नागोया सिटी स्थित मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में क्लोजिंग सेरेमनी हुई। इसमें भारतीय निशानेबाज नीरू ढांडा ने तिरंगा थामा। अब अगला एशियन गेम्स 2030 में कतर की राजधानी दोहा में खेला जाएगा। एशियन गेम्स 2026 का आखिरी गोल्ड मेडल सऊदी अरब के घुड़सवार हमद अलदुहामी ने जीता। वे घुड़सवारी के शो जम्पिंग इवेंट में चैंपियन बने। उन्हीं के देश के अब्दुलरहमान बदर एम अलराजही को सिल्वर और कतर के मोहम्मद बासेम को ब्रॉन्ज मिला।

बता दें कि भारत ने जीते 85 मेडल एशियन गेम्स 2026 में भारत ने कुल 85 मेडल जीते। 21 गोल्ड मेडल के साथ भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा। 5वें स्थान पर मौजूद उज्बेकिस्तान ने भी 21 गोल्ड जीते, लेकिन टोटल मेडल के मामले में भारत आगे रहा और इसलिए हमें चौथा स्थान मिला। भारत से ऊपर साउथ कोरिया, जापान और पहले नंबर पर चीन रहा। वहीं चीन ने 169 गोल्ड समेत कुल 341 मेडल जीते। चीन ने 89 सिल्वर और 83 ब्रॉन्ज जीते। जापान ने 83 गोल्ड, 95 सिल्वर और 91 ब्रॉन्ज (कुल 269) मेडल जीते। साउथ कोरिया ने 39 गोल्ड, 43 सिल्वर और 68 ब्रॉन्ज (कुल 150) मेडल जीते। भारत ने 21 गोल्ड, 27 सिल्वर और 37 ब्रॉन्ज मेडल जीते।



◆ सऊदी अरब के घुड़सवार ने जीता आखिरी गोल्ड

एशियाई युवा खेलों में बूनसोन पुरिपोल व यू जिदी बने मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर, शानदार प्रदर्शन से रचा इतिहास

थाईलैंड के एथलीट बूनसोन पुरिपोल और चीन की 13 साल की तैराक यू जिदी को मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर अवॉर्ड दिया। बूनसोन ने पुरुषों की 100 मीटर रेस में सेमीफाइनल में 9.91 सेकंड का गेम्स रिकॉर्ड बनाया।

सिंगापुर पहुंचे सीएम सैनी, निवेश और औद्योगिक साझेदारी पर रहेगा फोकस



एजेंसी, चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर सिंगापुर पहुंच गए। वह 4 से 6 अक्टूबर तक सिंगापुर-इंडिया नेटवर्क फॉर ग्रोथ (एसआईएनजी) फोरम के तहत विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। दौरे के दौरान मुख्यमंत्री निवेश, तकनीकी सहयोग, औद्योगिक साझेदारी और कौशल विकास के नए अवसर तलाशेंगे।

सैनी सिंगापुर के आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और अत्याधुनिक तकनीक का अवलोकन करेंगे। इसके साथ ही उद्योगपतियों, निवेशकों व विशेषज्ञों के साथ बैठक कर हरियाणा में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। लॉजिस्टिक्स, सेमीकंडक्टर, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, एग्रो एवं फूड प्रोसेसिंग, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, एविएशन और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर रहेगा। वह सिंगापुर बिजनेस फोरम के कार्यक्रम में उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और संभावित निवेशकों से मुलाकात करेंगे।

जम्मू जेल में पाक कैदी की संदिग्ध हालात में मौत

एजेंसी, जम्मू। हाई-सिक्योरिटी सेंट्रल जेल में रविवार को 36 वर्षीय पाकिस्तानी विचाराधीन कैदी की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सरगोधा निवासी शाहिद इमरान को अक्टूबर, 2024 में जम्मू के मकवाल सेक्टर में इंटरनेशनल बॉर्डर के पास गिरफ्तार किया गया था। उसे कोट भलवाल जेल में रखा गया था। मानसिक बीमारी से जूझ रहे कैदी को उसकी कोठरी में बेहोशी की हालत में पाया गया। शुरुआती जांच से पता चला कि उसने आत्महत्या की कोशिश की थी। उसे तुरंत जम्मू के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए मुर्दाघर भेज दिया गया है।

ओपनएआई के सेफ्टी एक्सपर्ट डेविड रॉबिन्सन ने दिया इस्तीफा

एजेंसी, नई दिल्ली। चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई के सेफ्टी एक्सपर्ट डेविड रॉबिन्सन ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियां नया एआई बनाने की होड़ में बहुत जल्दबाजी कर रही हैं और इससे जुड़े बड़े खतरों को नजरअंदाज कर रही हैं।

रॉबिन्सन ने अमेरिका की 'द अटलांटिक' मैगजीन में एक लेख में लिखा कि एआई कंपनियां आम लोगों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही हैं। एआई को आम सॉफ्टवेयर की तरह नहीं, बल्कि न्यूक्लियर पावर प्लांट की तरह संभालना चाहिए। जैसे न्यूक्लियर पावर प्लांट में सुरक्षा के ढेरों इंतजाम होते हैं और हर काम बहुत सोच-समझकर और धीरे-धीरे किया जाता है, ताकि इंसान की एक भी गलती से कोई बड़ी तबाही न हो, ठीक वैसे ही नियम एआई के लिए भी बनने चाहिए। एआई के मामले में हमें पहली बार में ही 100% सुरक्षा रखनी होगी, क्योंकि यहां गलती की कोई गुंजाइश नहीं है।



◆ कहा-एआई के लिए न्यूक्लियर प्लांट जैसी सुरक्षा जरूरी

महिला ने चार साल के बच्चे समेत निगला जहरीला पदार्थ, दोनों गंभीर

भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंदनगर/मंडी। घटासनी-बरोट क्षेत्र में रविवार को एक महिला और उसके चार वर्षीय बच्चे द्वारा कथित तौर पर जहरीला पदार्थ निगलने का मामला सामने आया है। घटना के बाद दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने दोनों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की।

बताया जा रहा है कि महिला और उसके चार वर्षीय बच्चे को 108 एंबुलेंस के माध्यम से उपचार के लिए नेरचौक स्थित मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया जा रहा है। दोनों की हालत गंभीर होने के चलते उन्हें बेहतर उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी हरकत में आ गई और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस इस बात का पता लगाने में जुटी है कि आखिर किन परिस्थितियों में महिला ने अपने बच्चे के साथ कथित तौर पर जहरीला पदार्थ निगला। घटना के पीछे पारिवारिक या अन्य कोई कारण है, इसे लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस ने घटना से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा परिजनों और आसपास के लोगों से भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस अधीक्षक मंडी विनोद कुमार ने बताया कि महिला और उसके चार वर्षीय बच्चे की हालत गंभीर है। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

सैनिक का पार्थिव शरीर लेकर लौट रही एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त, पुत्र समेत 4 की मौत

एजेंसी, देवरिया। चंडीगढ़ से सेना के जवान सूबेदार सत्यवान सिंह का पार्थिव शरीर लेकर देवरिया आ रही एंबुलेंस रविवार सुबह सुलतानपुर जिले के हलियापुर थाना क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में एंबुलेंस सवार जवान के पुत्र राहुल सिंह, रुद्रपुर नगर पंचायत के सभासद राजन चौधरी, उनके छोटे भाई राम सुमित सिंह और चालक जसपाल की मौके पर ही मौत हो गई। एक ही परिवार में जवान की मौत के बाद उनके पुत्र समेत तीन अन्य लोगों की मौत से रुद्रपुर क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

पुलिस के अनुसार गहिला-दुधैला गांव निवासी सत्यवान सिंह सेना में जेसीओ के पद पर मेरठ में तैनात थे। शुक्रवार को तबीयत बिगड़ने पर उन्हें आर्मी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सेना की ओर से उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उनका पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए एंबुलेंस से पैतृक गांव ले जाया जा रहा था।

इसी दौरान पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर एंबुलेंस हादसे का शिकार हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि चारों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सत्यवान सिंह के अंतिम संस्कार की तैयारियों के बीच पुत्र राहुल की मौत की खबर ने परिवार को झकझोर दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा दुख जताते हुए शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और अधिकारियों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के बाद रुद्रपुर और आसपास के गांवों में शोक का माहौल है।



◆ पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हुआ हादसा, सीएम योगी ने जताया दुख

प्रदेश का निर्यात दो लाख करोड़ के पार: योगी

भदोही पहुंचने से पहले मुख्यमंत्री ने रविवार को एक्स पर किया पोस्ट

एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के भदोही जनपद पहुंचने से पहले रविवार की सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि एशिया के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय हस्तनिर्मित कालीन व्यापार मेले 'इंडिया कारपेट एक्सपो' के स्वर्ण जयंती संस्करण का आज शुभारंभ कर कालीन उद्योग के निर्यातकों, विक्रेताओं एवं उद्यमियों से संवाद करूंगा।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पहले भदोही का हुनर अपनी राह तलाशता था, आज सरकार उसके लिए विकास, बाजार और अवसर के नए द्वार खोल रही है। प्रदेश का निर्यात पिछले 10 वर्षों में लगभग 2.27 गुना बढ़कर आज दो लाख करोड़ के पार पहुंच चुका है और उत्तर प्रदेश देश का पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक राज्य है। निर्यात में भदोही के कालीन का बड़ा योगदान है।



मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जिन हाथों ने अपने हुनर से भदोही के कालीनों को दुनिया तक पहुंचाया, वर्ष 2017 से पहले वही हाथ बुनियादी सुविधाओं और अवसरों के लिए प्रतीक्षा करते रहे। आज डबल इंजन सरकार में वही हुनर विकास और वैश्विक बाजार, दोनों से जुड़ रहा है। हाथ से बनी भदोही की कालीनों की मांग आज पूरी दुनिया में सबसे अधिक है, जो वैश्विक मंच पर उत्तर प्रदेश के हुनर का लोहा मनवा रही हैं।

उन्होंने कहा कि इस अवसर पर भदोही, औराई एवं ज्ञानपुर विधान सभा क्षेत्रों को एक हजार 340 करोड़ से अधिक की 112 विकास परियोजनाओं की सौगात मिलेगी और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को हितलाभ प्रदान किए जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कारीगर के हाथ को सम्मान, उद्यम को विस्तार, युवाओं को रोजगार और भदोही को समृद्धि, यही नए उत्तर प्रदेश में विरासत और विकास के संगम की नई पहचान है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को भदोही दौरे पर रहेंगे।

अनुराग 153वें आईपीयू सम्मेलन में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। लोकसभा सांसद अनुराग सिंह ठाकुर 5 से 9 अक्टूबर तक तंजानिया के अरुशा में आयोजित होने वाले 153वें इंटर-पार्लियामेंट्री यूनियन (आईपीयू) सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। वे राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश के नेतृत्व वाले भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख सदस्यों में शामिल हैं। सम्मेलन में समावेशिता, विश्वास और सभी के लिए अवसरों के माध्यम से सुशासन को बढ़ावा देने सहित वैश्विक शांति, विकास, लोकतंत्र और मानवाधिकारों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। अनुराग ठाकुर मानवाधिकारों से संबंधित संसदीय समिति के सदस्य भी हैं। सम्मेलन में उनकी भागीदारी से भारत के लोकतांत्रिक दृष्टिकोण और संसदीय अनुभवों को वैश्विक मंच पर रखने का अवसर मिलेगा।

यूक्रेन में भारतीय कारोबारी की फैक्टरी पर हमला, रूस ने ड्रोन से निशाना बनाया

एजेंसी, कीव। रूस ने यूक्रेन के सूमी शहर में भारतीय कारोबारी राजीव गुप्ता की दवा बनाने वाली फैक्टरी पर ड्रोन से हमला किया। हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। फैक्ट्री की मुख्य इमारत को भारी नुकसान पहुंचा और इसका ज्यादातर हिस्सा तबाह हो गया। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, कंपनी को कम से कम 400 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। हमले के बाद फैक्ट्री वाले इलाके से धुएं का बड़ा गुबार उठता दिखाई दिया।

अधिकारियों ने बताया कि मृतकों और घायलों की संख्या आगे बदल सकती है। यह फैक्ट्री रूस की सीमा से करीब 23 किलोमीटर दूर है।



1990 के दशक में यूक्रेन गए थे भारतीय नागरिक

यह फैक्टरी कुसुम ग्रुप की है। कंपनी को भारतीय नागरिक राजीव गुप्ता चलाते हैं। वे 1990 के दशक में यूक्रेन गए थे और वहीं उन्होंने कुसुम ग्रुप का कारोबार खड़ा किया। कंपनी ने 1994 में भारत की दवाओं को यूक्रेन भेजने वाली डिस्ट्रीब्यूटर कंपनी के तौर पर काम शुरू किया था। 1996 में इसे यूक्रेन में औपचारिक तौर पर कंपनी के रूप में स्थापित किया गया। कुसुम ग्रुप का मुख्यालय यूक्रेन की राजधानी कीव में है। इसे यूक्रेन में काम करने वाली प्रमुख भारतीय फार्मा कंपनियों में माना जाता है।

सौगात सीएम सुक्खू के रोहडू-रामपुर दौरे में 411 करोड़ की विकास परियोजनाओं का मिला तोहफा

दूरदराज गांवों तक पहुंची सरकार, विकास को नई रफ्तार

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का 1 से 3 अक्तूबर तक रोहडू और रामपुर विधानसभा क्षेत्रों का तीन दिवसीय दौरा ग्रामीण विकास और जनसंवाद की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा। मुख्यमंत्री ने दूरदराज क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुनीं और कई विकास कार्यों की घोषणाएं कीं। उन्होंने रोहडू के भटवाड़ी और रामपुर के काशा-पाट में रात्रि प्रवास कर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया।

दौरे के दौरान रोहडू विधानसभा क्षेत्र को 182.87 करोड़ रुपये की लागत की 61 विकास परियोजनाओं तथा रामपुर विधानसभा क्षेत्र को 232.93 करोड़ रुपये की 28 परियोजनाओं की सौगात मिली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य विकास को पहाड़ के अंतिम गांव तक पहुंचाना है। रोहडू में पीएम श्री राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के नए भवन के लिए दो करोड़ रुपये देने की घोषणा की गई। संदासू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को सिविल अस्पताल बनाने, समरकोट में उपतहसील खोलने और चिड़गांव में एसडीएम कार्यालय के लिए सर्वे करवाने की घोषणा भी हुई। जांगला और चिड़गांव स्कूलों को सीबीएसई स्कूल बनाने का निर्णय लिया गया।

चिड़गांव में मुख्यमंत्री ने किसानों और पशुपालकों के हित में एक दिसंबर से दूध के समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी की घोषणा की। मंडी मध्यस्थता योजना के तहत सेब का खरीद मूल्य 12 से बढ़ाकर 13 रुपये प्रति किलोग्राम करने की घोषणा भी की गई। टिक्कर-जरोल-गाहन सड़क के निर्माण के लिए 36 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

रामपुर क्षेत्र में तकलेच स्कूल को सीबीएसई के तहत लाने की घोषणा की गई। काशा-पाट में नए स्कूल भवन के लिए दो करोड़ रुपये और खेल मैदान के निर्माण की घोषणा हुई। रचौली स्कूल भवन के लिए भी दो करोड़ रुपये देने का ऐलान किया गया। काशा-पाट से तकलेच होते हुए रामपुर तक बस सेवा शुरू करने के प्रयास की बात मुख्यमंत्री ने कही।

दौरे के दौरान दोनों विधानसभा क्षेत्रों में एंटी चिट्टा रैलियों में हिस्सा लेकर मुख्यमंत्री ने नशामुक्त हिमाचल बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। नोगली में 1,471 पंजीकृत श्रमिकों और उनके आश्रितों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत 5.78 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता भी प्रदान की गई।



मौसम की मार से हिमाचल में सेब उत्पादन में भारी गिरावट

गर्म सर्दियों और मौसम बदलाव से बागवानों की चिंता बढ़ी, उत्पादन पर पड़ा असर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश की सेब आर्थिकी पर इस बार मौसम की मार साफ दिखाई दी है। प्रदेश के बागों में फूल तो अच्छी तरह खिले, लेकिन बदलते मौसम के कारण फल टिक नहीं पाए। गर्म होती सर्दियों, कम होते चिलिंग ऑवर्स, तापमान में उतार-चढ़ाव, बारिश और ओलावृष्टि ने सेब के फल सेट को प्रभावित किया। इसका असर मंडियों में पहुंचने वाली सेब की पेटियों पर भी पड़ा है। आंकड़ों के अनुसार, दो अक्टूबर 2025 तक प्रदेश की मंडियों में 20 किलो वजन वाली 2.58 करोड़ पेटी सेब पहुंचा था। वहीं, पहली अक्टूबर 2026 तक यह आंकड़ा घटकर मात्र 1.17 करोड़ पेटी रह गया। यानी पिछले वर्ष की तुलना में सेब की आवक में करीब 54.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। पांच हजार करोड़ रुपये की सेब आर्थिकी वाले हिमाचल के लिए यह गिरावट आने वाले समय में बड़ी चुनौती का संकेत मानी जा रही है।



जलवायु परिवर्तन ने हिमाचल की सेब आर्थिकी को दी चुनौती।

विशेषज्ञों के अनुसार, सेब के पेड़ों के बेहतर उत्पादन के लिए पर्याप्त ठंड जरूरी होती है। सर्दियों में छह डिग्री सेल्सियस से कम तापमान रहने की अवधि को चिलिंग ऑवर्स कहा जाता है। तापमान बढ़ने और ठंड की अवधि कम होने से सेब के पेड़ों में कलियों का विकास, फूल आने की प्रक्रिया और फल बनने की क्षमता प्रभावित होती है।

मार्च-अप्रैल 2026 में गर्म सर्दियों के बाद अचानक तापमान में गिरावट दर्ज की गई। इसका सबसे अधिक असर मध्य और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में फूल आने के समय पड़ा। कई क्षेत्रों में फूल तो अधिक आए, लेकिन परागण और फल सेट की प्रक्रिया प्रभावित होने से पेड़ों पर अपेक्षित फल नहीं टिक सके।

वैज्ञानिक अध्ययनों में भी हिमाचल में सेब उत्पादन के ऊंचाई वाले क्षेत्रों की ओर बढ़ने के संकेत मिले हैं।

विभाग ने आधुनिक तकनीक अपनाने पर दिया जोर

बागवानी विभाग के निदेशक डॉ. सतीश शर्मा ने कहा कि इस बार पिछले वर्ष की तुलना में मंडियों में लगभग आधा सेब पहुंचा है। उन्होंने बताया कि सेब उत्पादन जलवायु परिवर्तन और मौसम के बदलाव से काफी प्रभावित हुआ है। विभाग उच्च घनत्व वाले पौधों और आधुनिक किस्मों को बढ़ावा दे रहा है, ताकि उत्पादन को बेहतर बनाया जा सके। वहीं, हिमाचल प्रदेश सब्जी एवं फल उत्पादक संघ के अध्यक्ष हरीश चौहान ने कहा कि कई बागवानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने बताया कि कुछ बागों में जहां सामान्य उत्पादन पांच हजार पेटी तक रहता था, वहां इस बार केवल कुछ सौ पेटी उत्पादन हुआ है। उन्होंने कहा कि बागवानी को बचाने के लिए सेब के साथ अन्य फलों की खेती को भी बढ़ावा देना होगा। सेब उत्पादन में आई गिरावट ने हिमाचल के बागवानों के सामने जलवायु परिवर्तन से निपटने की चुनौती खड़ी कर दी है।

रोहड़ू महासू मंदिर में लाखों की चांदी चोरी

ताला तोड़कर चोरों ने चांदी की सिल्लियां और नकदी उड़ाई

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिले के रोहड़ू क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध देवता महासू मंदिर में चोरी की घटना सामने आई है। अज्ञात चोरों ने मंदिर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और वहां रखी तिजोरी को तोड़कर चांदी की सिल्लियों समेत कई कीमती वस्तुएं और नकदी चोरी कर ली। चोरी की गई चांदी की वस्तुओं की बाजार कीमत करीब सात लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस के अनुसार यह वारदात 2 और 3 अक्टूबर की मध्यरात्रि के दौरान हुई। इस संबंध में रोहड़ू के टिक्कर निवासी सुरेंद्र सिंह की शिकायत पर रोहड़ू पुलिस थाना में मामला दर्ज किया गया है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

शिकायत के मुताबिक अज्ञात व्यक्ति ने सबसे पहले मंदिर के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ा। इसके बाद वह मंदिर परिसर में दाखिल हुआ और वहां रखी लोहे की तिजोरी को भी तोड़ दिया। तिजोरी के अंदर रखी चांदी की दो सिल्लियां गायब मिलीं। दोनों सिल्लियों का वजन करीब एक-एक किलोग्राम बताया गया है।

इसके अलावा चोर मंदिर में स्थापित मूर्ति के पास रखी करीब 500 ग्राम वजन की चांदी की छत्र भी ले गए। वहीं, मूर्ति के साथ रखे करीब 500 ग्राम वजन के चांदी के शिवलिंग को भी चोरी कर लिया गया। मंदिर में रखे एक डिब्बे से करीब नौ हजार रुपये की नकदी भी गायब मिली।



देवता महासू मंदिर में चोरी से श्रद्धालुओं और प्रबंधन में चिंता

पुलिस ने बताया कि चोरी हुई चांदी की सभी वस्तुओं का कुल वजन करीब तीन किलोग्राम है और इनकी वर्तमान बाजार कीमत लगभग सात लाख रुपये है। घटना के बाद मंदिर प्रबंधन और स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल है।

रोहड़ू पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी है। चोरी की जांच खड़ाला पुलिस चौकी के प्रभारी एएसआई संजय को सौंपी गई है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में जानकारी जुटाने के साथ ही संदिग्धों की तलाश कर रही है।

देवस्थल की सुरक्षा पर सवाल

पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(3), 305 और 3(5) के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मंदिर में हुई चोरी को लेकर पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। रोहड़ू के देवता महासू मंदिर में चोरों ने ताला तोड़कर चांदी की सिल्लियां, छत्र, शिवलिंग और नकदी चोरी कर ली। करीब सात लाख रुपये की चोरी के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी की तलाश के लिए टीमों को सक्रिय किया गया है।

जुब्बल पुलिस ने दबोचा लंबे समय से फरार उद्घोषित अपराधी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। पुलिस थाना जुब्बल के वर्ष 2018 के एक मामले में न्यायालय द्वारा उद्घोषित अपराधी घोषित किए गए आरोपी अनिल कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी को पीओ सेल सब-डिवीजन रोहड़ू की टीम ने 3 अक्टूबर 2026 को गिल्टाड़ी थाच क्षेत्र से पकड़ा।



जानकारी के मुताबिक, पुलिस थाना जुब्बल में अभियोग संख्या 02/2018 दिनांक 6 जनवरी 2018 को आरोपी अनिल कुमार पुत्र तुली राम निवासी तहसील जुब्बल, जिला शिमला के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं 451, 427, 504 और 506 के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में आरोपी पर घर में अनधिकृत प्रवेश, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और आपराधिक धमकी देने के आरोप थे।

पुलिस ने बताया कि मामले की सुनवाई के दौरान आरोपी न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं हुआ, जिसके बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) जुब्बल की अदालत ने 2 सितंबर 2026 को उसे उद्घोषित अपराधी घोषित कर दिया था।

इसके बाद पुलिस टीम आरोपी की तलाश में लगातार जुटी हुई थी। पुलिस ने स्थानीय स्तर पर सूचनाएं जुटाईं और उपलब्ध जानकारियों के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उद्घोषित अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। आरोपी की गिरफ्तारी से लंबित न्यायिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

आंगनबाड़ी कर्मियों ने मानदेय वृद्धि पर खोला मोर्चा

छह माह बाद भी बजट घोषणा लागू नहीं, 23 अक्टूबर को होगा प्रदेशव्यापी प्रदर्शन

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में आंगनबाड़ी वर्कर्स एवं हेल्पर्स यूनियन ने बजट में घोषित 1000 रुपये मासिक मानदेय वृद्धि को लागू नहीं किए जाने पर आंदोलन का ऐलान किया है। यूनियन का कहना है कि सरकार की घोषणा के करीब छह माह बाद भी बढ़ी हुई राशि जारी नहीं की गई है। इसे लेकर 23 अक्टूबर 2026 को प्रदेशभर में आंगनबाड़ी कर्मियों द्वारा प्रदर्शन किया जाएगा।

आंगनबाड़ी वर्कर्स एवं हेल्पर्स यूनियन संबंधित सीटू हिमाचल प्रदेश राज्य कमेटी की बैठक हमीरपुर स्थित कॉमरेड ज्योति बासु भवन में प्रदेशाध्यक्ष नीलम जसवाल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में कर्मियों की लंबित मांगों, सरकार द्वारा बजट में की गई घोषणाओं और पूर्व में किए गए प्रदर्शनों की समीक्षा की गई।

बैठक को सीटू राष्ट्रीय सचिव डॉ. कश्मीर ठाकुर, सीटू प्रदेशाध्यक्ष विजेंद्र मेहरा, यूनियन अध्यक्ष नीलम जसवाल और महासचिव वीना शर्मा ने संबोधित किया। नेताओं ने कहा कि आंगनबाड़ी



वर्कर्स और हेल्पर्स महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, टीकाकरण, प्रारंभिक शिक्षा और महिलाओं से जुड़ी योजनाओं के संचालन में उनका अहम योगदान है।

यूनियन ने मांग की कि मुख्यमंत्री द्वारा बजट में घोषित 1000 रुपये मासिक मानदेय वृद्धि को तुरंत लागू किया जाए और कर्मचारियों को इसका लाभ एरियर सहित दिया जाए। नेताओं ने कहा कि आंगनबाड़ी कर्मियों को लंबे समय से नियमित कर्मचारी का दर्जा, सम्मानजनक वेतन और सामाजिक सुरक्षा सुविधाओं का इंतजार है।

बैठक में निर्णय लिया गया कि लंबित मांगों को लेकर 23 अक्टूबर को सभी जिलों और परियोजना स्तर पर प्रदर्शन किए जाएंगे। यूनियन ने सभी आंगनबाड़ी वर्कर्स और हेल्पर्स से इसमें अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है।

बैठक में सीटू के राष्ट्रीय आह्वान पर 1 और 2 दिसंबर 2026 को दिल्ली में होने वाले महापड़ाव की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। यूनियन ने फैसला लिया कि हिमाचल प्रदेश से करीब 1000 आंगनबाड़ी वर्कर्स एवं हेल्पर्स इस महापड़ाव में भाग लेंगे।

यूनियन ने अन्य मांगों में नियमित कर्मचारी का दर्जा, सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन सुविधा, ग्रेच्युटी सहित सामाजिक सुरक्षा लाभ, बेहतर कार्य परिस्थितियां और आंगनबाड़ी केंद्रों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने की मांग उठाई।

बैठक में कहा गया कि कर्मियों पर लगातार अतिरिक्त कार्यों का बोझ बढ़ रहा है। इसलिए निर्धारित कार्यों के अलावा करवाए जाने वाले कामों के लिए उचित व्यवस्था और पारिश्रमिक मिलना चाहिए। सीटू नेताओं ने कहा कि आंगनबाड़ी कर्मियों की समस्याएं केवल मानदेय तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह देश की महिला एवं बाल कल्याण व्यवस्था से जुड़ा विषय है।

किन्नौर सिटी टॉर्च अकादमी की तीन छात्राओं का हुआ चयन

भारतेन्दु संवाददाता, रिकांगपिओ। रिकांगपिओ स्थित किन्नौर सिटी टॉर्च अकादमी के लिए वर्ष 2026 गौरवपूर्ण उपलब्धियों से भरा रहा है। अकादमी से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाली तीन होनहार छात्राओं का चयन होने से संस्थान में खुशी का माहौल है। छात्राओं की इस सफलता पर अकादमी प्रबंधन, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

किन्नौर सिटी टॉर्च अकादमी के प्रबंध निदेशक राजन देव ने चयनित छात्राओं, उनके परिवारों और अकादमी के समस्त स्टाफ को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि छात्राओं की कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर प्रयासों का परिणाम है। इसके साथ ही शिक्षकों के बेहतर मार्गदर्शन और संस्थान की गुणवत्तापूर्ण तैयारी व्यवस्था ने भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

राजन देव ने कहा कि अकादमी का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बेहतर प्रशिक्षण और सही दिशा प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में हिमाचल प्रदेश पुलिस सहित अन्य सरकारी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए अकादमी में विशेष मार्गदर्शन उपलब्ध करवाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आर्थिक स्थिति के कारण कई प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से वंचित रह जाते हैं। ऐसे विद्यार्थियों को अवसर देने के उद्देश्य से अकादमी ने बीपीएल परिवारों से संबंधित विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु पांच सीटें पूरी तरह निशुल्क उपलब्ध करवाने की घोषणा की है।

अकादमी प्रबंधन ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का अवसर देना है, ताकि वे अपने सपनों को पूरा कर सकें। किन्नौर सिटी टॉर्च अकादमी की ओर से चयनित तीनों छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। अकादमी ने विश्वास जताया कि भविष्य में भी संस्थान के विद्यार्थी इसी तरह सफलता हासिल कर क्षेत्र और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

जूनियर टी-मेट भर्ती में 30 वर्ष आयु सीमा वैध

जूनियर टी-मेट पद की आयु सीमा घटाने का फैसला हाई कोर्ट ने माना सही

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट ने भर्ती नियमों में बदलाव को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि किसी पद के लिए पात्रता मानदंड तय करना, आयु सीमा निर्धारित करना और नियमों में संशोधन करना नियोक्ता का विशेषाधिकार है। अदालत ने हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड में जूनियर टी-मेट (ऑपरेशन विंग) पद के लिए सीधी भर्ती की अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष से घटाकर 30 वर्ष करने के निर्णय को सही ठहराया है।



न्यायाधीश अजय मोहन गोयल और न्यायाधीश योगेश जसवाल की खंडपीठ ने इस संबंध में दायर याचिका को खारिज करते हुए कहा कि भर्ती प्रक्रिया से जुड़े फैसले नीतिगत विषय होते हैं। अदालत केवल तभी हस्तक्षेप कर सकती है, जब किसी निर्णय में दुर्भावना या कानूनी प्रक्रिया की अनदेखी सामने आए।

मामला हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड की ओर से 16 जुलाई 2014 को जारी अधिसूचना से जुड़ा था। इसमें जूनियर टी-मेट पद के लिए सीधी भर्ती की अधिकतम आयु सीमा को 18-45 वर्ष से घटाकर 18-30 वर्ष कर दिया गया था।

याचिकाकर्ताओं ने इस संशोधन को चुनौती देते हुए इसे भेदभावपूर्ण और संविधान के अनुच्छेद 14 के खिलाफ बताया था। उनका कहना था कि नए नियमों के कारण वे भर्ती के लिए अपात्र हो गए हैं और उनके अवसर प्रभावित हुए हैं।

वहीं, बिजली बोर्ड ने अदालत में तर्क दिया कि यह निर्णय सरकार, सर्विस कमेटी की सलाह और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की मंजूरी के बाद लिया गया था। बोर्ड ने बताया कि जूनियर टी-मेट का कार्य मुख्य रूप से फील्ड से जुड़ा होता है, जिसमें ऊंचे बिजली के खंभों पर चढ़ने जैसे कठिन काम शामिल हैं।

ओलावृष्टि और बर्फीले तूफान में फंसे लोगों को मिली राहत

रुपिन पास में फंसे चरवाहों का छह दिन बाद सफल रेस्क्यू

भारतेन्दु संवाददाता,रिकांगपिओ। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले के दुर्गम रुपिन पास क्षेत्र में भारी ओलावृष्टि, बर्फबारी और बर्फीले तूफान के कारण फंसे चरवाहों और उनके पशुधन को पुलिस ने छह दिन बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया। कठिन परिस्थितियों के बीच पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने साहसिक रेस्क्यू अभियान चलाकर सभी को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया।



पुलिस के अनुसार सांगला कांडा से डोडरा क्वार की ओर जा रहे चरवाहों के फंसने की सूचना 27 सितंबर को मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने राहत अभियान की तैयारी शुरू कर दी। इसके बाद 29 और 30 सितंबर को टीम ने दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया।

अभियान के दौरान भारी बर्फबारी, ओलावृष्टि और खराब मौसम ने कई चुनौतियां खड़ी कीं, लेकिन पुलिस जवानों ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने जोखिम उठाते हुए फंसे हुए चरवाहों तक पहुंच बनाई और उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला।

रेस्क्यू टीम ने केवल लोगों को ही नहीं बचाया, बल्कि उनके पशुधन को भी सुरक्षित निकालने के लिए विशेष प्रयास किए। बर्फ में दबी दो बकरियों और तीन भेड़ों को भी जीवित बाहर निकाला गया। इसके अलावा करीब 1600 से 1700 भेड़-बकरियों को सुरक्षित वापस लाया गया।

एचपीयू में स्वामी विवेकानंद सामान्य ज्ञान परीक्षा का हुआ आयोजन, 113 छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की विश्वविद्यालय इकाई की ओर से स्वामी विवेकानंद सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामान्य ज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाना, बौद्धिक क्षमता का विकास करना और स्वामी विवेकानंद के राष्ट्रवादी विचारों एवं आदर्शों से युवाओं को जोड़ना रहा।

विश्वविद्यालय इकाई के मंत्री सुशील शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता के सफल संचालन और विद्यार्थियों की सुविधा के लिए चार परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। प्रतियोगिता को लेकर विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। इसमें नौवीं से बारहवीं कक्षा तक के 113 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के प्रश्नपत्र में स्वामी विवेकानंद के जीवन, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम, भारतीय इतिहास, समसामयिक घटनाओं और सामान्य विज्ञान से जुड़े महत्वपूर्ण प्रश्न शामिल किए गए थे। परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर पारदर्शिता और अनुशासन बनाए रखने के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने परीक्षा नियंत्रक और पर्यवेक्षक के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाई।



इस अवसर पर एबीवीपी विश्वविद्यालय इकाई के अध्यक्ष और सचिव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के लिए प्रेरणा के सबसे बड़े स्रोत हैं। उनके विचार आज भी युवाओं को राष्ट्र निर्माण, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने के साथ-साथ उन्हें देश के इतिहास और महान व्यक्तित्वों से परिचित कराने का माध्यम बनती हैं।

सैलानियों से गुलजार शिमला, ट्रेन बंद होने से सड़कों पर बढ़ी भीड़

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। कालका-शिमला हेरिटेज रेल मार्ग पर भूस्खलन के बाद मरम्मत कार्य के चलते ट्रेन सेवा बंद होने का असर पर्यटन सीजन पर देखने को मिला। लंबे वीकेंड पर बड़ी संख्या में पर्यटकों ने सड़क मार्ग से शिमला का रुख किया, जिससे शहर के प्रवेश मार्गों और कालका-शिमला हाईवे पर वाहनों का दबाव बढ़ गया। रविवार को वीकेंड समाप्त होने के बाद पर्यटकों की वापसी के कारण शिमला से कालका की ओर भी वाहनों की लंबी कतारें नजर आईं।



मानसून की विदाई और साफ मौसम के बीच शिमला में पर्यटन गतिविधियां तेज हो गई हैं। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान समेत कई राज्यों से पर्यटक यहां पहुंचे। पिछले दो दिनों में बाहरी राज्यों के करीब 34 हजार वाहनों की आवाजाही दर्ज की गई। शहर के होटलों में 80 से 90 प्रतिशत तक कमरे बुक रहे।

जिला पर्यटन अधिकारी शिमला जगदीश शर्मा ने बताया कि लंबे वीकेंड और अनुकूल मौसम के कारण पर्यटकों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि इस बार प्राकृतिक आपदाओं का असर कम रहने से पर्यटन कारोबार को भी लाभ मिला है। शिमला के साथ-साथ पर्यटक आसपास के क्षेत्रों का भी रुख कर रहे हैं।

पर्यटकों की बढ़ी संख्या का असर शहर की यातायात व्यवस्था पर भी पड़ा। तारादेवी, टूटीकंडी, कार्ट रोड और ढली क्षेत्र में वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं। पुलिस ने यातायात नियंत्रण के लिए अतिरिक्त जवान तैनात किए और व्यवस्था बनाए रखने के लिए निगरानी बढ़ाई।

अभियान | रिज मैदान से शुरू हुई दौड़ में प्रतिभागियों ने वन्यजीव संरक्षण का फैलाया संदेश

वन्यजीव सप्ताह पर शिमला में मिनी मैराथन आयोजित

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। वन्यजीव सप्ताह-2026 के तहत हिमाचल प्रदेश वन विभाग के वन्यजीव विंग की ओर से रविवार को राजधानी शिमला में मिनी मैराथन का आयोजन किया गया। ऐतिहासिक रिज मैदान से शुरू हुई इस मैराथन में बड़ी संख्या में बच्चों, युवाओं और अन्य प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को वन्यजीव संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा और स्वस्थ जीवन शैली का संदेश दिया गया।

मिनी मैराथन का शुभारंभ शिमला शहरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक हरीश जनारथा ने रिज मैदान से हरी झंडी दिखाकर किया। इस दौरान उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि वन्यजीव हमारी प्राकृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इनके संरक्षण के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने बच्चों और युवाओं से

- **मिनी मैराथन में उमड़ा उत्साह, प्रकृति और वन्यजीव संरक्षण पर रहा जोर**

वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने और संरक्षण कार्यों में सहयोग करने की अपील की।

मैराथन का आयोजन रिज मैदान से शुरू होकर समरहिल तक किया गया। इसके बाद प्रतिभागी वापस रिज मैदान पहुंचे। पूरे मार्ग में प्रतिभागियों ने उत्साह और अनुशासन के साथ दौड़ पूरी की। कार्यक्रम में महिला और पुरुष दोनों वर्गों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

महिला वर्ग में अनामिका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया। विपाशा दूसरे और सुमन तीसरे स्थान पर रहीं। वहीं पुरुष वर्ग में जतिन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ध्रुव दूसरे और रामकृष्ण तीसरे स्थान पर रहे। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान के लिए पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।



वन्यजीव सप्ताह में युवाओं की भागीदारी, संरक्षण के प्रति बढ़ी जागरूकता

आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों और युवाओं की भागीदारी से वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य केवल खेल गतिविधियों को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि पर्यावरण और वन्यजीवों के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी है।

कार्यक्रम के दौरान वन्यप्राणी प्रभाग और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि वन्यजीव सप्ताह के तहत प्रदेशभर में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इनका उद्देश्य लोगों को वन्यजीवों के महत्व, जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरण संतुलन के प्रति जागरूक करना है।

मिनी मैराथन में बच्चों और युवाओं की भागीदारी ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। प्रतिभागियों ने दौड़ के माध्यम से यह संदेश दिया कि स्वस्थ समाज और सुरक्षित पर्यावरण के लिए वन्यजीव संरक्षण जरूरी है। आयोजकों ने उम्मीद जताई कि इस तरह के कार्यक्रमों से आम लोगों में वन्यजीवों को बचाने और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने की भावना और मजबूत होगी।

न्यूज ब्रीफ

कंडोलिया मार्केट में कांग्रेस ने चलाया जनसंपर्क अभियान

भारतेन्दु संवाददाता, पौड़ी। विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कांग्रेस ने जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में अरुणा कुमार ने पुष्पेंद्र रावत की अध्यक्षता में कंडोलिया मार्केट का भ्रमण कर व्यापारियों और स्थानीय लोगों से संपर्क किया। इस दौरान कांग्रेस की नीतियों और कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए पार्टी के समर्थन की अपील की गई। जनसंपर्क अभियान में जयपाल सिंह, बीपी गौड़, प्रदीप सिंह रावत, जगदीश, दीपक सिंह, नरेश रावत, जसवंत रावत, किशोर, उमेश पाल, आशीष पटवाल समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अवैध शराब के साथ युवक गिरफ्तार ऑल्टो कार सीज



भारतेन्दु संवाददाता, उत्तरकाशी। अवैध गतिविधियों और मादक पदार्थों के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत पुरोला पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को गिरफ्तार किया। पुलिस ने पुरोला टैक्सी पार्किंग, नौगांव रोड के पास एक ऑल्टो कार की तलाशी ली, जिसमें एक पेटी अवैध अंग्रेजी शराब और दो पेटी बीयर बरामद हुई। पुलिस ने वाहन को सीज कर दिया। गिरफ्तार युवक की पहचान आशुतोष उर्फ सूरज निवासी गुंदियाट गांव, पुरोला के रूप में हुई है। उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुरानी टिहरी की रामलीला की गौरवगाथा समेटे स्मारिका का विमोचन



भारतेन्दु संवाददाता,टिहरी। पुरानी टिहरी की वर्ष 1952 से चली आ रही ऐतिहासिक रामलीला की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए श्री रामकृष्ण लीला समिति टिहरी 1952, देहरादून की ओर से आयोजित भव्य रामलीला महोत्सव-2026 की स्मारिका का विमोचन किया गया। स्मारिका में रामलीला की 1952 से अब तक की यात्रा, ऐतिहासिक विरासत और उपलब्धियों को संजोया गया है। समिति के अध्यक्ष अभिनव थापर ने बताया कि टिहरी बांध के निर्माण के बाद पुरानी टिहरी के जलमग्न होने से रामलीला अपनी मूल भूमि से दूर हो गई थी। वर्ष 2023 में 21 साल के अंतराल के बाद देहरादून में इसका पुनर्जीवन किया गया। वर्ष 2025 में रामलीला को डिजिटल माध्यम से 82 लाख से अधिक दर्शकों ने देखा। इस वर्ष एक करोड़ से अधिक दर्शकों तक पहुंचाने का लक्ष्य है। महोत्सव 8 से 25 अक्टूबर तक रेसकोर्स में होगा, जबकि 11 से 21 अक्टूबर तक रामलीला का मंचन किया जाएगा।

लोक गायिका हेमा नेगी करासी को 'अमेजिंग इंडिया अवार्ड', बढ़ाया देवभूमि का मान

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड की प्रसिद्ध लोक गायिका हेमा नेगी करासी को कला एवं लोक कला के संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'अमेजिंग इंडिया अवार्ड' से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली में आयोजित विशेष समारोह में अडानी ग्रुप द्वारा प्रस्तुत यह सम्मान उन्हें प्रदान किया गया। हेमा नेगी करासी लंबे समय से उत्तराखंड के लोकगीतों, पारंपरिक विधाओं और वाद्य यंत्रों के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार के लिए कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों, बोली-भाषा और परंपराओं से जोड़ना है। उन्होंने सम्मान को देवभूमि उत्तराखंड की लोक संस्कृति और कलाकारों को समर्पित किया। राष्ट्रीय स्तर पर मिले इस सम्मान से उत्तराखंड की समृद्ध लोक विरासत को नई पहचान मिली है।



बनबसा में धामी कैबिनेट की बैठक, 24 प्रस्तावों पर लगी मुहर

1.19 लाख विद्यार्थियों के कौशल विकास पर खर्च होंगे 200 करोड़ रुपए

अनिल थपलियाल

देहरादून/चम्पावत। उत्तराखंड में शासन को दूरस्थ और सीमांत क्षेत्रों तक पहुंचाने की पहल के तहत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में रविवार को चम्पावत के बनबसा स्थित एनएचपीसी परिसर में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक हुई। चम्पावत जिले में पहली बार आयोजित कैबिनेट बैठक में राज्यहित से जुड़े 24 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब कैबिनेट की बैठकें केवल देहरादून तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि विभिन्न जिलों में भी आयोजित की जाएंगी, ताकि स्थानीय समस्याओं और विकास की जरूरतों पर सीधे निर्णय लिए जा सकें।

कैबिनेट ने वन भूमि हस्तांतरण के तकनीकी परीक्षण और ऑनलाइन संरेखण के लिए परियोजना प्रबंधन इकाई के गठन तथा छह पदों की स्वीकृति दी। वर्ग-3 और वर्ग-4 की भूमि के पट्टेदारों व कब्जाधारकों को



सीमांत विकास को बल रोजगार और कनेक्टिविटी पर सरकार का जोर

भूमिधरी अधिकार देने तथा संबंधित भूमि के विनियमितीकरण को भी मंजूरी मिली। पंतनगर ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के विस्तार से जुड़ी परिसंपत्तियों के लिए उत्तराखंड सीड्स एंड तराई डेवलपमेंट कॉरपोरेशन को 66.29 करोड़ रुपये की अवशेष धनराशि जारी करने पर सहमति बनी।

संपत्ति के लेन-देन में पैन सत्यापन व्यवस्था लागू करने और राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन संशोधन विधेयक-2026 को मंजूरी दी गई। इसके तहत वार्षिक राजकोषीय घाटे की सीमा सकल राज्य घरेलू उत्पाद के तीन प्रतिशत और संचयी ऋण की अधिकतम सीमा 30 प्रतिशत निर्धारित की गई है। वन विभाग के विभागाध्यक्ष संबंधी व्यवस्था में बदलाव, छठवें राज्य वित्त आयोग की रिपोर्ट को विधानसभा में रखने और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत सहायक लोक अभियोजक की नियुक्ति संबंधी अधिसूचना को भी मंजूरी मिली।

'समूह-ग' की भर्ती प्रक्रिया में बदलाव करते हुए कुछ पदों से साक्षात्कार हटाने, लोक सेवा आयोग के दायरे में संशोधन और सतर्कता अधिष्ठान के ढांचे के पुनर्गठन का निर्णय लिया गया। सार्वजनिक परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण से मिलने वाली आय का 92 प्रतिशत संबंधित सार्वजनिक अभिकरणों को देने, पुराने नहर एवं जल निकास अधिनियम को निरस्त कर नया सिंचाई एवं जल निकासी विधेयक लाने तथा कुक्कुट आहार सब्सिडी को सीधे बैंक खातों में देने को मंजूरी दी गई।

उच्च शिक्षा कौशल योजना को मिली मंजूरी

उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों के लिए मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा कौशल संवर्धन योजना-2026 शुरू होगी। इससे करीब 1.19 लाख विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा और पांच वर्षों में लगभग 200 करोड़ रुपये खर्च होंगे। निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना के मानकों में भी बदलाव किया गया। इसके अलावा नरेंद्रनगर में उप निबंधक कार्यालय, वैक्टर जनित रोग नियंत्रण सेवा नियमावली तथा राजकीय मेडिकल कॉलेजों में वरिष्ठ और कनिष्ठ रेजिडेंट के वेतन-मानदेय के पुनर्निर्धारण को मंजूरी दी गई।

अर्धकुंभ के 709 करोड़ के बजट पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

अर्धकुंभ बजट पर कांग्रेस ने मांगा श्वेत पत्र



भारतेन्दु संवाददाता, हरिद्वार

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता आलोक शर्मा ने अर्धकुंभ के लिए जारी 709 करोड़ रुपये के बजट के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए निर्माण कार्यों की उच्चस्तरीय जांच और श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है। प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता में उन्होंने कहा कि राज्य और केंद्र सरकार की लापरवाही के कारण कुंभ बजट का उचित उपयोग नहीं हो रहा है। भाजपा के पार्षद भी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ज्वालापुर और बहादराबाद क्षेत्र को विकास कार्यों में पर्याप्त स्थान नहीं मिला है।

शर्मा ने कहा कि सीतापुर, रवि विहार, ब्रह्मपुरी, शिव विहार, आन्नेकी और रोशनाबाद समेत कई क्षेत्रों में सड़कें बदहाल हैं और सीवर लाइन की सुविधा नहीं है। कई स्थानों पर पानी की टंकियां बना दी गई हैं, लेकिन अब तक कनेक्शन नहीं दिए गए।

पहले काम, बाद में टेंडर का आरोप

उन्होंने कहा कि यदि अर्धकुंभ के बजट से इन क्षेत्रों में जरूरी विकास कार्य कराए जाते तो स्थानीय लोगों को सीधा लाभ मिलता। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए प्रत्येक कार्यस्थल पर साइन बोर्ड लगाने की मांग की। बोर्ड पर अधिकारियों के मोबाइल नंबर और कार्यदायी संस्था का नाम अंकित करने के साथ थर्ड पार्टी ऑडिट की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग भी की। शर्मा ने आरोप लगाया कि कुछ कार्य पहले कराए जा रहे हैं और उनके टेंडर बाद में किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अर्धकुंभ आस्था का पर्व है, इसलिए इसमें किसी भी तरह की लापरवाही और अनियमितता स्वीकार नहीं की जाएगी।

हरिद्वार तक चलेगी गरीब रथ एक्सप्रेस, दो नई एसी ट्रेनों को मंजूरी

उत्तराखंड में रेल कनेक्टिविटी को मिलेगा विस्तार

अनिल थपलियाल

हरिद्वार। उत्तराखंड में रेल कनेक्टिविटी को और मजबूत करने की दिशा में केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। रेलवे मंत्रालय ने बांद्रा टर्मिनस-दिल्ली सराय रोहिल्ला गरीब रथ एक्सप्रेस का हरिद्वार तक विस्तार करने के साथ ही हरिद्वार-वेरावल एसी एक्सप्रेस और हरिद्वार-ओखा एसी एक्सप्रेस के संचालन को स्वीकृति प्रदान की है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पत्र के माध्यम से इसकी जानकारी दी है। इन नई रेल सेवाओं से उत्तराखंड के यात्रियों को देश के विभिन्न हिस्सों तक आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की धार्मिक, पर्यटन एवं आर्थिक गतिविधियों को गति देने में बेहतर रेल कनेक्टिविटी की महत्वपूर्ण भूमिका है।



हरिद्वार से वेरावल-ओखा के लिए एसी एक्सप्रेस

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से उत्तराखंड में रेल सेवाओं का लगातार विस्तार हो रहा है। नई ट्रेनों के संचालन से प्रदेश के लोगों को देश के प्रमुख शहरों और धार्मिक स्थलों से बेहतर संपर्क मिलेगा। हरिद्वार से वेरावल और ओखा के लिए एसी एक्सप्रेस शुरू होने से गुजरात और पश्चिमी भारत की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों को भी सुविधा मिलेगी।

बेहतर रेल सेवा से यात्रियों को मिलेगी राहत

उन्होंने कहा कि बेहतर रेल कनेक्टिविटी से तीर्थयात्रियों, पर्यटकों, व्यापारियों, विद्यार्थियों और आम यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही प्रदेश के पर्यटन और व्यापार को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। रेल सेवाओं का विस्तार उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसरों को मजबूत करने में भी सहायक साबित हो सकता है।

महाराज ने निर्माणाधीन जमरानी बांध का किया निरीक्षण

अनिल थपलियाल



हल्द्वानी। प्रदेश के सिंचाई, पर्यटन, लोक निर्माण और ग्रामीण निर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने रविवार को नैनीताल जिले में काठगोदाम से करीब 10 किलोमीटर दूर गोला नदी पर निर्माणाधीन बहुउद्देशीय जमरानी बांध परियोजना का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से परियोजना की प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्माण कार्य में तेजी लाने और निर्धारित समय-सीमा के भीतर काम पूरा करने के निर्देश दिए। महाराज ने कहा कि जमरानी बांध एक महत्वपूर्ण बहुउद्देशीय परियोजना है, जिसके पूरा होने से उत्तराखंड के नैनीताल और ऊधमसिंह नगर के साथ उत्तर प्रदेश के बरेली व रामपुर जिलों की करीब 57,066 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी। करीब 3,808 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना से हल्द्वानी और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले 10 लाख से अधिक लोगों को प्रतिवर्ष 42.70 मिलियन घन मीटर पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि बांध से मानसून के दौरान बाढ़ नियंत्रण और नदी के प्रवाह के नियमन में भी मदद मिलेगी। इसके साथ ही जलाशय क्षेत्र में मत्स्य पालन और पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावना है। महाराज ने अधिकारियों को निर्माण की गुणवत्ता बनाए रखते हुए सभी कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जमरानी बांध से 10 लाख लोगों को मिलेगा पेयजल और 57 हजार हेक्टेयर भूमि होगी सिंचित

आर्किटेक्स एक्सपो में पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत



भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। परेड ग्राउंड में आयोजित तीन दिवसीय आर्किटेक्स-द आर्किटेक्चरल एक्सपो का रविवार को समापन हुआ। अंतिम दिन पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। पारंपरिक गढ़वाल बैंड और जुन्याली ग्रुप की सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ उनका स्वागत किया गया। आयोजकों ने उन्हें स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर आयोजित पैनल चर्चा में वास्तुकला, आंतरिक सज्जा, भवन निर्माण, एमएसएमई, स्थानीय उद्यमों को बढ़ावा देने और आधुनिक तकनीकों के उपयोग जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने विचार साझा किए। चर्चा का संचालन आरजे कुमार गौरव भट्ट ने किया।

पैनल में प्रेम सिंह खिमाल, आशीष अरोड़ा, सुनील बिष्ट, एसएन प्रजापति, मनोज कुमार, पंकज करगेती और रितेश सिंह शामिल रहे। विशेषज्ञों ने कहा कि उत्तराखंड में निर्माण और डिजाइन क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है।

ऐसे आयोजन उद्योग से जुड़े पेशेवरों, युवाओं और उद्यमियों को संवाद, नवाचार और सहयोग का मंच उपलब्ध कराते हैं। त्रिवेंद्र सिंह रावत ने प्रदर्शनी के विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कर उत्पादों और नई तकनीकों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन प्रदेश में उद्यमिता, निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा करने में सहायक हैं। एक्सपो में बड़ी संख्या में वास्तुकार, डिजाइनर, बिल्डर, उद्यमी, विद्यार्थी और आम लोग पहुंचे।

राज्य स्तरीय खो-खो में टिहरी की टीमों का शानदार प्रदर्शन



भारतेन्दु संवाददाता, नई टिहरी। राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में जनपद टिहरी गढ़वाल की टीमों ने शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया। बालक वर्ग में टिहरी की टीम ने उपविजेता का स्थान हासिल किया, जबकि बालिका वर्ग की टीम तृतीय स्थान पर रही। प्रतियोगिता के दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन, मेहनत और टीम भावना का प्रदर्शन किया। जिला क्रीड़ा अधिकारी दीपक रावत ने खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि खेलों में बेहतर प्रदर्शन के लिए निरंतर अभ्यास, अनुशासन और समर्पण आवश्यक है। टीमों की इस उपलब्धि पर खेल प्रेमियों और जनपदवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

खो-खो में टिहरी के बालक उपविजेता बालिका टीम तृतीय

खटीमा में आदि रंगोत्सव ने बिखेरे जनजातीय संस्कृति के विविध रंग

भारतेन्दु संवाददाता,पिथौरागढ़



खटीमा में आयोजित तीन दिवसीय उत्तराखंड आदि रंगोत्सव में जनजातीय संस्कृति, परंपरा और विरासत के विविध रंग देखने को मिले। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे जनजातीय कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा, लोकनृत्य और लोकसंगीत के माध्यम से अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक प्रस्तुत की।

मुख्यमंत्री धामी ने कलाकारों के साथ थिरककर और ढोल बजाकर जनजातीय संस्कृति के प्रति सम्मान जताया। उन्होंने कहा कि आदि रंगोत्सव केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि जनजातीय समाज के गौरव और उनकी परंपराओं का उत्सव है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ विभिन्न समुदायों की पहचान को देश-दुनिया तक पहुंचाने का माध्यम हैं।

मुख्यमंत्री ने जनजातीय समाज को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आधारभूत सुविधाओं से जोड़कर सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम ने खटीमा स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय के विस्तार और सुविधाओं के लिए करीब 10 करोड़ रुपये खर्च करने की घोषणा की। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने उत्तराखंड की जनजातीय विविधता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की सराहना की। रंगोत्सव में थारू, बोक्सा, जौनसारी और राजी सहित विभिन्न जनजातीय समुदायों की संस्कृति प्रस्तुत की गई। राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा, अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड, मिजोरम और उत्तर प्रदेश के कलाकारों ने भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

बदले मौसम ने बढ़ाई मसूरी की खूबसूरती बादलों के बीच रोमांचित हुए पर्यटक

सुनील सोनकर

मसूरी। पहाड़ों की रानी मसूरी में मौसम के बदले मिजाज ने पर्यटन का रोमांच और बढ़ा दिया है। रविवार को कभी धूप तो कभी बादलों की आवाजाही, ठंडी हवाओं और पहाड़ों पर छाई धुंध के बीच पर्यटक मालरोड समेत प्रमुख पर्यटन स्थलों पर मौसम का जमकर आनंद लेते नजर आए। बदलते मौसम ने मसूरी की वादियों की खूबसूरती में चार चांद लगा दिए। वहीं मैदानी क्षेत्रों की गर्मी से राहत पाने पहुंचे पर्यटकों के लिए यहां की ठंडी फिजाएं आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। मालरोड पर दिनभर पर्यटकों की चहल-पहल बनी रही। कोई परिवार के साथ टहलता नजर आया तो कोई बादलों के बीच सेल्फी और फोटो खींचकर इन खुशनुमा पलों को कैमरे में कैद करता दिखाई दिया। अचानक बढ़ी ठंडक के चलते कई पर्यटकों ने गर्म कपड़ों का सहारा लिया।



दिल्ली से मसूरी पहुंचे पर्यटकों ने बताया कि मैदानी क्षेत्रों में अभी भी गर्मी का असर बना हुआ है, जबकि मसूरी में मौसम पूरी तरह बदल चुका है। ठंडी हवा, बादलों की आवाजाही और पहाड़ों का खूबसूरत नजारा उन्हें काफी पसंद आ रहा है। पंजाब से परिवार के साथ पहुंचे संदीप सिंह ने बताया कि देहरादून-मसूरी मार्ग पर वाहनों का दबाव अधिक होने के कारण रास्ते में जाम की परेशानी हुई, लेकिन मसूरी पहुंचने के बाद मौसम और प्राकृतिक नजारों ने सफर की थकान दूर कर दी।

बदलते मौसम के साथ मसूरी के पर्यटन कारोबार में भी रौनक नजर आई। मालरोड, कैमल बैक रोड और अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की आवाजाही बनी रही। होटल, रेस्टोरेंट, दुकानदार और पर्यटन कारोबार से जुड़े लोगों के चेहरे भी खिले नजर आए। सप्ताहांत पर बड़ी संख्या में पर्यटकों के पहुंचने से देहरादून-मसूरी मार्ग पर वाहनों का दबाव बढ़ा और कई स्थानों पर जाम की स्थिति बनी रही। इसके बावजूद पर्यटकों में मसूरी की प्राकृतिक खूबसूरती और बदलते मौसम को लेकर उत्साह बना रहा।

आस्था श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच कैंची धाम में यातायात व्यवस्था रही सुचारु

कैंची धाम में 15 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

भारतेन्दु संवाददाता, नैनीताल



कैंची धाम, नैनीताल और भवाली क्षेत्र में बढ़ते यातायात दबाव के बीच रविवार को पुलिस ने व्यापक स्तर पर यातायात व्यवस्था संभाली। सुबह से दोपहर तक 15 हजार से अधिक श्रद्धालु कैंची धाम पहुंचकर दर्शन कर चुके थे। श्रद्धालुओं को निर्धारित पार्किंग स्थलों से शटल बसों और टैक्सियों के माध्यम से मंदिर तक पहुंचाया गया। दर्शन के बाद उनकी लगातार सुरक्षित निकासी कराई गई। पुलिस के अनुसार, शटल और डायवर्जन व्यवस्था के कारण कहीं भी जाम या भीड़ से संबंधित परेशानी की सूचना नहीं मिली।

यातायात व्यवस्था के लिए पुलिस और यातायात कर्मियों के साथ पीएसी के जवान भी प्रमुख स्थानों पर तैनात रहे। अल्मोड़ा और गरमपानी की ओर से आने वाले वाहनों को खैरना-क्वारब-तल्ला रामगढ़-भवाली चौराहा मार्ग से डायवर्ट किया गया। पुलिस ने श्रद्धालुओं से निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही वाहन खड़े करने और मंदिर तक पहुंचने के लिए शटल सेवा का उपयोग करने की अपील की। इस बीच कैंची धाम, नैनीताल और भवाली में बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए हल्द्वानी और काठगोदाम के टैक्सी यूनियन पदाधिकारियों तथा वाहन संचालकों के साथ बैठक भी की गई।

बैठक में दिन की निकासी और डायवर्जन योजना की जानकारी दी गई। वाहन चालकों को बताया गया कि पहाड़ की ओर जाने वाले वाहनों को नैनीताल मार्ग से आगे जाने की अनुमति शाम 3:30 बजे तक ही होगी। इसके बाद शाम चार बजे से रात 10 बजे तक वाहनों की आवाजाही पर रोक रहेगी। पुलिस ने चालकों से निर्धारित स्थानों पर वाहन खड़े करने, बेतरतीब पार्किंग से बचने और यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की।

दलबदलू नेताओं को टिकट न दें दल, जनता भी ऐसे प्रत्याशियों को नकारे : एसआइए

राजनीतिक निष्ठा बदलने वालों से दूरी बनाने और ईमानदार उम्मीदवार चुनने का किया आह्वान

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। सेकेंड इनिंग्स एसोसिएशन (एसआइए) ने आगामी चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों और मतदाताओं से दलबदलू नेताओं को लेकर स्पष्ट रुख अपनाने की अपील की है। एसआइए ने राजनीतिक दलों से ऐसे नेताओं को टिकट नहीं देने का आग्रह किया है, जो चुनाव जीतने के बाद राजनीतिक लाभ, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा या दोबारा टिकट मिलने की संभावना के लिए अपना दल बदल लेते हैं। संगठन ने मतदाताओं से भी ऐसे प्रत्याशियों को वोट नहीं देने और ईमानदार, प्रतिबद्ध तथा जनसेवा का रिकॉर्ड रखने वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता देने की अपील की है।



एसआइए अध्यक्ष आरके गर्ग ने कहा कि कोई भी पार्षद जब किसी राजनीतिक दल के टिकट पर चुनाव लड़ता है तो वह केवल अपना व्यक्तिगत समर्थन नहीं मांगता, बल्कि पार्टी की विचारधारा, नीतियों और कार्यक्रमों के आधार पर भी जनता का विश्वास हासिल करता है। मतदाता इसी भरोसे के साथ उसे अपना प्रतिनिधि चुनते हैं। ऐसे में चुनाव जीतने के बाद राजनीतिक दल बदलना मतदाताओं के विश्वास और राजनीतिक नैतिकता पर सवाल खड़ा करता है।

राजनीतिक सुविधा के लिए दल बदलने पर उठाए सवाल : आरके गर्ग ने कहा कि कई बार नेता चुनाव के दौरान एक दल के साथ खड़े दिखाई देते हैं, लेकिन चुनाव परिणाम के बाद राजनीतिक समीकरण बदलते ही दूसरे दल में चले जाते हैं। इससे न केवल मतदाताओं के भरोसे को ठेस पहुंचती है, बल्कि स्थानीय राजनीति में अस्थिरता भी बढ़ती है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों से जनता के प्रति जवाबदेही, राजनीतिक प्रतिबद्धता और निरंतरता की अपेक्षा की जाती है।

उन्होंने राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि वे केवल चुनावी गणित को ध्यान में रखकर दलबदल करने वाले नेताओं को दोबारा उम्मीदवार न बनाएं। राजनीतिक दलों को ऐसे मामलों में स्पष्ट नीति बनानी चाहिए, ताकि चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की राजनीतिक निष्ठा और पिछले कार्यकाल का रिकॉर्ड भी जनता के सामने रहे।

मतदाता राजनीतिक इतिहास देखकर करें फैसला : एसआइए ने मतदाताओं से भी अपील की है कि नगर निगम चुनाव में मतदान करते समय केवल उम्मीदवार के व्यक्तिगत प्रभाव या प्रचार को आधार न बनाएं। मतदाताओं को उसके राजनीतिक इतिहास, जनसेवा के रिकॉर्ड, जनता के साथ व्यवहार और राजनीतिक प्रतिबद्धता को भी ध्यान में रखना चाहिए।

आरके गर्ग ने कहा कि यदि कोई नेता बार-बार राजनीतिक दल बदलता है तो मतदाताओं को उसके पीछे के कारणों पर भी विचार करना चाहिए। जनता को ऐसे प्रत्याशियों को प्राथमिकता देनी चाहिए, जो लंबे समय से अपने क्षेत्र के लोगों के साथ जुड़े हुए हैं और बिना राजनीतिक लाभ की चिंता किए जनहित के मुद्दे उठाते रहे हैं।

'दलबदलुओं को टिकट नहीं, दलबदलुओं को वोट नहीं' : एसआइए ने अपने अभियान के लिए स्पष्ट संदेश दिया है—'दलबदलुओं को टिकट नहीं, दलबदलुओं को वोट नहीं।' संगठन का कहना है कि इस संदेश का उद्देश्य किसी विशेष राजनीतिक दल या नेता का विरोध करना नहीं, बल्कि स्थानीय राजनीति में जवाबदेही और नैतिकता को मजबूत करना है।

एसआइए के अनुसार, नगर निगम जैसे स्थानीय निकायों में चुने गए प्रतिनिधियों का जनता के दैनिक जीवन से सीधा संबंध होता है। सड़क, सफाई, पानी, पार्क, यातायात, स्वास्थ्य और अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़े फैसलों में पार्षदों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।

अमृतसर में एके-47 और दो हैंड ग्रेनेड बरामद, तस्कर गिरफ्तार



भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। त्योहारों से पहले पंजाब की शांति और सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावित करने की कथित साजिश को अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने नाकाम करने का दावा किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध हथियारों की तस्करी से जुड़े एक नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। इस दौरान एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक एके-47 राइफल, मैगजीन, बड़ी संख्या में जिंदा कारतूस और दो हैंड ग्रेनेड बरामद किए गए हैं।

पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, अमृतसर ग्रामीण पुलिस को हथियारों की तस्करी से संबंधित सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए संदिग्ध तस्कर को गिरफ्तार किया। बरामद हथियारों में एके-47 राइफल और दो हैंड ग्रेनेड मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां भी सतर्क हो गई हैं। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि हथियारों की यह खेप किस उद्देश्य से मंगाई गई थी और इसे आगे किसे सौंपा जाना था।

पाकिस्तान से सीमा पार भेजी गई खेप : गिरफ्तार आरोपित की पहचान बब्बा पुत्र भोला सिंह निवासी चीमा खुर्द, थाना सराय अमानत खां, जिला तरनतारन के रूप में हुई है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में आरोपित के विदेश में बैठे कुछ संदिग्ध और देशविरोधी तत्वों से संपर्क होने की जानकारी सामने आई है। जांच एजेंसियां अब उसके संपर्कों और पूरे नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटा रही हैं।

प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि बरामद हथियारों की खेप पाकिस्तान से सीमा पार कर भारत भेजी गई थी। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि सीमा पार से हथियारों को भारत तक पहुंचाने में कौन-कौन लोग शामिल थे। इसके साथ ही आरोपित के मोबाइल फोन, संपर्कों और अन्य संभावित माध्यमों की भी जांच की जा रही है।

असला और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला : हथियारों की बरामदगी के बाद घरिंडा थाने में आरोपित के खिलाफ शस्त्र अधिनियम और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बरामद हथियारों और विस्फोटक सामग्री को कब्जे में लेकर जांच आगे बढ़ा दी है।

नेटवर्क की कड़ियां खंगाल रही पुलिस : पुलिस अब गिरफ्तार आरोपित से पूछताछ कर हथियार तस्करी नेटवर्क की आगे और पीछे की कड़ियों का पता लगाने में जुटी है। जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि हथियार किस व्यक्ति या गिरोह तक पहुंचाए जाने थे और क्या इनके जरिए किसी बड़ी आपराधिक या हिंसक वारदात को अंजाम देने की योजना थी।

अमृतसर में कांग्रेस की बढ़ी कलह, जिला प्रधान सौरभ मदान के खिलाफ एफआईआर

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। कांग्रेस की अंदरूनी कलह के बीच अमृतसर जिला कांग्रेस कमेटी (शहरी) के प्रधान सौरभ मदान उर्फ मिट्ठू के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रतिनिधि शिवानी शर्मा की शिकायत पर थाना मकबूलपुरा पुलिस ने की। शिवानी शर्मा ने सौरभ मदान पर घर पहुंचकर कथित तौर पर बदसलूकी, गाली-गलौज और धक्का देने समेत कई आरोप लगाए हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।



शिवानी शर्मा ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि तीन अक्टूबर को दोपहर करीब 12 बजे सौरभ मदान अपने अंगरक्षक और चालक के साथ न्यू अमृतसर स्थित उनके घर पहुंचे। आरोप है कि बातचीत के दौरान मदान ने उनके साथ कथित तौर पर गाली-गलौज और बदसलूकी की। शिवानी के अनुसार, जब उन्होंने इसका विरोध करते हुए उन्हें घर से जाने के लिए कहा तो मदान ने उन्हें धक्का दे दिया, जिससे वह पीछे गिर गईं।

शिकायत में घर के बाहर रखे गमलों को तोड़ने और वहां काम करने वाली महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने का भी आरोप लगाया गया है। हालांकि, शिवानी ने पुलिस को बताया कि मदान के साथ मौजूद अंगरक्षक और चालक ने उनके परिवार के किसी सदस्य के साथ कोई गलत व्यवहार नहीं किया।

वहीं, सौरभ मदान ने शिवानी शर्मा के सभी आरोपों को गलत बताया है। उनका कहना है कि वह शिवानी के घर गए थे, लेकिन घर के अंदर नहीं गए। उन्होंने गमले तोड़ने के आरोप को भी पूरी तरह निराधार बताया। मदान ने कहा कि शिवानी शर्मा के साथ उनका कोई विवाद नहीं है।

मदान के अनुसार, शिवानी से उनका करीब 12 लाख रुपये का लेन-देन है और उनके पास इससे संबंधित दस्तावेज व रिकॉर्ड मौजूद हैं। उनका दावा है कि यह रकम उन्होंने शिवानी के परिवार के एक सदस्य को विदेश भेजने के लिए दी थी।

वीआईपी सुरक्षा की चाहत में खुद के घर पर चलवाई गोलियां, दो गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, भिखीविंड। वीआईपी दिखने और सुरक्षा हासिल करने की चाहत में अपने ही घर पर दोस्त से गोलियां चलवाने का मामला सामने आया है। तरनतारन पुलिस ने जांच के बाद भिखीविंड निवासी मनजीत सिंह और उसके दोस्त सुरिंदर सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गोली चलाने में इस्तेमाल लाइसेंसी रिवाल्वर को भी कब्जे में ले लिया है। पुलिस के अनुसार, दो अक्टूबर को मनजीत सिंह के घर पर गोलियां चलने की सूचना मिली थी। जानकारी मिलने पर सब इंस्पेक्टर परविंदर सिंह भुल्लर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। प्रारंभिक जांच में घटनाक्रम संदिग्ध लगा, जिसके बाद पुलिस ने मामले की गहनता से जांच शुरू की। जांच के दौरान घटनास्थल से गोली का एक खाली खोल बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से मिले खोल का मिलान लाइसेंसी रिवाल्वर से किया। जांच में पुष्टि हुई कि गोली इसी रिवाल्वर से चलाई गई थी।

पुलिस के अनुसार, जांच आगे बढ़ने पर सामने आया कि मनजीत सिंह ने कथित तौर पर सुरक्षा हासिल करने के उद्देश्य से अपने दोस्त सुरिंदर सिंह के साथ मिलकर घर पर गोली चलाने की साजिश रची थी।

चंडीगढ़ में एंडोस्कोपी जांच ठप, मरीज परेशान, पीजीआई पर बढ़ा बोझ

जीएमएसएच-16 और जीएमसीएच-32 में सुविधा बंद, मरीजों को पीजीआई भेजा जा रहा

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सरकारी अस्पतालों में एंडोस्कोपी जांच के लिए पहुंच रहे मरीजों की परेशानी कम होने के बजाय बढ़ती जा रही है। पेट दर्द, लगातार उल्टी, खून की उल्टी या आंतों से जुड़ी गंभीर समस्या होने पर मरीज जीएमएसएच-16 पहुंचते हैं, लेकिन यहां एंडोस्कोपी की सुविधा करीब चार साल से बंद है। ऐसे में मरीजों को जीएमसीएच-32 रेफर किया जाता है। वहां पहुंचने पर भी उन्हें राहत नहीं मिल रही, क्योंकि जीएमसीएच-32 में भी पिछले करीब दो माह से एंडोस्कोपी की सुविधा ठप है।

इस स्थिति में मरीजों को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल और फिर पीजीआई तक रेफर किया जा रहा है। सरकारी अस्पतालों में जांच की सुविधा नहीं मिलने के कारण मरीजों और उनके तीमारदारों को अतिरिक्त समय, पैसा और परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं, लगातार रेफर किए जा रहे मरीजों के कारण पीजीआई पर भी अतिरिक्त दबाव बढ़ रहा है।



जीएमएसएच-16 की एंडोस्कोपी मशीन के संबंध में सामने आई ऑडिट रिपोर्ट ने अस्पताल की व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार मशीन से आखिरी एंडोस्कोपी जांच 13 दिसंबर 2021 को हुई थी। इसके बाद से मशीन का इस्तेमाल नहीं हुआ। करीब चार साल से मशीन अस्पताल में मौजूद है, लेकिन मरीजों को इसका लाभ नहीं मिल रहा।

रिपोर्ट के अनुसार मशीन के संचालन के लिए जरूरी प्रशिक्षित स्टाफ उपलब्ध नहीं है। संबंधित कर्मचारियों में कुछ दूसरे अस्पतालों में स्थानांतरित हो गए, जबकि कुछ सेवानिवृत्त हो चुके हैं। इसके बाद मशीन के संचालन के लिए वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई। नतीजतन जांच की सुविधा उपलब्ध होने के बावजूद मरीजों को दूसरे अस्पतालों में भेजना पड़ रहा है।

एंडोस्कोपी की जरूरत वाले मरीज पहले जीएमएसएच-16 पहुंचते हैं। वहां जांच नहीं होने पर उन्हें जीएमसीएच-32 भेज दिया जाता है। लेकिन 32 में भी सुविधा बंद होने के कारण मरीजों को पीजीआई जाने की सलाह दी जा रही है। इस तरह एक ही जांच के लिए मरीजों को कई अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

पीजीआई पहुंचने के बाद भी मरीजों को तत्काल जांच की सुविधा नहीं मिलती। उन्हें एंडोस्कोपी के लिए तारीख लेनी पड़ती है, जिसके लिए कई बार लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों के लिए यह स्थिति और अधिक परेशानी वाली है।

जीएमसीएच-32 के गैस्ट्रोएंटरोलाजी विभागाध्यक्ष डा. सुमित सिंह ने बताया कि एंडोस्कोपी मशीन में खराबी आने के कारण उसे मरम्मत के लिए भेजा गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मशीन जल्द ठीक होकर वापस आ जाएगी। मशीन के चालू होने के बाद मरीजों को जांच के लिए पीजीआई रेफर करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

जालंधर में इस बार बर्ल्टन पार्क की जगह इंडस्ट्री एरिया में होगा दशहरा

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर । जालंधर में हर वर्ष बर्ल्टन पार्क में आयोजित होने वाला दशहरा पर्व इस बार नए स्थान पर मनाया जाएगा। श्री रामलीला कमेटी नौहरिया बाजार की ओर से इस वर्ष 148वां दशहरा पर्व बर्ल्टन पार्क की बजाय डिवीजन नंबर एक के सामने इंडस्ट्री एरिया के खुले मैदान में आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। दशहरा पर्व 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा।



इस संबंध में श्री रामलीला कमेटी नौहरिया बाजार की बैठक मंदिर श्री राम लला, नौहरिया बाजार में हुई। बैठक का शुभारंभ महंत राजकुमार शर्मा ने हनुमान चालीसा के पाठ से किया। बैठक में कमेटी के पदाधिकारियों ने दशहरा आयोजन की तैयारियों और व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की।

कमेटी के महासचिव अंकुश हांडा ने बताया कि बर्ल्टन पार्क में स्पोर्ट्स मैदान तैयार हो जाने के कारण इस बार दशहरा आयोजन के लिए स्थान बदलना पड़ा है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं और शहरवासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इंडस्ट्री एरिया के खुले मैदान को आयोजन स्थल बनाया गया है। यहां दशहरा देखने आने वाले लोगों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं करने पर भी चर्चा की गई। कमेटी के सचिव हेमंत शर्मा ने बताया कि दशहरा पर्व से पहले 13 अक्टूबर को शाम चार बजे मंदिर से झंडे की शोभायात्रा निकाली जाएगी।

स्मार्ट पैनल, अटल टिंकरिंग लैब से विद्यार्थी सीख रहे नई तकनीक

धनास के पीएम श्री स्कूल में वाटरफॉल से स्मार्ट पैनल तक, आधुनिक सुविधाओं से बदली पढ़ाई

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। स्कूल के मुख्य द्वार से प्रवेश करते ही आकर्षक वाटरफॉल और कुछ दूरी पर दीवारों पर बने रंग-बिरंगे म्यूरल विद्यार्थियों का स्वागत करते हैं। कक्षाओं में पारंपरिक ब्लैक बोर्ड की जगह स्मार्ट पैनल लगाए गए हैं, जबकि अटल टिंकरिंग लैब में विद्यार्थी विज्ञान और तकनीक से जुड़े प्रयोगों के जरिए सीख रहे हैं। यह सुविधाएं पीएम श्री गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-14 वेस्ट, धनास में उपलब्ध हैं।



स्कूल को पीएम श्री का दर्जा मिलने के बाद यहां शैक्षणिक सुविधाओं के साथ खेल और रचनात्मक गतिविधियों में भी बदलाव आया है। स्कूल में बाल वाटिका एक से लेकर 12वीं कक्षा तक करीब तीन हजार विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। डबल शिफ्ट में संचालित स्कूल में विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ व्यावहारिक ज्ञान देने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। खेल-खेल में शिक्षा के साथ ऑनेस्टी शॉप के माध्यम से बच्चों को ईमानदारी, जिम्मेदारी और रोजमर्रा के व्यवहार की सीख दी जा रही है।

पीएम श्री परियोजना देख रहे शिक्षक रमेश ने बताया कि अनुदान मिलने के बाद कला शिक्षकों विलोक और पवित्र सिंह ने स्कूल परिसर को आकर्षक बनाने की पहल की। दोनों ने मुख्य द्वार के सामने वाटरफॉल की रूपरेखा तैयार की और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की मदद से इसका निर्माण किया।

सेक्टर 7/8-19/26 चौक पर चढ़ी कार चार घायल

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। करनाल से चंडीगढ़ क्लब में पार्टी करने आए चार युवकों की कार रविवार तड़के हादसे का शिकार हो गई। तेज रफ्तार के कारण किया कार 7/8-19/26 के चौक पर चढ़ गई। हादसे में कार सवार युवकों को मामूली चोटें आईं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को सेक्टर-16 स्थित अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार 29 वर्षीय अरुण, 32 वर्षीय बनी, 28 वर्षीय कुलदीप और उनका एक अन्य साथी शनिवार को करनाल से चंडीगढ़ आए थे। चारों ने यहां एक क्लब में पार्टी की। इसके बाद देर रात घर लौटते समय उनकी कार चौक से टकरा गई। कार की गति इतनी अधिक थी कि वह चौक पर लगी लोहे की ग्रिल को तोड़ते हुए उसके ऊपर जा चढ़ी।

जीरकपुर हाईवे पर बढ़ीं संदिग्ध गतिविधियां लूटपाट से परेशान स्थानीय लोगों में चिंता

भारतेंदु संवाददाता, मोहाली। चंडीगढ़-अंबाला राष्ट्रीय राजमार्ग और जीरकपुर से जुड़ी कुछ प्रमुख सड़कों पर रात के समय संदिग्ध गतिविधियों को लेकर स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ रही है। लोगों का आरोप है कि कुछ स्थानों पर महिलाएं और किन्नर देर शाम से सड़क किनारे खड़े होकर देह व्यापार के लिए वाहन चालकों और राहगीरों से संपर्क करते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, कई बार 500 रुपये तक में सौदेबाजी की जाती है।



लोगों का कहना है कि सड़क किनारे वाहन खड़े रहने से यातायात भी प्रभावित होता है। आसपास रहने वाले परिवारों को महिलाओं और बच्चों के साथ इन मार्गों से गुजरते समय असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, शिकायत मिलने पर पुलिस की गाड़ी कुछ देर के लिए मौके पर पहुंचती है तो संदिग्ध लोग वहां से हट जाते हैं, लेकिन पुलिस के लौटने के बाद दोबारा सक्रिय हो जाते हैं।

व्यापारी मुकेश कुमार, रिंकू गोयल समेत अन्य लोगों ने ऐसे स्थानों पर नियमित गश्त और निगरानी बढ़ाने की मांग की है। उनका कहना है कि लगातार बनी स्थिति से कुछ परिवार इलाके से दूसरी जगह जाने पर भी विचार कर रहे हैं। लोगों के मुताबिक, तेजी से विकसित हो रहे जीरकपुर की मुख्य सड़कों पर ऐसी गतिविधियां सार्वजनिक सुरक्षा और शहर की छवि के लिए चिंता का विषय हैं।

चंडीगढ़ में शिक्षक भर्ती अटकी, 532 पद खाली; 94 शिक्षक-प्रिंसिपल डेपुटेशन पर

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। स्कूल शिक्षा विभाग में नियमित शिक्षक भर्ती की प्रक्रिया अटकने से 532 पद खाली पड़े हैं। भर्ती के लिए एजेंसी नहीं मिलने के कारण विभाग जुलाई 2026 में प्रस्तावित भर्ती पूरी नहीं कर सका। स्कूलों में शिक्षकों और प्रिंसिपलों की कमी को देखते हुए अब 94 शिक्षकों और प्रिंसिपलों को डेपुटेशन पर बुलाया जा रहा है। इनके लिए आठ और नौ अक्टूबर को साक्षात्कार होगा।

शिक्षा विभाग की विभिन्न कर्मचारी यूनियनों ने इस व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय से हस्तक्षेप की मांग की है। यूनियनों का कहना है कि केंद्रीय सेवा नियम लागू होने के बाद चंडीगढ़ के सरकारी स्कूलों में नियमित भर्ती और पदोन्नति की व्यवस्था मजबूत होनी चाहिए। उन्होंने पंजाब के राज्यपाल की ओर से गठित विशेष भर्ती समिति को समाप्त कर स्टाफ चयन आयोग के माध्यम से नियमित भर्ती कराने की मांग की है।



यूनियनों ने गृह मंत्रालय को ईमेल और पोर्टल के माध्यम से भेजी अपील में कहा है कि नियमित भर्ती नहीं होने का सीधा असर स्कूलों की व्यवस्था पर पड़ रहा है। चंडीगढ़ कैडर के शिक्षकों की पदोन्नति भी प्रभावित हो रही है। उनका आरोप है कि स्थानीय शिक्षकों को पदोन्नति देने के बजाय डेपुटेशन पर पंजाब और हरियाणा से शिक्षक और प्रिंसिपल बुलाए जा रहे हैं। इससे कई शिक्षक लंबे समय तक पदोन्नति का इंतजार करते हुए सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

यूनियनों के अनुसार, गृह और वित्त सचिव की अध्यक्षता में गठित विशेष भर्ती समिति ने शिक्षा विभाग में डेपुटेशन के लिए कोटे निर्धारित किए हैं। उनका दावा है कि इन कोटों के कारण नियमित भर्ती और पदोन्नति की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। कई शिक्षक पांच से 30 वर्ष तक चंडीगढ़ में डेपुटेशन पर सेवाएं दे रहे हैं।

यूटी कैडर एजुकेशनल एम्प्लाइज यूनियन के सचिव रंजीत पाल ने कहा कि 111 स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक नहीं होना गंभीर चिंता का विषय है। स्टाफ चयन आयोग के माध्यम से नियमित भर्ती और नियमानुसार पदोन्नति होनी चाहिए।

आशीर्वाद प्रदेश कांग्रेस की कमान संभालने से पहले परगट सिंह ने मनमोहन सिंह की विरासत को किया नमन

नई जिम्मेदारी से पहले परगट सिंह ने गुरशरण कौर का लिया आशीर्वाद

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान परगट सिंह ने अपनी नई राजनीतिक जिम्मेदारी की शुरुआत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करके की। रविवार को दिल्ली पहुंचे परगट सिंह ने डॉ. मनमोहन सिंह के आवास पर उनकी पत्नी गुरशरण कौर से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए और देश के प्रति उनके योगदान को याद किया।

परगट सिंह ने सामाजिक माध्यम पर मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की पत्नी गुरशरण कौर से मुलाकात की। डॉ. मनमोहन सिंह को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और गुरशरण कौर का आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह की सादगी, ईमानदारी और राष्ट्र के प्रति समर्पण हमेशा प्रेरणा देता रहेगा।

नई जिम्मेदारी के बीच मुलाकात के राजनीतिक मायने : परगट सिंह को ऐसे समय पंजाब कांग्रेस की कमान सौंपी गई है, जब पार्टी के सामने संगठन को मजबूत करने और नेताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की चुनौती है। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें प्रदेश संगठन को एकजुट करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है। लंबे समय से पंजाब कांग्रेस में गुटबाजी और आपसी मतभेद पार्टी के लिए चुनौती बने हुए हैं।



ऐसे में प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद परगट सिंह की डॉ. मनमोहन सिंह के परिवार से मुलाकात को राजनीतिक और संगठनात्मक दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह मुलाकात इस संदेश के तौर पर भी देखी जा रही है कि वह पार्टी की नई राजनीतिक पारी में वरिष्ठ नेताओं के अनुभव और कांग्रेस की पुरानी विरासत को साथ लेकर चलने की कोशिश करेंगे।

परगट सिंह के सामने सबसे बड़ी चुनौती प्रदेश कांग्रेस के अलग-अलग धड़ों को एक मंच पर लाने की है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पूर्व मंत्रियों, विधायकों और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर तालमेल बनाना उनके लिए महत्वपूर्ण होगा। वर्ष 2027 के चुनाव में कांग्रेस को मजबूत स्थिति में लाने के लिए संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करना भी उनकी प्राथमिकताओं में शामिल हो सकता है।

पंजाब से रहा डॉ. मनमोहन सिंह का गहरा रिश्ता : डॉ. मनमोहन सिंह का पंजाब से गहरा और भावनात्मक रिश्ता रहा। अविभाजित भारत के पंजाब में जन्मे डॉ. मनमोहन सिंह ने पंजाब विश्वविद्यालय से शिक्षा हासिल की। आगे चलकर वह देश के प्रमुख अर्थशास्त्री बने और आर्थिक नीतियों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्ष 1991 में वह पहली बार राज्यसभा पहुंचे और इसके बाद लंबे समय तक संसद तथा कांग्रेस की राजनीति में सक्रिय रहे।

घुसपैठ रोकने और आतंकरोधी अभियान तेज करने को सेना ने बनाई विंटर रणनीति

सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल और खुफिया तंत्र मजबूत बनाने की पहल

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

सेना की उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने श्रीनगर में उच्चस्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की। बैठक में जम्मू-कश्मीर के मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य, नियंत्रण रेखा (एलओसी) की स्थिति और सर्दियों के दौरान आतंकवाद विरोधी अभियानों को प्रभावी बनाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि बैठक में आगामी सर्दियों के लिए तैयार की गई विंटर स्ट्रैटजी पर विशेष ध्यान दिया गया।

चिनार कोर मुख्यालय में आयोजित बैठक में जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक नलिन प्रभात, पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, सेना के अधिकारी, श्रीनगर में तैनात केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के प्रतिनिधि और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के अधिकारी शामिल हुए। बैठक का उद्देश्य सभी सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित कर आतंकवाद विरोधी अभियानों को और प्रभावी बनाना था।



सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि सर्दियों के मौसम में बर्फबारी और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद सीमावर्ती क्षेत्रों में चौकसी बनाए रखना जरूरी है। इसी को देखते हुए सेना, पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों के बीच बेहतर तालमेल के साथ निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया गया है।

बैठक के दौरान लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने सुरक्षा एजेंसियों को आपसी समन्वय बढ़ाने और योजनाबद्ध तरीके से आतंकरोधी अभियान जारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने खुफिया तंत्र को और मजबूत करने के साथ ही सभी एजेंसियों के बीच सूचनाओं के वास्तविक समय पर आदान-प्रदान की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

अधिकारियों के अनुसार, बैठक में खुफिया इनपुट के आधार पर घाटी में आतंकी गतिविधियों की संभावित चुनौतियों पर चर्चा हुई। सुरक्षा एजेंसियों ने इस बात पर भी मंथन किया कि सर्दियों के दौरान नियंत्रण रेखा के पार से घुसपैठ की कोशिशों को कैसे रोका जाए। इसके अलावा आतंकी संगठनों की भर्ती गतिविधियों पर अंकुश लगाने और उनके नेटवर्क को कमजोर करने के उपायों पर भी विचार किया गया।

बैठक में पीर पंजाल क्षेत्र समेत जम्मू-कश्मीर के सभी ऊंचाई वाले इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने का निर्णय लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि उन सभी दर्रों और रास्तों पर विशेष निगरानी बढ़ाई जाएगी, जिनका इस्तेमाल आतंकी घुसपैठ के लिए कर सकते हैं। इसके लिए जमीनी स्तर पर तैनात सुरक्षा बलों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

सुरक्षा समीक्षा के दौरान प्रदेश में सक्रिय बचे हुए आतंकियों और उनके सहयोगियों के खिलाफ चल रहे अभियानों की भी जानकारी ली गई। अधिकारियों ने मौजूदा अभियानों की प्रगति की समीक्षा करते हुए भविष्य की रणनीति पर चर्चा की।

नरवाल में अवैध झुग्गियों पर वन विभाग की कार्रवाई

जम्मू। जम्मू के नरवाल स्थित रहीम नगर में वन भूमि पर बनी झुग्गियों को हटाने की कार्रवाई के बाद वहां लंबे समय से रह रहे बाहरी लोगों की पहचान और सत्यापन का मुद्दा फिर चर्चा में आ गया है। शनिवार को वन विभाग और वन सुरक्षा बल ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए वन भूमि पर बने कई अस्थायी ढांचों को ध्वस्त किया। अधिकारियों के अनुसार, इन झुग्गियों में रोहिंग्या परिवार भी रह रहे थे। स्थानीय जानकारी के मुताबिक, कुछ लोग यहां कई वर्षों से रह रहे थे और कथित तौर पर किराये पर ठहरे हुए थे। इन झुग्गियों में बिजली और पानी जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध होने की बात सामने आई है। कार्रवाई के बाद अब यह जांच की जा रही है कि वन भूमि पर कब्जा कब और किस तरह किया गया तथा इतने लंबे समय तक अतिक्रमण कैसे जारी रहा। विभाग यह भी पता लगाएगा कि झुग्गियां बनाने और उन्हें किराये पर देने में किन लोगों की भूमिका रही। अधिकारियों का कहना है कि वन भूमि पर किसी भी तरह का अतिक्रमण स्वीकार नहीं किया जाएगा और नियमों के अनुसार कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही जंगलों और वन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की पहचान और दस्तावेजों के सत्यापन की प्रक्रिया को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ट्रामाडोल और टैपेंटाडोल के दुरुपयोग से बढ़ी चिंता

जम्मू-कश्मीर में हेरोइन पर सख्ती के बाद फार्मा ड्रग्स का बढ़ा नशा खतरा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



जम्मू-कश्मीर में नशे के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों की सख्ती के बावजूद नशे का स्वरूप बदलता जा रहा है। हेरोइन, चरस और अन्य प्रतिबंधित पदार्थों की तस्करी पर कार्रवाई बढ़ने के बाद अब नशे के लिए दर्द निवारक और अन्य चिकित्सकीय दवाओं के दुरुपयोग का खतरा सामने आया है। स्थानीय स्तर पर ऐसी दवाओं के सेवन को 'टापाल' जैसे नामों से जाना जा रहा है।

पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की जांच में सामने आया है कि ट्रामाडोल और टैपेंटाडोल जैसी दवाओं का इस्तेमाल नशे के लिए बढ़ रहा है। ये दवाएं सामान्य रूप से गंभीर दर्द और कुछ चिकित्सकीय परिस्थितियों में डॉक्टरों की सलाह पर दी जाती हैं, लेकिन नशे के आदी लोग इन्हें बड़ी मात्रा में लेने लगे हैं। इससे स्वास्थ्य विशेषज्ञों और सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है।

कश्मीर के पांच एडिक्शन ट्रीटमेंट फेसेलिटी (एटीएफ) केंद्रों में नशे से जुड़े 5282 मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें बड़ी संख्या ऐसे लोगों की है जो हेरोइन की जगह अब फार्मा ड्रग्स का सेवन कर रहे हैं। कुलगाम के एटीएफ केंद्र में अकेले 1951 मामले सामने आए हैं। डॉक्टरों के अनुसार कई मरीज पहले हेरोइन का इस्तेमाल करते थे, लेकिन अब सस्ती और आसानी से उपलब्ध होने वाली दवाओं की ओर बढ़ गए हैं।

नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी मात्रा में नशीली दवाएं भी जब्त की हैं। अभियान के दौरान अब तक 219425 नशीली टैबलेट और कैप्सूल तथा 3.830 किलो कोडीन युक्त सिरप बरामद किया गया है। केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार जम्मू-कश्मीर में बड़ी संख्या में लोग ओपिओइड जैसी नशीली दवाओं की लत से जूझ रहे हैं।

इस समस्या का सबसे गंभीर पहलू यह है कि अब बच्चे और किशोर भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल के नशा मुक्ति केंद्र में 10 से 18 वर्ष की उम्र के 1900 से अधिक बच्चे ऐसे मामलों में पहुंचे हैं, जिनमें ट्रामाडोल, टैपेंटाडोल और प्रीगाबालिन जैसी दवाओं के सेवन की बात सामने आई है।

विशेषज्ञों का कहना है कि कई बच्चे इन दवाओं को नशा नहीं मानते क्योंकि ये बाजार में दवा के रूप में उपलब्ध होती हैं। यही गलत धारणा उन्हें धीरे-धीरे इसकी लत की ओर धकेल रही है। डॉक्टरों के मुताबिक लंबे समय तक इन दवाओं का सेवन मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है।

इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेज श्रीनगर के विशेषज्ञों के अनुसार हेरोइन महंगी होने और पुलिस कार्रवाई बढ़ने से कुछ नशेड़ी अब फार्मा ड्रग्स की ओर जा रहे हैं। ये दवाएं छोटी होती हैं और इन्हें छिपाकर ले जाना आसान होता है। रिपोर्ट के अनुसार कई युवा दोस्तों के माध्यम से और कुछ सीधे केमिस्ट से ऐसी दवाएं हासिल कर रहे हैं।

सरकार की ओर से नशे की समस्या से निपटने के लिए जम्मू-कश्मीर में 21 एटीएफ और 12 गैर सरकारी संगठनों के केंद्रों के माध्यम से इलाज और पुनर्वास की व्यवस्था की जा रही है। पुलिस भी नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने के साथ-साथ नशे के नेटवर्क पर कार्रवाई कर रही है। अधिकारियों के अनुसार नशा विरोधी अभियान के तहत बड़ी संख्या में मामले दर्ज किए गए हैं और आरोपितों पर कानूनी कार्रवाई की गई है।

श्रीनगर एयरपोर्ट पर सेना जवान नशीले पदार्थों के साथ गिरफ्तार



भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच के दौरान सुरक्षाबलों ने सेना के एक जवान को प्रतिबंधित नशीले पदार्थों के साथ गिरफ्तार किया है। जवान को एयरपोर्ट के ड्रॉप गेट के पास पकड़ा गया। उसके सामान की तलाशी लेने पर संदिग्ध पदार्थ बरामद हुए, जिसके बाद उसे हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। अधिकारियों के अनुसार, श्रीनगर एयरपोर्ट पर तैनात पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों ने नियमित जांच के दौरान सेना के जवान को रोका। तलाशी के दौरान उसके पास से 213 ग्राम पोस्ता भूसा (पॉपी स्ट्रॉ) और 69 ग्राम गांजे जैसा पदार्थ बरामद किया गया। सुरक्षा कर्मियों ने बरामद सामग्री को कब्जे में लेकर जवान को संबंधित एजेंसियों के हवाले कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में कानून की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

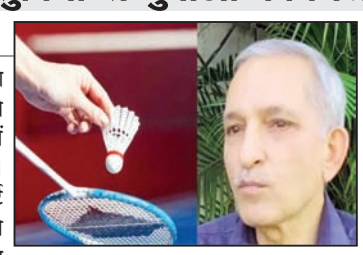
हीरानगर में रबी फसलों की बुआई में जुटे किसान

भारतेंदु संवाददाता, हीरानगर। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के हीरानगर उपमंडल में धान की कटाई के साथ ही किसान रबी फसलों की तैयारियों में जुट गए हैं। खेत खाली होते ही किसान उनमें अगली फसल लगाने का काम शुरू कर रहे हैं। इस समय किसान खेतों में मौजूद नमी का लाभ उठाते हुए तोरी, चना, मसूर, सरसों और विभिन्न सब्जियों की बुआई कर रहे हैं। सीमावर्ती क्षेत्र में किसान धान के बाद खेतों को खाली छोड़ने के बजाय दूसरी फसल लेने को प्राथमिकता दे रहे हैं। जिन खेतों में पर्याप्त नमी उपलब्ध है, वहां दलहनी फसलों के साथ आलू, मूली और पालक जैसी सब्जियां भी लगाई जा रही हैं। इससे किसानों को अतिरिक्त उत्पादन मिलने की उम्मीद है और खेतों की उर्वरता का भी बेहतर उपयोग हो रहा है।

जम्मू में फ्लाईओवर के नीचे खेल सुविधा का नया अध्याय हुआ शुरू

जम्मू में नई खेल सुविधा से युवाओं को मिलेगा प्रोत्साहन

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू



जम्मू नगर निगम ने शहर के पाटा पलौड़ा क्षेत्र में फ्लाईओवर के नीचे नवनिर्मित बैडमिंटन कोर्ट खिलाड़ियों को समर्पित किया है। वार्ड नंबर 61 के अंतर्गत तैयार किए गए इस कोर्ट का उद्देश्य शहर में खेल सुविधाओं को बढ़ावा देना और युवाओं को स्वस्थ व रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना है। खिलाड़ियों ने नगर निगम की इस पहल का स्वागत करते हुए इसे खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने वाला कदम बताया है।

नए बैडमिंटन कोर्ट का उद्घाटन विधायक शाम लाल शर्मा ने जम्मू नगर निगम के आयुक्त डा. देवांश यादव की मौजूदगी में किया। इस अवसर पर स्थानीय खिलाड़ियों ने नगर निगम और विधायक का आभार जताया। भारतीय खेल प्राधिकरण के बैडमिंटन के पूर्व वरिष्ठ कोच सतपाल शर्मा ने भी इस पहल की सराहना की।

उन्होंने कहा कि शहर में फ्लाईओवर के नीचे कई जगह खाली पड़ी हैं। इन स्थानों को चिन्हित कर वहां छोटे-छोटे खेल मैदान और कोर्ट विकसित किए जा सकते हैं। इससे खाली स्थानों का बेहतर उपयोग होगा और युवाओं को अपने आसपास ही खेल सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

जम्मू नगर निगम ने बताया कि यह सुविधा युवाओं को खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करेगी। बीएसएफ स्कूल के सामने फ्लाईओवर के नीचे बनाए गए इस कोर्ट से आसपास के निवासियों और खिलाड़ियों को काफी लाभ मिलेगा।

रैगिंग मामले में स्किम्स ने दिखाई सख्ती

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (स्किम्स) सौरा में रैगिंग की घटना सामने आने के बाद संस्थान ने छह आरोपित छात्रों के खिलाफ कार्रवाई की है। यह मामला शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग रोकने के लिए बनाए गए नियमों के प्रभावी पालन की जरूरत को एक बार फिर सामने लाता है। रैगिंग को अक्सर परिचय या मनोरंजन का नाम देकर सामान्य बनाने की कोशिश की जाती है, लेकिन किसी छात्र को डराना, अपमानित करना या मानसिक व शारीरिक रूप से परेशान करना गंभीर उत्पीड़न की श्रेणी में आता है। खासकर चिकित्सा संस्थानों में जहां विद्यार्थियों से संवेदनशीलता, अनुशासन और जिम्मेदारी की अपेक्षा की जाती है, ऐसी घटनाएं चिंता बढ़ाने वाली हैं।

नौकरी-जमीन धोखाधड़ी में ईओडब्ल्यू ने दाखिल की चार्जशीट

ईओडब्ल्यू जांच में सामने आए धोखाधड़ी और जाली दस्तावेजों के मामले

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



जम्मू-कश्मीर क्राइम ब्रांच की इकोनॉमिक ऑफेंस विंग (ईओडब्ल्यू) कश्मीर ने नौकरी और जमीन देने के नाम पर कथित धोखाधड़ी करने वाले आरोपी के खिलाफ श्रीनगर की चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट अदालत में दो अलग-अलग चार्जशीट दाखिल की हैं। आरोपी की पहचान अब्दुल मजीद मीर पुत्र अब्दुल रहीम मीर निवासी कलारूस लिशियाल, कुपवाड़ा के रूप में हुई है।

ईओडब्ल्यू के अनुसार, आरोपी पर लोगों को सरकारी नौकरी और जमीन दिलाने का झांसा देकर पैसे ऐंठने, गलत पहचान बताने और जाली दस्तावेज तैयार करने के आरोप हैं। जांच में सामने आया कि आरोपी ने अपने दावों को सही साबित करने के लिए कथित तौर पर फर्जी नियुक्ति पत्र और अन्य दस्तावेजों का इस्तेमाल किया।

पहले मामले में प्राथमिकी संख्या 13/2026 के तहत जांच की गई। इसमें आरोप है कि आरोपी ने सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर एक व्यक्ति से 2.10 लाख रुपये लिए। जांच के दौरान सामने आया कि नौकरी के दावे को मजबूत करने के लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के नाम से कथित फर्जी नियुक्ति पत्र उपलब्ध कराया गया था। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 318(4), 336(3), 340(2) और 238 के तहत कार्रवाई की गई है।

दूसरे मामले में प्राथमिकी संख्या 10/2025 दर्ज की गई थी। इसमें आरोपी पर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल से जुड़े ड्यूटी ऑफिसर के रूप में अपनी गलत पहचान बताने का आरोप है।

शिवखोड़ी धाम में बढ़ी भक्तों की आस्था, नवरात्र के लिए विशेष तैयारियां

भारतेंदु संवाददाता, रियासी



शिवखोड़ी धाम में भोले बाबा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर है। आधार शिविर रनसू से प्रतिदिन तीन से चार हजार श्रद्धालु पैदल, घोड़े और पालकी के माध्यम से पवित्र गुफा की ओर पहुंच रहे हैं। श्राद्ध पक्ष शुरू होने के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था में कमी नहीं आई है। आगामी शारदीय नवरात्र के दौरान भक्तों की संख्या और बढ़ने की संभावना है।

रनसू पहुंचने वाले श्रद्धालु गुफा की यात्रा शुरू करने से पहले वहां बहने वाली गंगा में मछलियों को चारा डालकर पुण्य अर्जित कर रहे हैं। इसके बाद भोले बाबा के जयकारे लगाते हुए पैदल मार्ग से गुफा की ओर बढ़ रहे हैं। बुजुर्गों और बच्चों को कई श्रद्धालु घोड़े तथा पालकी के माध्यम से दर्शन के लिए ले जा रहे हैं।

शिवखोड़ी श्राइन बोर्ड के प्रबंधक तरसेम लाल शर्मा ने बताया कि श्रद्धालुओं में भोले बाबा के दर्शन को लेकर काफी उत्साह है। श्राइन बोर्ड की ओर से दर्शनार्थियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं, ताकि उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने बताया कि शारदीय नवरात्र को देखते हुए गुफा में विशेष तैयारियां की गई हैं। श्रद्धालु आरती में शामिल होने के साथ भोले बाबा के शिवलिंग का रुद्राभिषेक भी कर सकेंगे। इसके बाद पूजा-अर्चना की भी व्यवस्था रहेगी।

जम्मू-कश्मीर में रूफटॉप सोलर ने पकड़ी रफ्तार, 100 मेगावाट का लक्ष्य हासिल

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

पीएम सूर्य घर योजना को मिला बढ़ावा



जम्मू नगर निगम के अधीन कार्यरत एनजीओ सफाई कर्मचारियों की हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रही। कर्मचारियों के काम बंद रखने से शहर के कई हिस्सों, विशेषकर जम्मू पश्चिम के वार्डों में सफाई व्यवस्था प्रभावित होने लगी है। एनजीओ के जिम्मे वाले क्षेत्रों में गलियों और मुख्य मार्गों पर कचरे के ढेर नजर आने लगे हैं।

हड़ताल के दूसरे दिन बड़ी संख्या में कर्मचारी मुट्ठी स्थित जेडीए पार्क में एकत्र हुए और अपनी मांगों को लेकर नगर निगम प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। इससे पहले कर्मचारियों ने मोटरसाइकिल रैली निकालकर अन्य कर्मियों से भी आंदोलन में शामिल होने की अपील की।

अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ के महासचिव एवं नगर निगम प्रधान अमर मोमन ने आरोप लगाया कि प्रशासन कर्मचारियों की एकता तोड़ने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने झूठी प्राथमिकी दर्ज कर आंदोलन दबाने की कोशिश किए जाने का आरोप लगाते हुए कर्मचारियों से एकजुट रहने की अपील की। आल जम्मू-कश्मीर वाल्मीकि वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान विजय आनंद गिल ने भी आंदोलन का समर्थन किया।

गंगरू-रामसू फ्लाईओवर हादसे में व्यक्ति की मौत

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू



रामबन, 04 अक्टूबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में गंगरू-रामसू फ्लाईओवर पर हुए हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब इलाके में भारी ट्रैफिक जाम लगा हुआ था और व्यक्ति फ्लाईओवर के दूसरी ओर जाने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान वह फ्लाईओवर के बीच बनी खाली जगह से नीचे गिर गया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ट्रैफिक जाम के कारण वाहन धीमी गति से चल रहे थे। इसी दौरान एक व्यक्ति अपनी गाड़ी से नीचे उतरा और फ्लाईओवर के दूसरे हिस्से में जाने लगा। रास्ते में अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह फ्लाईओवर के बीच मौजूद खाली स्थान से नीचे गिर गया। गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि गंगरू और हिंगनी क्षेत्र में एक ट्रक खराब होने के कारण लंबा जाम लग गया था। हादसे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कानूनी व चिकित्सीय औपचारिकताओं के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

अस्पताल में मृतक की पहचान उधमपुर निवासी हतीश शर्मा के रूप में हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, हादसे के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि घटना के समय परिस्थितियां किस प्रकार बनीं और फ्लाईओवर से गिरने की वजह क्या रही। घटना के बाद इलाके में कुछ समय के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और यातायात व्यवस्था को सुचारु कराया। प्रारंभिक जांच में हादसा दुर्घटनावश होना सामने आया है। पुलिस ने प्रत्यक्षदर्शियों से भी जानकारी जुटाई है और आगे की कार्रवाई जारी है।

फर्जी नियुक्ति और पदोन्नति के आदेश निकले जाली, 13 साल बाद कार्रवाई



भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। स्कूल शिक्षा कश्मीर निदेशालय ने रावलपोरा, श्रीनगर निवासी इम्तियाज अहमद की वर्ष 2013 में स्कूल शिक्षा विभाग में हुई नियुक्ति को शुरू से ही शून्य और अमान्य घोषित कर दिया है। विभागीय जांच में सामने आया कि उनकी नियुक्ति, पुष्टि और वर्ष 2018 में पदोन्नति से संबंधित आदेश सक्षम अधिकारी की ओर से जारी ही नहीं किए गए थे। विभाग के अनुसार, इम्तियाज अहमद को वर्ष 2013 में प्रयोगशाला सहायक के पद पर नियुक्त किए जाने का दावा किया गया था। बाद में वर्ष 2018 में उन्हें शिक्षक पद पर पदोन्नत किए जाने का उल्लेख सेवा अभिलेखों में मिला। जांच के दौरान इन आदेशों का आधिकारिक रिकॉर्ड से मिलान किया गया तो सभी आदेश फर्जी पाए गए। मामला उस समय सामने आया जब इम्तियाज अहमद 21 फरवरी 2024 से बिना अनुमति ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए। निशात के क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर ड्यूटी पर लौटने के निर्देश दिए, लेकिन उनकी ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया। इसके बाद विभाग ने उनके सेवा अभिलेखों की जांच शुरू की।

विकासपथ सुरंगों और राजमार्गों के विस्तार से जम्मू-कश्मीर-लद्दाख में कनेक्टिविटी और विकास को मिली नई गति

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में सड़कों से बदल रही विकास की तस्वीर

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में सड़क संपर्क को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से राष्ट्रीय राजमार्ग, सुरंग, सीमा सड़क और ग्रामीण संपर्क से जुड़ी कई बड़ी परियोजनाओं पर तेजी से काम किया जा रहा है। इन योजनाओं का उद्देश्य केवल शहरों और कस्बों को जोड़ना नहीं, बल्कि दूरदराज के गांवों, सीमावर्ती इलाकों और लद्दाख क्षेत्र को हर मौसम में बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना है। भारतमाला परियोजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, केंद्रीय सड़क एवं अवसंरचना निधि, प्रधानमंत्री विकास पैकेज और सीमा सड़क संगठन की रणनीतिक परियोजनाओं के माध्यम से सड़क नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है।



जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 और इससे जुड़ी सुरंग परियोजनाओं ने आवागमन को आसान बनाया है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी टनल, बनिहाल-काजीगुंड ट्विन ट्यूब सुरंग और जेड-मोड़ सोनमर्ग टनल जैसी परियोजनाओं ने पहाड़ी क्षेत्रों में वर्षभर संपर्क मजबूत किया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत भी हजारों किलोमीटर सड़कें बन चुकी हैं। जम्मू-कश्मीर में 19,875 किलोमीटर सड़कें पूरी हो चुकी हैं और 2,132 बस्तियों को सड़क सुविधा मिली है। वहीं लद्दाख में 1,352 किलोमीटर सड़कें बन चुकी हैं और 64 बस्तियां जुड़ी हैं।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में सड़क विकास अब केवल राजमार्ग निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि सुरंग, पुल, बाईपास, एक्सप्रेसवे और ग्रामीण सड़कों के व्यापक नेटवर्क के रूप में आगे बढ़ रहा है। पिछले वर्षों में सीमावर्ती क्षेत्रों की कनेक्टिविटी के लिए जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में कई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी बेहतर सड़क संपर्क को सामाजिक और आर्थिक विकास की रीढ़ बताया है।

ग्रामीण इलाकों को मिल रही नई रफ्तार

ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बड़े स्तर पर काम किया जा रहा है। जम्मू-कश्मीर में पीएमजीएसवाई-चार के तहत 7,790 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 3,381 किलोमीटर लंबी 646 नई ग्रामीण सड़कें बनाई जा रही हैं। केंद्र सरकार ने शुरुआती चरण में 4,224 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 316 सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनका उद्देश्य दूरस्थ और सड़क सुविधा से वंचित बस्तियों को मुख्य मार्गों से जोड़ना है।

बड़ी परियोजनाओं से भविष्य की राह आसान

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं अभी निर्माणाधीन हैं। इनमें करीब 14 किलोमीटर लंबी जोजिला टनल सबसे अहम है। इसके पूरा होने के बाद श्रीनगर-कारगिल-लेह मार्ग पर वर्षभर आवागमन मजबूत होगा। इसके अलावा दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे, जम्मू-अखनूर मार्ग, अखनूर-पुंछ सड़क, एनएच-244 के विभिन्न हिस्से और किश्तवाड़ बाईपास जैसी परियोजनाओं पर भी काम जारी है। लद्दाख में मनाली-लेह संपर्क को मजबूत करने के लिए निमू-पदम-दरचा मार्ग विकसित किया गया है।

पढ़ाई के दबाव से जूझ रहे बच्चों को चाहिए भरोसा और संवाद, केवल अपेक्षाओं का बोझ नहीं





नीलम कुमारी
पीजीटी, कंप्यूटर साइंस, सैनिक स्कूल सुजानपुर (हमीरपुर)

आज बच्चों और युवाओं में आत्महत्या की बढ़ती घटनाएं पूरे समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि भारत में प्रत्येक वर्ष हजारों विद्यार्थी आत्महत्या करते हैं। वर्ष 2024 में भारत में छात्रों की आत्महत्या के मामले बढ़कर 14,488 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए, जो लगातार बढ़ती गंभीर स्थिति को दर्शाता है। देशभर में होने वाली कुल आत्महत्याओं में से लगभग 8.1त्न मामले छात्रों के हैं; इस संकट का मुख्य कारण पढ़ाई का दबाव, जैसी कठिन प्रतियोगी परीक्षाएं और परिवार की उम्मीदें हैं। औसतन प्रतिदिन लगभग 35 विद्यार्थी अपनी जीवन-लीला समाप्त कर रहे हैं । निश्चित रूप से यह हमारे परिवारों, शिक्षण संस्थानों और समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 15-29 वर्ष आयु वर्ग में आत्महत्या विश्व स्तर पर मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है। दूसरी ओर, यूनिसेफ की विभिन्न रिपोर्टें बताती हैं कि किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं, जबकि अधिकांश बच्चों को समय पर मनोवैज्ञानिक सहायता उपलब्ध नहीं हो पाती। ऐसे में यह प्रश्न अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है कि आखिर इस स्थिति के लिए जिम्मेदार कौन है- शिक्षण संस्थान, परिवार, समाज या स्वयं बच्चे? वस्तुत: इसका उत्तर किसी एक पक्ष में नहीं, बल्कि सभी की सामूहिक जिम्मेदारी में निहित है।

बच्चे की शिक्षा विद्यालय से पहले उसके घर से प्रारंभ होती है। परिवार उसकी पहली पाठशाला है और माता-पिता उसके प्रथम शिक्षक। बच्चा परिवार में रहकर बोलना, चलना, व्यवहार करना, अनुशासन, प्रेम, सम्मान और जीवन-मूल्यों को सीखता है।

यदि परिवार में संवाद, स्नेह और सकारात्मक वातावरण हो तो उसका प्रभाव बच्चे के व्यक्तित्व पर स्पष्ट दिखाई देता है। इसके विपरीत तनावपूर्ण, उपेक्षापूर्ण या अत्यधिक अपेक्षाओं से भरा पारिवारिक वातावरण उसके मानसिक विकास को प्रभावित कर सकता है। प्रत्येक बच्चे की पहली पाठशाला उसका परिवार ही होता है।

आधुनिक मनोविज्ञान भी इस बात की पुष्टि करता है कि जिन बच्चों को बचपन में भावनात्मक सुरक्षा, विश्वास और बिना शर्त स्वीकार्यता मिलती है, वे जीवन की चुनौतियों का सामना अधिक संतुलित ढंग से करते हैं, लेकिन बदलती जीवनशैली, व्यस्तता और बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने परिवारों के भीतर संवाद को कम कर दिया है। अनेक घरों में बच्चों से यह पूछा जाता है कि 'आज कितने अंक आए?' लेकिन यह कम पूछा जाता है कि 'आज तुम कैसा महसूस कर रहे हो?' यह परिवर्तन केवल भाषा का नहीं, बल्कि हमारी प्राथमिकताओं का संकेत है।

बच्चों की तुलना भाई-बहनों, रिश्तेदारों या पड़ोस के बच्चों से करना, उनकी हर उपलब्धि को अंकों से जोड़ना तथा असफलता को सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रश्न बना देना उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डालता है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार लगातार तुलना और अत्यधिक अपेक्षाएं बच्चों में आत्म-संदेह, चिंता, अवसाद तथा आत्मसम्मान में कमी का कारण बन सकती हैं। परिवारों को यह स्वीकार करना होगा कि प्रत्येक बच्चा अद्वितीय है और उसकी प्रतिभा किसी एक परीक्षा या अंकपत्र से निर्धारित नहीं होती। विद्यालय और महाविद्यालय केवल पाठ्यक्रम पूरा करने वाले संस्थान नहीं हैं, बल्कि ऐसे सामाजिक संस्थान हैं जहां बच्चों का व्यक्तित्व आकार लेता है। शिक्षक केवल विषय विशेषज्ञ नहीं, बल्कि मार्गदर्शक, प्रेरक और संकट के समय सबसे भरोसेमंद सहारा भी होते हैं। दुर्भाग्यवश आज अनेक विद्यालयों में सफलता का प्रमुख मानदंड परीक्षा परिणाम, बोर्ड मेरिट और प्रतियोगी परीक्षाओं में चयन बन गया है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

अंडमान के जंगलों के बीच बाराटांग की गुफाएं दिखाती हैं प्रकृति की अद्भुत और रहस्यमयी कला





संजीव शर्मा ,सहायक उप-निदेशक
पीआईबी शिमला।

एक अद्भुत दुनिया... जहां इंसानी शिल्पकला भी पूरी विनम्रता के साथ पराजय स्वीकार कर ले। लेकिन यहां तक पहुंचना किसी तपस्या से कम नहीं है। यह तपस्या सुबह चार बजे से शुरू होती है और जाहिर है, चार बजे किसी लंबी यात्रा पर निकलने के लिए घंटे-दो घंटे पहले उठना ही पड़ेगा। जाहिर सी बात है कि इस अद्भुत दुनिया से रूबरू होने की राह इतनी आसान तो नहीं ही होगी। करीब दो घंटे की 100 किलोमीटर की सड़क यात्रा, घंटे भर की लिखा-पढ़ी और फिर दो किस्तों में पहले फेरी और बाद में स्पीड बोट से नीले समंदर की शोर मचाती, उछलती लहरों पर सवारी... इसके बाद करीब दो किलोमीटर तक लकड़ी के पुल, कच्चे एवं ऊबड़-खाबड़ रास्ते पर पैदल यात्रा। तब जाकर मिलता है प्रकृति का ऐसा आश्चर्यजनक खजाना, जो हमारी सफर की सारी थकान उतार देता है।

प्रकृति के इस नायाब खजाने में भगवान गणेश हैं, शंख है, देवी-देवता, इंसान, हाथी, बंदर, जेलीफिश और पता नहीं क्या-क्या... हम देखते ही रह जाते हैं और हमारी आंखें आकृतियां बुनने एवं चुनने लगती हैं, वह भी मोबाइल की टॉर्च की रोशनी में। आइए, अब इस खजाने के रहस्य की परतें खोलते हैं। हम बात कर रहे हैं अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के बाराटांग की अपनी तरह की अनोखी लाइमस्टोन केव्स यानी चूना पत्थर की गुफाओं की। अब किसी को यह लग सकता है कि इन चूना पत्थर की गुफाओं में ऐसा क्या है कि घंटों का सफर और नींद खराब करके इन्हें देखा जाए? उनके लिए उत्तर यही है कि पहले आइए और खुद देख जाइए। दरअसल, अंडमान या यहां के विभिन्न द्वीपों की यात्रा केवल नीले समुद्र, सफेद रेत और नारियल-सुपारी के पेड़ों की यात्रा भर नहीं है, बल्कि यह प्रकृति के ऐसे कई अद्भुत नजारों की यात्रा है, जो संभवत: देश में आमतौर पर कहीं और देखने को नहीं मिलते।

इस मायावी दुनिया के सफर की शुरुआत अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की राजधानी पोर्ट ब्लेयर से होती है। सबसे पहले हम सड़क मार्ग से लगभग 100 किलोमीटर दूर जिरकाटांग पहुंचते हैं। यह रास्ता घने जंगल, पेड़-पौधों की सरसराहट, प्रकृति की मनमोहक खुशबू, पक्षियों के कलरव और एक कतार में एक ही दिशा में चलती करीब सौ गाड़ियों के काफिले के साथ लगभग दो घंटे में पूरा होता है। जिरकाटांग में तमाम सुरक्षा औपचारिकताएं पूरी करने के बाद हम फेरी में चढ़कर बाराटांग पहुंचते हैं। इस फेरी में हमारे साथ बस, ट्रक और मोटरसाइकिल भी सफर करते हैं। खैर, फेरी की कहानी फिर कभी।

फेरी से बाराटांग पहुंचकर आगे की यात्रा स्पीड बोट से होती है। लहरों की अठखेलियों के साथ उछलती-कूदती हमारी नाव जब मैंग्रोव वन में प्रवेश करती है तो वे झूमकर हमारा इस्तकबाल करते हैं। मैंग्रोव पेड़ों और झाड़ियों के बीच लहराती हमारी नाव गंतव्य तक पहुंच जाती है, लेकिन असल यात्रा अब शुरू होती है। समुद्र के पानी को लकड़ी के पुल से पार करते हुए हरे-भरे पेड़ों के बीच से करीब एक-दो किलोमीटर की पैदल यात्रा के बाद हम गुफाओं तक पहुंचते हैं।

यहां से शुरू होता है प्रकृति की कारीगरी से साक्षात्कार। पहली नजर में हो सकता है कि आपको ये गुफाएं साधारण लगें, लेकिन जैसे-जैसे हम कदम-दर-कदम आगे बढ़ते हैं, प्रकृति अपनी सम्पूर्ण कला के साथ पूरी शिद्दत और भव्यता से सामने आती है। कहीं मंदिर के स्तंभ दिखते हैं, कहीं मूर्ति, कहीं इंसान, कहीं कमल और कहीं पत्थर की जमी हुई जलधारा।

ये गुफाएं इंसान की बनाई कोई इमारत नहीं हैं, बल्कि प्रकृति की लाखों वर्षों की साधना और कला का नमूना हैं। चूने के पत्थरों की यह कारीगरी समुद्री जीवों के खोल, कोरल, कंकाल, पानी, पेड़ और रासायनिक क्रियाओं के लंबे प्राकृतिक खेल का परिणाम है। यहां बनी आकृतियां तकनीकी शब्दावली में 'स्टैलेकटाइट' और 'स्टैलेग्माइट' कहलाती हैं। गुफा की छत से लटकते पत्थरनुमा आकार स्टैलेकटाइट और जमीन से ऊपर उठते पत्थरों के स्तंभ स्टैलेग्माइट कहलाते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

अपने भीतर खोजें सही राह

जीवन में हर व्यक्ति कभी न कभी ऐसे मोड़ पर पहुंचता है, जहां उसे यह तय करना होता है कि उसे किस दिशा में आगे बढ़ना है। हमारे सामने कई रास्ते होते हैं और हर रास्ता अपने साथ अलग अनुभव, चुनौतियां और परिणाम लेकर आता है। ऐसे में सबसे बड़ा प्रश्न यही होता है कि वास्तविक और सही मार्ग कौन-सा है? सही रास्ता केवल वह नहीं है, जिस पर चलकर हमें सफलता, धन या प्रसिद्धि मिल जाए। वास्तविक मार्ग वह है, जो हमें भीतर से संतुष्टि दे, हमारे चरित्र को मजबूत बनाए और हमें एक बेहतर इंसान बनने की दिशा में ले जाए।

सही मार्ग खोजने की पहली सीढ़ी स्वयं को समझना है। जब तक व्यक्ति अपनी रुचि, क्षमता, कमजोरियों और इच्छाओं को नहीं समझेगा, तब तक वह दूसरों के बताए रास्ते पर ही चलता रहेगा। कई बार हम अपने जीवन के फैसले समाज, परिवार या दोस्तों की अपेक्षाओं के आधार पर लेने लगते हैं। लेकिन हर व्यक्ति की परिस्थितियां और क्षमताएं अलग होती हैं। इसलिए जरूरी है कि हम कुछ समय अपने साथ बिताएं और स्वयं से पूछें कि हम वास्तव में जीवन में क्या चाहते हैं।

जीवन का सही मार्ग हमेशा आसान नहीं होता। कई बार जिस रास्ते पर सबसे अधिक कठिनाइयां दिखाई देती हैं, वही रास्ता हमें सबसे अधिक मजबूत बनाता है। असफलता से डरकर सही निर्णय से पीछे हटना उचित नहीं है। गलतियों और असफलताओं को जीवन का अंत नहीं, बल्कि सीखने का अवसर समझना चाहिए। हर गलती हमें अपने बारे में कुछ नया सिखाती है और आगे बढ़ने का रास्ता दिखाती है।

सही मार्ग खोजने में अच्छे लोगों की संगति भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जिन लोगों के विचार सकारात्मक होते हैं, जो ईमानदारी, मेहनत और अनुशासन को महत्व देते हैं, उनके साथ रहने से हमारे विचारों पर भी अच्छा प्रभाव पड़ता है। इसके विपरीत नकारात्मक सोच और गलत संगति व्यक्ति को अपने उद्देश्य से भटका सकती है। इसलिए यह देखना जरूरी है कि हमारे आसपास के लोग हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं या पीछे खींच रहे हैं।

आज के समय में सोशल मीडिया और इंटरनेट ने हमारे सामने सफलता की अनेक तस्वीरें रख दी हैं। हम दूसरों की उपलब्धियों को देखकर अपने जीवन की तुलना उनसे करने लगते हैं। लेकिन यह तुलना अक्सर हमारे भीतर असंतोष पैदा करती है। हमें यह समझना चाहिए कि हर व्यक्ति का जीवन अलग है और हर किसी की यात्रा का समय भी अलग होता है। दूसरों के रास्ते की नकल करने के बजाय अपने लिए सही रास्ता चुनना अधिक महत्वपूर्ण है।

आध्यात्मिक दृष्टि से भी सही मार्ग की खोज का अर्थ अपने भीतर झांकना है। ध्यान, प्रार्थना, धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन और कुछ समय शांत रहकर स्वयं से संवाद करना व्यक्ति को अपने विचारों को समझने में मदद कर सकता है। धर्म का वास्तविक उद्देश्य केवल कर्मकांड नहीं, बल्कि व्यक्ति के भीतर सत्य, करुणा, संयम, प्रेम और सेवा की भावना पैदा करना है। जब मन शांत होता है तो सही और गलत के बीच अंतर समझना आसान हो जाता है।

सही मार्ग की पहचान का एक सरल तरीका यह भी है कि अपने निर्णय के परिणामों के बारे में सोचें। यदि कोई रास्ता हमें सफलता तो देता है, लेकिन उसके लिए हमें ईमानदारी, रिश्तों या अपने सिद्धांतों से समझौता करना पड़ता है, तो उस रास्ते पर दोबारा विचार करना चाहिए। वास्तविक सफलता वही है, जिसमें व्यक्ति अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के साथ अपने मूल्यों को भी बनाए रखे।

जीवन में सही मार्ग खोजने के लिए धैर्य बहुत जरूरी है। हर प्रश्न का उत्तर तुरंत नहीं मिलता और हर निर्णय का परिणाम भी तुरंत सामने नहीं आता। कई बार समय हमें वह सिखाता है, जो कोई पुस्तक या व्यक्ति नहीं सिखा सकता। इसलिए कठिन परिस्थितियों में घबराने के बजाय उनसे सीखना चाहिए।

अंतत: जीवन का वास्तविक मार्ग बाहर कहीं नहीं, बल्कि हमारे अपने विचारों, निर्णयों और कर्मों में छिपा होता है। स्वयं को समझना, सही लोगों की संगति करना, गलतियों से सीखना, अपने मूल्यों को बनाए रखना और दूसरों के प्रति संवेदनशील रहना हमें सही दिशा में आगे बढ़ाता है। रास्ते में कितनी भी कठिनाइयां आएं, यदि हमारा उद्देश्य स्पष्ट है और हमारा मन सच्चाई के साथ खड़ा है तो मंजिल तक पहुंचने का रास्ता धीरे-धीरे दिखाई देने लगता है। वास्तविक मार्ग वही है, जो हमें केवल सफल नहीं, बल्कि संतुष्ट, संवेदनशील और बेहतर इंसान बनाए।

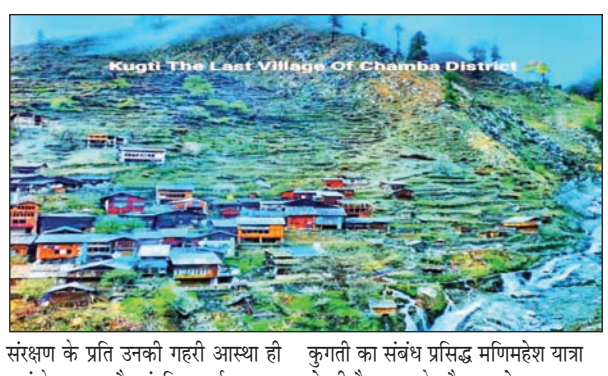
-शिवांश धाकड़

दीवार के उस पार

सतीश धर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

वो जो दीवार के उस पार हैं,
सब कुछ तो वैसा ही है,
जैसा अपने देश में होता है।
फूलों पर रंग एक-सा,
हवाओं में मस्ती एक-सी,
पेट के निवाले एक-से,
पैरों में छाले एक-से,
और दिलों में दर्द भी एक-सा।
सदियां अब भी तलाश रही हैं
उस सवाल का जवाब,
जो इस ओर है,
वह उस ओर क्यों नहीं?
क्यों एक ही मिट्टी के लोग
लकीरों में बांट दिए गए, क्यों रिश्तों के बीच
दीवारें खड़ी कर दी गईं?
लम्हों ने बदले पहनावे दोनों ओर, खून ने भी बदले रंग दोनों ओर,
मगर दीवारों पर शहादत की कहानी
आज भी लिखी है दोनों ओर।
चेहरे बदल गए, पीढ़ियां बदल गईं, नारे बदल गए, लेकिन दर्द वही रह गया। बावजूद इसके सब कुछ वैसा ही रहा,
जैसा दीवार के उस पार था।
कह दो, एक बार दीवारों को
अपनी आदत बदलनी होगी,
या फिर टूटकर बिखरना होगा।
आदतें तो बदली जा सकती हैं,
मगर बिखरने का दर्द
इतिहास की किताबों में नहीं,
पीढ़ियों की आंखों में लिखा जाता है।

जैविक गांव कुगती पर्यटकों के लिए आकर्षण और कार्तिक भक्तों के लिए श्रद्धा का प्रतीक





सुभाष चंद काशव
जौवा, गैहरा, जिला चंबा

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के जनजातीय क्षेत्र भरमौर में समुद्र तल से लगभग 8,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित कुगती गांव प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक आस्था और जैविक जीवन शैली का अद्भुत संगम है। देवदार और भोजपत्र के घने जंगलों, बर्फ से ढकी पर्वत चोटियों, निर्मल झरनों और शांत वातावरण से घिरा यह गांव पर्यटकों और श्रद्धालुओं दोनों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है। यहां पहुंचते ही ऐसा अनुभव होता है मानो प्रकृति की गोद में किसी शांत और दिव्य संसार में प्रवेश कर गए हों।

कुगती की सबसे बड़ी पहचान इसकी जैविक खेती है। यहां के किसान आज भी पारंपरिक कृषि पद्धतियों का पालन करते हैं तथा रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का प्रयोग बहुत कम करते हैं। राजमा, आलू, मक्का, जौ और विभिन्न प्रकार की सब्जियां पूरी तरह प्राकृतिक वातावरण में उगाई जाती हैं। यही कारण है कि यहां की उपज स्वादिष्ट, पौष्टिक और पर्यावरण के अनुकूल मानी जाती है। यह गांव आधुनिक समय में टिकाऊ और प्रकृति-सम्मत जीवन शैली का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है।

गांव के लोग प्रकृति को देवतुल्य मानते हैं। जंगलों, जलस्रोतों और पर्वतों के संरक्षण के प्रति उनकी गहरी आस्था ही यहां के स्वच्छ और संतुलित पर्यावरण का आधार है। लकड़ी और पत्थर से बने पारंपरिक घर, सरल जीवनशैली और सामुदायिक सहयोग की भावना हिमाचली लोकसंस्कृति की जीवंत झलक प्रस्तुत करती है।

धार्मिक दृष्टि से भी कुगती का विशेष महत्व है। यह स्थान भगवान कार्तिकेय की तपोस्थली माना जाता है। यहां स्थित कार्तिक स्वामी मंदिर श्रद्धालुओं की गहरी आस्था का केंद्र है, जहां दूर-दूर से भक्त दर्शन के लिए आते हैं। धार्मिक मेलों, लोकगीतों और पारंपरिक देव नृत्यों के माध्यम से यहां की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत आज भी जीवित है। कठिन पहाड़ी मार्ग से मंदिर तक पहुंचने का अनुभव श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक साधना जैसा होता है।

कुगती का संबंध प्रसिद्ध मणिमहेश यात्रा से भी है। यात्रा के दौरान अनेक श्रद्धालु इस गांव से होकर गुजरते हैं और यहां के शांत वातावरण तथा स्थानीय लोगों के आत्मीय आतिथ्य का अनुभव करते हैं। यह गांव यात्रियों के लिए विश्राम और आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र बन जाता है।

प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ कुगती साहसिक पर्यटन के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां से कुगती दर्रे तक जाने वाला ट्रैक रोमांच प्रेमियों को आकर्षित करता है। यह दर्रा भरमौर को लाहौल से जोड़ता है और हर वर्ष गद्दी समुदाय अपनी भेड़-बकरियों के साथ इसे पार करता है। ट्रैकिंग के दौरान पर्यटक दुर्लभ वनस्पतियों, हिमालयी जीव-जंतुओं और मनोहारी प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेते हैं, जिससे यह स्थान प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफरों के लिए भी विशेष बन जाता है।

वर्तमान समय में कुगती में होम-स्टे और ग्रामीण पर्यटन के विकास से स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं। पर्यटक यहां रहकर स्थानीय भोजन, संस्कृति और पारंपरिक जीवनशैली का अनुभव करते हैं। हालांकि बढ़ते पर्यटन के साथ पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखना भी आवश्यक है। इसलिए सतत एवं पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। कुगती गांव केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि प्रकृति, संस्कृति और अध्यात्म के संतुलित जीवन का प्रेरक उदाहरण है। इसकी स्वच्छ वादियां, जैविक जीवनशैली, धार्मिक महत्ता और आत्मीय लोक संस्कृति इसे हिमालय की गोद में बसे एक अनमोल रत्न के रूप में स्थापित करती हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

दक्षिण सिनेमा में पूजिता

पूजिता पोन्नाडा भारतीय सिनेमा की जानी-पहचानी अभिनेत्री हैं, जिन्होंने अपने अभिनय के दम पर मनोरंजन जगत में अपनी अलग पहचान बनाई है। उनका जन्म 5 अक्टूबर 1989 को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में हुआ था। अभिनय के क्षेत्र में आने के बाद उन्होंने दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम किया और अपने सहज अभिनय तथा प्रभावशाली व्यक्तित्व से दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। पूजिता ने मुख्य रूप से तेलुगु फिल्मों में अभिनय किया है और अलग-अलग तरह की भूमिकाओं के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।



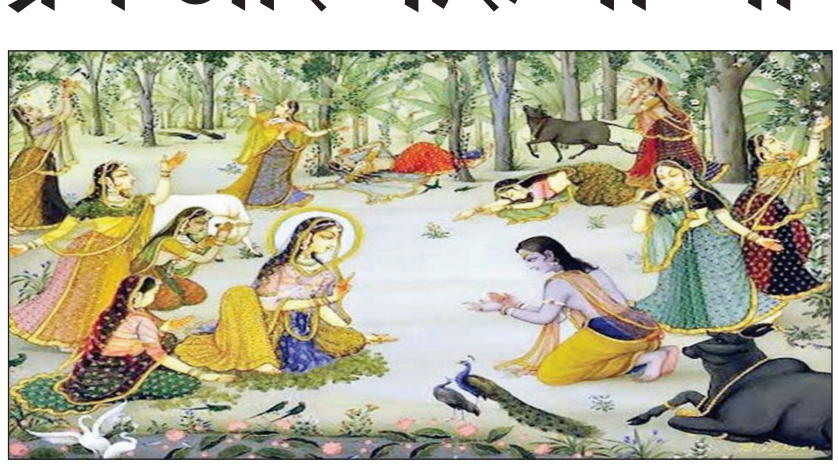
पूजिता पोन्नाडा
जन्म : 5 अक्टूबर 1989

पूजिता पोन्नाडा ने अपने अभिनय करियर में कई फिल्मों में काम किया है। उनकी चर्चित फिल्मों में 'रंगस्थलम' का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। वर्ष 2018 में आई इस फिल्म में राम चरण और सामंथा रुथ प्रभु मुख्य भूमिकाओं में थे। फिल्म की कहानी, ग्रामीण परिवेश और कलाकारों के अभिनय को दर्शकों ने काफी पसंद किया। पूजिता ने भी इस फिल्म का हिस्सा बनकर तेलुगु सिनेमा में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

इसके बाद उन्होंने वर्ष 2019 में आई फिल्म 'कल्कि' में भी अभिनय किया। यह फिल्म रहस्य और अपराध पर आधारित कहानी के साथ दर्शकों के सामने आई थी। पूजिता ने इसमें भी अपनी भूमिका को सहजता के साथ निभाने का प्रयास किया। अलग-अलग तरह की कहानियों और भूमिकाओं में काम करने से उन्हें अभिनय के क्षेत्र में अपनी क्षमता को और बेहतर तरीके से प्रस्तुत करने का अवसर मिला।

पूजिता पोन्नाडा के करियर में वर्ष 2025 में आई फिल्म 'हरि हर वीर मल्लू' भी उल्लेखनीय है। यह एक ऐतिहासिक पृष्ठभूमि वाली फिल्म है, जिसमें दक्षिण भारतीय सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता पवन कल्याण मुख्य भूमिका में नजर आए। फिल्म बड़े स्तर पर बनाई गई और इसके कारण इसे लेकर दर्शकों में भी काफी उत्सुकता रही। पूजिता का इस फिल्म से जुड़ना उनके अभिनय करियर के महत्वपूर्ण पड़ावों में से एक माना जा सकता है। अभिनय के अलावा पूजिता अपने व्यक्तित्व और स्क्रीन पर सहज उपस्थिति के लिए भी जानी जाती हैं।

उद्धव और गोपियों का संवाद देता है संदेश कि ज्ञान के साथ प्रेम और करुणा भी जरूरी





शिवालिक अवस्थी
धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश

भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं में अनेक ऐसे प्रसंग हैं, जो मानव जीवन को गहन आध्यात्मिक संदेश देते हैं। इन्हीं में से एक अत्यंत प्रसिद्ध प्रसंग है उद्धव और गोपियों का संवाद, जिसमें ज्ञान, योग और तप की तुलना प्रेम, भक्ति और समर्पण से होती है। यह कथा केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन के स्तर पर भी अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। यह हमें सिखाती है कि जहां ज्ञान बुद्धि को प्रकाशित करता है, वहीं प्रेम आत्मा को परमात्मा से जोड़ता है।

उद्धव भगवान श्रीकृष्ण के चचेरे भाई होने के साथ-साथ उनके परम मित्र भी थे। वे रूप, वेशभूषा और व्यक्तित्व में भी श्रीकृष्ण के समान दिखाई देते थे। उद्धव महान विद्वान, योगी और ब्रह्मज्ञानी थे। उन्होंने वेद, उपनिषद, योग और तपस्या के माध्यम से अद्वितीय ज्ञान प्राप्त किया था। उनके ज्ञान की ख्याति दूर-दूर तक फैली हुई थी, किंतु वे प्रेम और भक्ति को ज्ञान की अपेक्षा कम महत्व देते थे।,

उनके लिए प्रेम केवल मोह और सांसारिक आसक्ति का दूसरा नाम था। यही कारण था कि भगवान श्रीकृष्ण उन्हें प्रेम के वास्तविक स्वरूप से परिचित कराना चाहते थे। एक दिन श्रीकृष्ण ने उद्धव से कहा कि वे गोकुल और वृंदावन जाकर वहां के गोप-गोपियों को ब्रह्मज्ञान का उपदेश दें और उन्हें विरह की पीड़ा से मुक्त करें। भगवान का उद्देश्य केवल गोपियों तक संदेश पहुंचाना नहीं था, बल्कि उद्धव को प्रेम की उस गहराई का अनुभव कराना था, जिसे केवल तर्क और ज्ञान से समझा नहीं जा सकता।

भगवान की आज्ञा पाकर उद्धव मथुरा से वृंदावन के लिए रवाना हुए। जब उनका रथ वृंदावन के निकट पहुंचा तो गोपियों ने दूर से उन्हें देखा। उनकी वेशभूषा और स्वरूप श्रीकृष्ण से मिलता-जुलता था, इसलिए क्षणभर के लिए गोपियों को लगा कि उनके प्रिय श्याम स्वयं लौट आए हैं, लेकिन जैसे ही रथ निकट आया, उन्हें ज्ञात हुआ कि यह श्रीकृष्ण नहीं, बल्कि उनके प्रिय सखा उद्धव हैं। जब उद्धव ने बताया कि वे श्रीकृष्ण का संदेश लेकर आए हैं, तब सभी गोपियां उत्सुकता से उनके चारों ओर एकत्र हो गईं।

उद्धव ने श्रीकृष्ण का संदेश सुनाने के साथ-साथ अपना ब्रह्मज्ञान भी प्रस्तुत करना आरंभ किया। उन्होंने कहा कि मनुष्य को निराकार परमब्रह्म का चिंतन करना चाहिए। परमात्मा का वास्तविक स्वरूप निराकार और अनंत है, जिसे योग, ध्यान और तपस्या के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने गोपियों से कहा कि वे श्रीकृष्ण के रूप और उनके विरह में डूबे रहने के बजाय निराकार ब्रह्म का ध्यान करें। उनके अनुसार प्रेम, मोह और आसक्ति मनुष्य को बंधन में डालते हैं, जबकि ज्ञान उसे मुक्त करता है। उद्धव की बातें सुनकर गोपियां शांत रहीं। वे उनके ज्ञान का सम्मान करती थीं, किंतु उनके अनुभव में एक कमी स्पष्ट दिखाई दे रही थी। कुछ देर बाद एक गोपी मुस्कुराते हुए बोली, 'उद्धव भैया, आप ज्ञान में निस्संदेह महान हैं, लेकिन वह ज्ञान किस काम का जिसमें प्रेम का रस ही न हो? हमारे लिए श्रीकृष्ण ही परमब्रह्म हैं। हमें किसी निराकार सत्य की खोज नहीं करनी, क्योंकि हमारा संपूर्ण अस्तित्व तो पहले ही कृष्ण में समर्पित हो चुका है।

दूसरी गोपी ने कहा, 'आप विरह की बात करते हैं, लेकिन विरह तो दो शरीरों का होता है। जहां मन, प्राण और आत्मा एक हो जाएं, वहां दूरी का कोई अर्थ नहीं रह जाता। कृष्ण हमारे हृदय में बसते हैं, इसलिए हमें उनसे अलग होने का अनुभव ही नहीं होता।' गोपियों ने प्रेम की ऐसी व्याख्या की जिसने उद्धव के समस्त तर्कों को मौन कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रेम किसी बंधन का नाम नहीं, बल्कि पूर्ण स्वतंत्रता का अनुभव है। प्रेम में अधिकार नहीं, बल्कि सम्मान होता है। प्रेम में स्वार्थ नहीं, केवल समर्पण होता है। प्रेम सीमाओं में बंधा नहीं रहता, बल्कि मर्यादाओं का पालन करते हुए भी अनंत बना रहता है। प्रेम विश्वास है, भक्ति है, सेवा है और परम सत्य तक पहुंचने का सबसे सरल मार्ग है।

गोपियों ने आगे कहा, 'ज्ञान हमें संसार का परिचय कराता है, लेकिन प्रेम हमें स्वयं से परिचित कराता है। ज्ञान से बुद्धि जागृत होती है, जबकि प्रेम से हृदय निर्मल होता है। प्रेम हमारे भीतर छिपे अहंकार, छल और कपट को समाप्त कर देता है। बिना प्रेम के भक्ति संभव नहीं और बिना भक्ति के भगवान की प्राप्ति भी संभव नहीं।' उनकी इन बातों ने उद्धव के भीतर गहरा परिवर्तन उत्पन्न किया। उन्हें पहली बार अनुभव हुआ कि जिस सत्य को वे केवल तर्क और ज्ञान से समझना चाहते थे, वह प्रेम के बिना अधूरा है। उन्होंने महसूस किया कि भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें वृंदावन केवल संदेशवाहक बनाकर नहीं भेजा था, बल्कि प्रेम का वास्तविक अर्थ समझाने के लिए भेजा था। उद्धव का अहंकार धीरे-धीरे समाप्त होने लगा। वे गोपियों की निष्काम भक्ति, समर्पण और प्रेम को देखकर भाव-विभोर हो गए। उन्हें समझ में आ गया कि ज्ञान का सर्वोच्च रूप भी प्रेम के बिना अधूरा है। यही कारण है कि बाद में उद्धव ने स्वयं वृंदावन की धूल बनने की कामना की, ताकि उन्हें उन गोपियों के चरणों की रज प्राप्त हो सके, जिनकी भक्ति को स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने सर्वोच्च स्थान दिया।

उद्धव और गोपियों का यह संवाद आज भी मानव जीवन के लिए अमूल्य प्रेरणा है। यह हमें सिखाता है कि ज्ञान आवश्यक है, लेकिन यदि उसमें करुणा, विनम्रता और प्रेम का समावेश न हो तो वह अधूरा रह जाता है। सच्चा प्रेम मनुष्य को भगवान के सबसे निकट ले जाता है। जहां निस्वार्थ प्रेम, समर्पण और भक्ति होती है, वहीं ईश्वर का वास्तविक निवास होता है। यही इस अमर प्रसंग का शाश्वत संदेश है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

एएमयू की जमीन बताकर 49 लाख ठगे, 11 जालसाजों पर मुकदमा

एजेंसी, अलीगढ़

एएमयू की जमीन को अपना बताकर 1.75 करोड़ रुपये में सौदा करने और खरीदार से 49 लाख रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। पीड़ित भानुप्रताप सिंह की शिकायत पर पुलिस ने 11 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि जालसाजों ने कथित दलाल के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेज तैयार किए और जमीन का मालिकाना हक दिखाकर पीड़ित को अपने जाल में फंसा लिया। शिकायत के अनुसार, आरोपितों ने जमीन का फर्जी बैनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र और वारिसान प्रमाण पत्र तैयार कर रखे थे। इन्हीं दस्तावेजों को दिखाकर उन्होंने पीड़ित को विश्वास दिलाया कि संबंधित जमीन उनकी है और वह इसे बेचने के अधिकार रखते हैं।

इसके बाद जमीन को मौके पर भी दिखाया गया, जिससे खरीदार को सौदा वास्तविक होने का भरोसा हो गया। आरोप है कि जमीन की कीमत 1.75 करोड़ रुपये तय की गई थी। सौदे के बाद पीड़ित से अलग-अलग तारीखों में भुगतान कराया गया। आरोपितों ने 49 लाख रुपये आरटीजीएस और चेक के माध्यम से लिए। रकम मिलने के बाद जब जमीन से संबंधित दस्तावेजों और मालिकाना हक की वास्तविकता सामने आई तो पीड़ित को कथित धोखाधड़ी का पता चला। पीड़ित ने मामले की जानकारी पुलिस को दी और आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने 11 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब दस्तावेजों की जांच के साथ ही रकम के लेनदेन से जुड़े रिकॉर्ड भी खंगाल रही है। जांच में यह भी देखा जा रहा है कि जमीन के फर्जी दस्तावेज किस तरह तैयार किए गए और इस पूरे मामले में कथित दलाल समेत अन्य आरोपितों की क्या भूमिका रही।

68 किमी लंबे शाहगंज-मुंगराबादशाहपुर हाईवे का निर्माण दिसंबर से शुरू होगा

नेपाल सीमा से प्रयागराज तक बनेगा सीधा हाईवे संपर्क

एजेंसी, लखनऊ



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल प्रदेश के प्रस्तावित छह नार्थ-साउथ हाईवे कॉरिडोर में शामिल पिपरी (सिद्धार्थनगर) से प्रयागराज तक बनने वाले कॉरिडोर का काम अब तेजी से आगे बढ़ेगा। नेपाल सीमा पर स्थित पिपरी से शुरू होने वाला यह कॉरिडोर बांसी, सिद्धार्थनगर, बस्ती, संत कबीर नगर, अम्बेडकरनगर, जौनपुर, सुल्तानपुर और प्रतापगढ़ होते हुए प्रयागराज तक पहुंचेगा।

कपिलवस्तु-प्रयागराज नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर को उत्तर प्रदेश शासन से औपचारिक मंजूरी मिलने के बाद परियोजना के काम में तेजी आने की उम्मीद है। इस कॉरिडोर का प्रमुख उद्देश्य बौद्ध सर्किट को मजबूत करना और कपिलवस्तु को सीधे संगमनगरी प्रयागराज से जोड़ना है। इससे क्षेत्र में आवागमन बेहतर होने के साथ धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की संभावना है। कॉरिडोर के निर्माण से उत्तर प्रदेश के कई जिलों के बीच संपर्क और मजबूत होगा। नेपाल सीमा से प्रयागराज तक सीधा संपर्क बनने से यात्रियों के साथ-साथ धार्मिक और पर्यटन स्थलों तक पहुंच आसान होने की उम्मीद है।

कपिलवस्तु बौद्ध धर्म से जुड़े महत्वपूर्ण स्थलों में शामिल है, जबकि प्रयागराज धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर है। दोनों क्षेत्रों को बेहतर सड़क संपर्क से जोड़ना इस परियोजना का अहम उद्देश्य है। इसी क्रम में जौनपुर जिले में शाहगंज से मुंगराबादशाहपुर तक करीब 68 किलोमीटर लंबे हाईवे के निर्माण की तैयारी है। इस मार्ग का निर्माण दिसंबर से शुरू होने की बात कही गई है। यह सड़क प्रस्तावित कॉरिडोर की राह को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इसके अलावा इस मार्ग को फोरलेन बनाने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजा गया है। परियोजना के तहत उत्तर प्रदेश के उत्तर और दक्षिण हिस्सों को बेहतर सड़क संपर्क से जोड़ने की योजना पर काम किया जा रहा है। सरकार की प्राथमिकता वाले छह नार्थ-साउथ कॉरिडोर में से दो कॉरिडोर को दो वर्ष में तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए संबंधित परियोजनाओं की प्रक्रिया को गति दी जा रही है।

सिद्धार्थनगर-प्रयागराज कॉरिडोर के पूरा होने से नेपाल सीमा से लेकर पूर्वी और मध्य उत्तर प्रदेश के कई जिलों के बीच आवागमन आसान होगा। इससे स्थानीय स्तर पर व्यापार, पर्यटन और अन्य गतिविधियों को भी लाभ मिलने की उम्मीद है। खास तौर पर बौद्ध सर्किट से जुड़े कपिलवस्तु क्षेत्र को प्रयागराज से सीधा जोड़ने से धार्मिक पर्यटन को नया आधार मिल सकता है।

कानपुर में गंगा का जलस्तर 114.500 मीटर, प्रशासन ने बढ़ाई निगरानी



एजेंसी, कानपुर। कानपुर बैराज पर गंगा का जलस्तर रविवार को 114.500 मीटर दर्ज किया गया। यह चेतावनी बिंदु 114 मीटर से आधा मीटर ऊपर है। हालांकि जलस्तर में लगातार कमी का रुख बना हुआ है। शुक्लागंज में भी गंगा का पानी चेतावनी स्तर से थोड़ा ऊपर रहा। इससे तटीय क्षेत्रों में प्रशासन की निगरानी बढ़ी हुई है।

कानपुर बैराज के डाउनस्ट्रीम में गंगा का जलस्तर 114.050 मीटर दर्ज हुआ, जबकि पानी का डिस्चार्ज 3,92,772 क्यूसेक रहा। बैराज का खतरे का निशान 115 मीटर निर्धारित है। इस लिहाज से डाउनस्ट्रीम का जलस्तर खतरे के निशान से 0.950 मीटर नीचे है। अधिकारियों के अनुसार यहां भी पानी के घटने का सिलसिला जारी है। शुक्लागंज में गंगा का जलस्तर 113.040 मीटर रहा, जो चेतावनी स्तर 113 मीटर से 0.040 मीटर अधिक है। यहां भी जलस्तर में कमी दर्ज की जा रही है। प्रशासन हरिद्वार और नरौरा बैराज से छोड़े जा रहे पानी पर भी नजर रख रहा है। हरिद्वार बैराज से 46,850 क्यूसेक और नरौरा बैराज से 54,876 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज दर्ज किया गया।

जलस्तर में गिरावट के बावजूद तटीय इलाकों में सतर्कता बरती जा रही है। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने अधिकारियों को गंगा के जलस्तर और तटीय क्षेत्रों की स्थिति पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने संबंधित विभागों को किसी भी स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा। अधिकारियों को जलस्तर में होने वाले बदलाव की नियमित निगरानी करने और जरूरत पड़ने पर प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

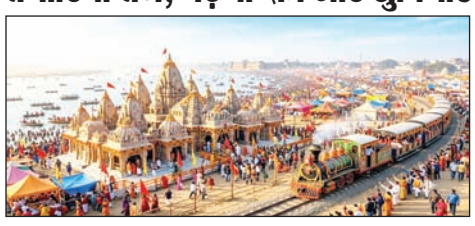
लखनऊ कमिश्नरेट में फेरबदल पांच एसीपी के बदले कार्यक्षेत्र

एजेंसी, लखनऊ। लखनऊ में कानून और यातायात व्यवस्था को लेकर पांच सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा के निर्देश पर लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस ने तबादलों का प्रशासनिक आदेश जारी किया। एसीपी लक्ष्मण वर्मा को कृष्णानगर और अभिषेक कुमार पांडेय को कैसरबाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कैसरबाग में तैनात नवरत्न गौतम को यातायात की कमान दी गई है। वहीं, यातायात के एसीपी महेश त्यागी को कानून एवं व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा एसीपी अनूप कुमार को यातायात के साथ यूपी-112 का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। पुलिस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में किए गए बदलाव का उद्देश्य राजधानी में कानून व्यवस्था और यातायात व्यवस्था को बेहतर करना बताया गया है। नए दायित्व मिलने के बाद संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में जिम्मेदारी संभालनी होगी। लखनऊ कमिश्नरेट की ओर से जारी आदेश के बाद पुलिस विभाग में नई तैनातियों को लेकर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

बुढ़ाना गेट के पास चाइनीज मांझे से हादसा, दूधिया की गर्दन कटी

एजेंसी, मेरठ। मेरठ में प्रतिबंधित चाइनीज मांझे की चपेट में आने से बाइक सवार दूधिया गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा बुढ़ाना गेट चौकी के पास हुआ। दूधिया बाइक से जा रहा था, तभी अचानक चाइनीज मांझा उसकी गर्दन में फंस गया। मांझे से गर्दन कटने के बाद वह खून से लथपथ होकर बाइक समेत सड़क पर गिर पड़ा। हादसा देखकर आसपास मौजूद राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे और घायल दूधिया को उपचार के लिए ईव्ज हॉस्पिटल में भर्ती कराया। अस्पताल में चिकित्सकों ने उसका उपचार शुरू किया। घायल की स्थिति गंभीर बताई गई है। हादसे के बाद अस्पताल में उसकी तत्काल सर्जरी की गई। उपचार के बाद उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। घायल दूधिया की पहचान जगदीश के रूप में हुई है। घटना के बाद प्रतिबंधित चाइनीज मांझे को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं।

प्रयागराज में माघ मेला 2027 की तैयारियां तेज, बढ़ेगा क्षेत्र और सुविधाएं



एजेंसी, प्रयागराज। माघ मेला 2027 को भव्य और आकर्षक बनाने के लिए इस बार श्रद्धालुओं की सुविधा के साथ धार्मिक और मनोरंजनात्मक गतिविधियों पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। संगम तट पर 12 ज्योतिर्लिंगों की प्रतिकृतियां स्थापित होने से श्रद्धालुओं को एक ही स्थान पर इनके दर्शन का अवसर मिलेगा। इसके अलावा मेले में पहली बार टॉय ट्रेन चलाने की तैयारी है। बच्चों और परिवारों के लिए यह विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। मेले में ग्रेविटी राइड भी होगी, जिससे मनोरंजन के विकल्प बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री के निर्देश पर मेला क्षेत्र का विस्तार करने के साथ सुविधाओं को भी बढ़ाया गया है। प्रशासन की कोशिश है कि देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर व्यवस्था मिले और धार्मिक आस्था के साथ उन्हें नए अनुभव भी प्राप्त हों। मेले की तैयारियों को लेकर संबंधित विभाग व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

अखिलेश यादव के माफिया राज को प्रदेश की जनता भूली नहीं है : बृजेश पाठक



एजेंसी, अयोध्या। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक रविवार को अयोध्या के राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज के शैक्षणिक परिसर गंजा में आयोजित मेडिकल कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए। इंडियन सोसाइटी ऑफ इंटेंसिव केयर एंड पेरिऑपरेटिव मेडिसिन के तृतीय राष्ट्रीय सम्मेलन में उन्होंने डॉक्टरों को संबोधित किया और अयोध्या को प्रभु राम व बजरंगबली की धरती बताया। मीडिया से बातचीत में उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के 350 सीट जीतने के दावे पर निशाना साधा। पाठक ने कहा कि समाजवादी पार्टी के मुखिया दिन में ही सपने देख रहे हैं। उन्होंने सपा पर गुंडागर्दी और माफियागिरी को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। पाठक ने दावा किया कि भाजपा 2027 विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ 300 से अधिक सीटें जीतेगी। उन्होंने अखिलेश के आठ अक्टूबर के अयोध्या दौरे को व्यक्तिगत एजेंडा बताया। पाठक ने कहा कि राम मंदिर निर्माण में सपा और कांग्रेस ने बाधाएं खड़ी कीं, लेकिन सनातन संस्कृति की पताका कभी नहीं झुकेगी।

लखनऊ में तेज रफ्तार कार पलटी दारोगा की मां और ताऊ की मौत

एजेंसी, लखनऊ



लखनऊ के काकोरी क्षेत्र में किसान पथ स्थित चकौली अंडरपास के पास रविवार सुबह तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कार सवार दारोगा की मां और ताऊ की मौत हो गई। दारोगा समेत दो लोग घायल हुए हैं। दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, हादसा रविवार सुबह करीब नौ बजे चकौली अंडरपास के पास हुआ। कार में बिजनौर के नाहटौर थाने में तैनात दारोगा सोनू निगम (28) भी सवार थे। कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। कार में सवार दारोगा सोनू निगम की मां और ताऊ हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे में दारोगा सोनू निगम समेत दो लोग घायल हुए हैं।

दोनों का अस्पताल में उपचार जारी है। हादसे की सूचना मिलने के बाद संबंधित पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटना की जानकारी जुटाई और घायलों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। हादसे के कारण मौके पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। बताया गया कि कार तेज रफ्तार में थी और चकौली अंडरपास के पास अनियंत्रित होकर पलट गई।

अवैध शस्त्र फैक्टरी का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

एजेंसी, शाहजहांपुर



उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में निगोही थाना पुलिस ने रविवार को अवैध शस्त्र बनाने वाली फैक्टरी का भंडाफोड़ करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से पांच अवैध तमंचे, एक अधबना तमंचा, दो जिंदा कारतूस और शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक आरोपित खंडहर में अवैध हथियार तैयार करते थे और उन्हें तीन से पांच हजार रुपये में बेचते थे।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर देवेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से अवैध शस्त्र निर्माण की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर रविवार तड़के निगोही थाना क्षेत्र में ग्राम भटपुरा मिश्र और मिलकिया के बीच स्थित एक खंडहर में छापेमारी की गई। पुलिस टीम ने मौके से संतोष (45) निवासी भटपुरा मिश्र और अनिल सिंह (42) निवासी घनश्यामपुर को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने खंडहर की तलाशी ली तो वहां बड़ी मात्रा में अवैध हथियार और उन्हें बनाने का सामान मिला। बरामदगी में 315 बोर के चार तमंचे और एक 315 बोर का कारतूस शामिल है। इसके अलावा 12 बोर का एक तमंचा और एक 12 बोर का कारतूस भी बरामद किया गया। मौके से 315 बोर का एक अधबना तमंचा, एक नाल और दो तमंचों की बॉडी भी मिलीं।

पुलिस ने तीन मोबाइल फोन तथा अवैध शस्त्र बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण भी कब्जे में लिए हैं। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपितों ने पुलिस को बताया कि वे अवैध तमंचे तैयार कर उन्हें बेचते थे। आरोपितों के अनुसार तैयार हथियारों को होटल और ढाबों पर रुकने वाले ट्रक चालकों के माध्यम से ग्राहकों तक पहुंचाया जाता था। इसके बदले उन्हें प्रत्येक तमंचे के लिए करीब तीन से पांच हजार रुपये मिलते थे।

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपितों से हथियार खरीदने वाले लोग कौन हैं और इस नेटवर्क से अन्य कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं। पूछताछ में आरोपितों ने यह भी बताया कि तमंचे तैयार करने के लिए जरूरी सामान वे कबाड़ी की दुकानों और आरा मशीनों से जुटाते थे। इसके बाद खंडहर में हथियारों के पुर्जे तैयार कर उन्हें जोड़कर तमंचे बनाए जाते थे।

◆ पुलिस बरामद उपकरणों और हथियारों के आधार पर अवैध शस्त्र निर्माण के पूरे नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है। पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। गिरफ्तारी और बरामदगी के बाद पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

मेरठ में पत्नी पर कार चढ़ाने की कोशिश, पति और प्रेमिका गिरफ्तार



एजेंसी, मेरठ। मेरठ में प्रेमिका के साथ घूम रहे पति का पत्नी ने विरोध किया तो उसने कथित तौर पर पत्नी पर कार चढ़ाकर हत्या का प्रयास किया। आरोप है कि इसके बाद पति ने बीच सड़क पर पत्नी के साथ मारपीट की और गला दबाकर जान लेने की कोशिश भी की। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित पति और उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, पत्नी ने अपने पति को प्रेमिका के साथ कार में घूमते हुए देखा था। उसने पति से इस संबंध में विरोध जताया। आरोप है कि विरोध करने पर पति ने पत्नी को निशाना बनाते हुए कार चढ़ाने का प्रयास किया। किसी तरह महिला ने खुद को बचाया। इसके बाद मामला और बढ़ गया। आरोप है कि पति ने बीच सड़क पर पत्नी के साथ मारपीट की और उसका गला दबाने का प्रयास किया।

घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर पति के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर पति और उसकी प्रेमिका के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल कार भी बरामद कर ली है।

25 फीट ऊंचे पोल से गिरा संविदाकर्मी हाईटेंशन करंट लगने से गई जान

एजेंसी, कानपुर। कानपुर के जाजमऊ थाना क्षेत्र में रविवार सुबह हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से एक संविदाकर्मी की मौत हो गई। हादसा छबीलेपुरवा स्थित एहसान एंक्लेव के पास हुआ। बिजली के पोल पर काम करते समय करंट लगने के बाद संविदाकर्मी करीब 25 फीट ऊंचाई से नीचे गिर गए। आसपास मौजूद लोगों और पुलिस की मदद से उन्हें कांशीराम अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान चकेरी के अहिरवां निवासी 40 वर्षीय रवि के रूप में हुई है। रवि केस्को में संविदा पर लाइनमैन के पद पर कार्यरत थे।

उनके परिवार में पत्नी अनीता और दो बेटे मयंक व अभिनंदन हैं। मृतक के भाई अमन के अनुसार, रविवार सुबह रवि बिजली के खंभे पर चढ़कर काम कर रहे थे। इसी दौरान वह हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गए और नीचे गिर पड़े। हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर आसपास के लोग एकत्र हो गए। पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और घायल रवि को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। मृतक की पत्नी अनीता ने हादसे को लेकर जेई पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका आरोप है कि रवि से पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के बिना काम कराया जा रहा था। परिवार ने हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जानकारी जुटा रही है। हादसे के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

भाजपा प्रत्याशी हरि किशोर तिवारी की संपत्ति का खुलासा, राइफल से लेकर शेयर तक

◆ पति के नाम छह लाख और पत्नी के नाम सात लाख रुपए के शेयर

एजेंसी, आगरा



आगरा एमएलसी चुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी इंजीनियर हरि किशोर तिवारी ने नामांकन के दौरान अपनी और पत्नी मधु तिवारी की संपत्ति का ब्यौरा दिया है। इसमें नकदी, बैंक जमा, शेयर, सोना और शस्त्र लाइसेंस समेत कई जानकारियां सामने आई हैं। हरि किशोर तिवारी के पास 1.21 लाख रुपये नकद हैं, जबकि उनकी पत्नी मधु तिवारी के पास 1.11 लाख रुपये की नकदी है। हरि किशोर के पास राइफल है, वहीं उनकी पत्नी के नाम रिवॉल्वर का लाइसेंस दर्ज है।

बैंक खातों की बात करें तो भाजपा प्रत्याशी के पीएनबी खाते में 77,382 रुपये जमा हैं। इसके अलावा एक्सिस बैंक में 50 हजार रुपये और केनरा बैंक में 78 हजार रुपये जमा हैं। उनकी पत्नी मधु तिवारी के तीन बैंक खातों में कुल 73 हजार रुपये जमा होने की जानकारी दी गई है। शेयर बाजार में भी पति-पत्नी का निवेश है। हरि किशोर तिवारी के नाम छह लाख रुपये के शेयर हैं, जबकि पत्नी मधु तिवारी के नाम सात लाख रुपये के शेयर दर्ज हैं। नामांकन में दोनों की चल संपत्ति से जुड़ी अन्य जानकारियां भी दी गई हैं।

आगरा में एमएलसी चुनाव को लेकर शनिवार को चार प्रत्याशियों ने नामांकन किया। भाजपा की ओर से हरि किशोर तिवारी को प्रत्याशी बनाया गया है। नामांकन प्रक्रिया के दौरान प्रत्याशियों को अपनी संपत्ति और अन्य विवरण की जानकारी निर्वाचन विभाग को देनी होती है। हरि किशोर तिवारी की ओर से दाखिल विवरण सामने आने के बाद उनकी नकदी, बैंक जमा, शेयर और शस्त्र लाइसेंस से जुड़ी जानकारी चर्चा में है।

जमानत | पुलिस ने विवेचना के दौरान हत्या प्रयास की धारा हटाई, कोर्ट ने जमानत मंजूर की

चुनाव आयुक्त के आवास प्रदर्शन मामले में छह कांग्रेसी रिहा

एजेंसी, लखनऊ



मुख्य चुनाव आयुक्त के पैतृक आवास पर कांग्रेस पदाधिकारियों के प्रदर्शन के मामले में पुलिस ने विवेचना के दौरान हत्या के प्रयास की धारा हटा दी है। इस मामले में जेल भेजे गए छह कांग्रेसियों को अदालत से राहत मिली है। शनिवार को आरोपित कांग्रेसियों की ओर से मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) कोर्ट में जमानत प्रार्थना पत्र पेश किया गया। मामले की सुनवाई के बाद सीजेएम शारिब अली ने जमानत प्रार्थना पत्र स्वीकार करते हुए सभी आरोपितों की रिहाई के आदेश दिए।

मुख्य चुनाव आयुक्त के पैतृक आवास पर कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन के दौरान हुए घटनाक्रम को लेकर पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। मामले में हत्या के प्रयास की धारा भी लगाई गई थी। इसके बाद आरोपित कांग्रेसियों को जेल भेज दिया गया था। हालांकि, पुलिस की विवेचना आगे बढ़ने के साथ हत्या के प्रयास की धारा को हटा दिया गया।

धारा हटने के बाद जेल में बंद कांग्रेसियों की ओर से जमानत के लिए अदालत का रुख किया गया। शनिवार को सीजेएम कोर्ट में जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई हुई। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोपितों को जमानत देने का फैसला किया। सीजेएम शारिब अली ने जमानत प्रार्थना पत्र स्वीकार करते हुए उनकी रिहाई के आदेश जारी कर दिए। अदालत से जमानत मिलने की जानकारी के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं में राहत देखने को मिली। रविवार को आरोपित कांग्रेसियों की रिहाई के लिए बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता जिला कारागार पर एकत्रित हुए। कार्यकर्ताओं ने जेल से बाहर आने वाले कांग्रेसियों का इंतजार किया।

इस पूरे मामले में पुलिस की विवेचना के दौरान हत्या के प्रयास जैसी गंभीर धारा हटाया जाना महत्वपूर्ण माना जा रहा है। शुरुआत में प्रदर्शन के मामले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर यह धारा लगाई गई थी, लेकिन विवेचना के बाद इसे हटा दिया गया। इसके बाद अदालत में जमानत की प्रक्रिया आगे बढ़ी और छह कांग्रेसियों को रिहाई मिल गई। मुख्य चुनाव आयुक्त के पैतृक आवास पर हुए प्रदर्शन के कारण यह मामला चर्चा में आया था।

जेल के बाहर जुटे रहे कांग्रेसी कार्यकर्ता

रिहाई के लिए रविवार को जिला कारागार के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भीड़ जुटी रही। कार्यकर्ताओं के पहुंचने के बाद जेल से बाहर आने वाले नेताओं और पदाधिकारियों का इंतजार किया गया। इस मामले में पुलिस की कार्रवाई और बाद में हत्या के प्रयास की धारा हटाए जाने को लेकर राजनीतिक हलकों में भी चर्चा रही। प्रदर्शन के दौरान हुई घटना के आधार पर दर्ज मुकदमे में गंभीर धारा लगाए जाने के बाद कांग्रेसियों को जेल भेजा गया था। विवेचना के दौरान धारा हटने के बाद आरोपितों ने अदालत से जमानत मांगी। शनिवार को हुई सुनवाई में सीजेएम शारिब अली ने जमानत प्रार्थना पत्र स्वीकार कर लिया। इसके बाद रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ता जिला कारागार पहुंच गए।

प्रयागराज-साबरमती एक्सप्रेस में बढ़े कोच, वेटिंग यात्रियों को मिलेगी राहत

एजेंसी, प्रयागराज

◆ कोच बढ़ने से वेटिंग यात्रियों को आरक्षण मिलने की उम्मीद बढ़ी

रेल प्रशासन ने गुजरात और बेंगलुरु की ओर जाने वाली दो प्रमुख स्पेशल ट्रेनों के कोच संयोजन में बदलाव किया है। इस बदलाव से लंबी प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। रेलवे ने यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए ट्रेनों में अतिरिक्त कोच जोड़कर सीटों की उपलब्धता बढ़ाने का निर्णय लिया है।

गाड़ी संख्या 04179/04180 प्रयागराज-साबरमती-प्रयागराज स्पेशल ट्रेन अब संशोधित कोच संरचना के साथ संचालित होगी। ट्रेन में कुल 20 कोच होंगे। पहले की तुलना में कोचों की संख्या बढ़ने से यात्रियों के लिए अधिक सीटें उपलब्ध होंगी। इससे विशेष रूप से उन यात्रियों को लाभ मिलेगा, जिनके टिकट लंबी वेटिंग लिस्ट में हैं। रेल प्रशासन के अनुसार, यात्रियों की सुविधा और मांग को ध्यान में रखते हुए कोच संयोजन में यह बदलाव किया गया है। अतिरिक्त क्षमता से अधिक यात्रियों को आरक्षित सीट मिल सकेगी और वेटिंग टिकट के कन्फर्म होने की संभावना भी बढ़ेगी।

इसी तरह गाड़ी संख्या 04179/04180 के साथ कानपुर-बेंगलुरु स्पेशल ट्रेन के कोच संयोजन में भी बदलाव किया गया है। इस ट्रेन में एक अतिरिक्त स्लीपर कोच जोड़ा गया है। इससे लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त बर्थ उपलब्ध हो सकेंगी। रेलवे के इस फैसले से त्योहार और अवकाश के दौरान यात्रा की तैयारी कर रहे यात्रियों को विशेष लाभ मिलने की उम्मीद है।

नोएडा में 43वीं मंजिल से कूदकर गुरुग्राम के युवक ने दी जान

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

नोएडा में एक बहुमंजिला इमारत की 43वीं मंजिल से कूदकर गुरुग्राम के 29 वर्षीय युवक संभव जैन ने आत्महत्या कर ली। घटना से पहले संभव ने अपने पिता विनय जैन को हिंदी और अंग्रेजी में कई मैसेज भेजे थे। इन संदेशों से सामने आया कि वह मानसिक तनाव से गुजर रहा था और खुद को बेहद परेशान महसूस कर रहा था।

सुसाइड से पहले भेजे गए एक मैसेज में संभव ने लिखा था कि वह बहुत डिप्रेशन में है और अब जीना नहीं चाहता। बेटे के इस मैसेज के बाद पिता विनय जैन ने उसे समझाने की कोशिश की। वह गुरुग्राम से लगातार बेटे से संपर्क करने का प्रयास करते रहे और उसे ऐसा कदम नहीं उठाने के लिए समझाते रहे। हालांकि पिता की कोशिशों के बावजूद संभव ने नोएडा में एक ऊंची इमारत की 43वीं मंजिल से छलांग लगा दी। घटना के बाद उसकी मौत हो गई। संभव की मौत की खबर से परिवार में मातम छा गया। सामने आए मैसेज से यह भी पता चलता है कि संभव अपने मानसिक हालात को लेकर पिता से बातचीत कर रहा था। उसने आत्महत्या से पहले अपनी स्थिति के बारे में जानकारी दी थी। पिता ने उसे संभालने और समझाने की कोशिश की, लेकिन स्थिति नहीं संभल सकी।

संभव जैन गुरुग्राम का रहने वाला था और उसकी उम्र 29 वर्ष थी। नोएडा में हुई इस घटना के बाद परिवार के सामने उसके द्वारा भेजे गए संदेशों ने कई सवाल खड़े किए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना से जुड़े तथ्यों को जुटाया जा रहा है। परिवार के लिए सबसे दुखद पहलू यह रहा कि संभव ने अपने पिता को पहले ही अपनी परेशानी के बारे में बताया था। पिता ने उसे समझाने की कोशिश भी की, लेकिन कुछ ही समय बाद उसने यह कदम उठा लिया। घटना ने एक बार फिर मानसिक तनाव से जूझ रहे लोगों को समय पर भावनात्मक सहयोग और मदद मिलने की जरूरत को सामने रखा है।

5.75 करोड़ की लागत से बनेगी नई सड़क, कुरुक्षेत्र में आसान होगा यातायात

रेलवे के राइट आफ वे में प्रस्तावित सड़क के लिए एनओसी समेत अन्य मंजूरियां लेना जरूरी होगा

भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र



धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में लगातार बढ़ते यातायात दबाव और जाम की समस्या से लोगों को राहत दिलाने के लिए प्रदेश सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। रेलवे एलिवेटेड ट्रैक के समानांतर नई सड़क के निर्माण को सरकार ने मंजूरी दे दी है। प्रस्तावित सड़क के बनने से शहरवासियों के साथ श्रद्धालुओं और पर्यटकों को भी आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने बताया कि कुरुक्षेत्र में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से रेलवे एलिवेटेड ट्रैक के समानांतर इस सड़क का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने सड़क निर्माण की मंजूरी मिलने पर प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि नई सड़क बनने से शहर में यातायात का दबाव कम होगा और लोगों को जाम से राहत मिल सकेगी।

प्रस्तावित सड़क एलसी-61सी से एलसी-65सी तक बनाई जाएगी। एलसी-61सी विश्वविद्यालय गेट नंबर-3 के पास स्थित है, जबकि एलसी-65सी पुराने बस स्टैंड के पास है। इस मार्ग के तैयार होने से इन दोनों स्थानों के बीच आने-जाने वाले लोगों को एक वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होगा। नई सड़क रेलवे के राइट आफ वे में प्रस्तावित है।

इसके निर्माण के लिए रेलवे से आवश्यक अनापत्ति प्रमाण-पत्र यानी एनओसी और अन्य वैधानिक मंजूरियां प्राप्त करनी होंगी। इन मंजूरियों के बाद सड़क निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। पूर्व राज्यमंत्री के अनुसार प्रस्तावित सड़क की लंबाई करीब 3.20 किलोमीटर होगी। सड़क की चौड़ाई सात मीटर रखी जाएगी। इसके निर्माण पर लगभग 5.75 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत आएगी। सरकार की मंजूरी के बाद अब संबंधित स्तर पर आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी।

कुरुक्षेत्र में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों के अलावा देश-प्रदेश से श्रद्धालु और पर्यटक भी पहुंचते हैं। ऐसे में शहर की सड़कों पर वाहनों का दबाव बढ़ जाता है और कई बार जाम की स्थिति बनती है। रेलवे ट्रैक के समानांतर बनने वाली सड़क को यातायात के लिए अतिरिक्त विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। नई सड़क के निर्माण से मौजूदा मार्गों पर वाहनों का दबाव कम होने की उम्मीद है। इससे शहर के विभिन्न हिस्सों के बीच आवागमन सुगम हो सकता है। साथ ही श्रद्धालुओं और पर्यटकों को भी शहर में आवाजाही के दौरान सुविधा मिलने की संभावना है।

कर्ण चौटाला के तेवर पर दिग्विजय ने याद दिलाई सहजता की सीख

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



हरियाणा में चौधरी देवीलाल परिवार की राजनीतिक जंग अब चौथी पीढ़ी तक पहुंच गई है। कर्ण चौटाला और दिग्विजय चौटाला के बयानों ने परिवार के भीतर चल रही सियासी खींचतान को नया मोड़ दिया है। चचेरे भाइयों के बीच सामने आए 'तलवार' और 'तोप-गोलों' के बयानों ने नई सियासी लकीर खींच दी है।

चौटाला परिवार में राजनीतिक विभाजन की शुरुआत पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के बेटों अभय सिंह और अजय सिंह की पीढ़ी में खुलकर सामने आई थी। इसके बाद परिवार की राजनीतिक राहें अलग हो गईं और इनेलो तथा जेजेपी दो अलग-अलग राजनीतिक संगठन बन गए। दोनों पक्षों के बीच राजनीतिक मतभेद समय के साथ बढ़ते गए। परिवार को दोबारा एकजुट करने के प्रयास भी किए गए, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। अब इसी राजनीतिक विरासत की अगली पीढ़ी में भी मतभेदों के स्वर दिखाई देने लगे हैं। कर्ण चौटाला और दिग्विजय चौटाला के हालिया बयानों ने सियासी चर्चाओं को तेज कर दिया है। एक ओर जहां ताकत और तेवर की बात सामने आई, वहीं दूसरी ओर सहजता और विनम्रता की सीख का हवाला दिया गया।

देवीलाल परिवार का हरियाणा की राजनीति में लंबे समय से प्रभाव रहा है। ऐसे में परिवार की चौथी पीढ़ी के नेताओं के बीच बयानबाजी को राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है। चचेरे भाइयों की यह जुबानी जंग आने वाले समय में परिवार की राजनीति और हरियाणा के सियासी समीकरणों पर क्या असर डालेगी, इस पर सबकी नजर है। कर्ण और दिग्विजय के बयानों से परिवार की सियासी विरासत में मतभेदों की नई तस्वीर सामने आई है।

ज्वैलर से लूट का मास्टर माइंड साढे तीन किलो चांदी व सोने के साथ गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद

आरोपियों से 3.49 किलो चांदी और चार ग्राम सोना बरामद



गांव चांदपुरा-सिधानी रोड पर ज्वैलर से तेजधार हथियारों के बल पर हुई लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषणों की लूट का जाखल पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने गिरोह के मास्टरमाइंड समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि वारदात में शामिल एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है। आरोपियों के कब्जे से तीन किलो 490 ग्राम चांदी और चार ग्राम सोने के चार कोके व एक नथ बरामद हुई है।

यातायात डीएसपी जय सिंह ने बताया कि गिरोह की कमान सिधानी निवासी जगसीर संभाल रहा था। उसे पता था कि चांदपुरा निवासी जश्नप्रीत सिंह सिधानी में आभूषणों की दुकान चलाता है और रोजाना बैग में जेवर लेकर आता-जाता है। जगसीर ने नया गांव निवासी लवप्रीत और एक नाबालिग के साथ मिलकर लूट की योजना बनाई।

28 सितंबर की शाम करीब 6:50 बजे जश्नप्रीत दुकान बंद कर मोटरसाइकिल से लौट रहा था। पेट्रोल पंप के पास मुंह ढके बाइक सवार लवप्रीत और नाबालिग ने हथियार दिखाकर उसका बैग छीन लिया और फरार हो गए। शिकायत के बाद जाखल थाना प्रभारी निरीक्षक बलराज की टीम ने जांच शुरू की।

बहादुरगढ़ में नहर से मिले महिला और पुरुष के शव

भारतेन्दु संवाददाता, बहादुरगढ़।

बहादुरगढ़ के आसौदा थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर एनसीआर नहर में महिला और पुरुष के शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। दोनों शव गांव जसौर खेड़ी से भैंसरू रोड पर रिलायंस नहर के पास मिले। स्थानीय लोगों ने नहर में शव देखे तो इसकी सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही आसौदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को नहर से बाहर निकलवाने की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से भी जानकारी जुटाई। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस दोनों की पहचान कराने के प्रयास कर रही है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि महिला और पुरुष नहर तक कैसे पहुंचे और उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई।

वाटिका ग्रुप मनी लॉन्ड्रिंग केस में भल्ला बंधुओं को 3 दिन और ईडी कस्टडी

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम



गुरुग्राम में वाटिका ग्रुप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई जारी है। वाटिका ग्रुप के निदेशक अनिल भल्ला और गौतम भल्ला को चार दिन की ईडी रिमांड पूरी होने के बाद रविवार को गुरुग्राम की विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया। दोनों निदेशकों से मामले में आगे पूछताछ के लिए ईडी ने अदालत से सात दिन की अतिरिक्त कस्टडी की मांग की थी।

अदालत में सुनवाई के दौरान ईडी ने जांच की प्रगति और आरोपियों से आगे पूछताछ की आवश्यकता का हवाला देते हुए अतिरिक्त रिमांड की मांग रखी। अदालत ने ईडी की दलीलों और जांच की जरूरत को देखते हुए अनिल भल्ला और गौतम भल्ला को तीन-तीन दिन की अतिरिक्त ईडी कस्टडी में भेजने का आदेश दिया। इस तरह दोनों निदेशक अब तीन दिन और ईडी की हिरासत में रहेंगे।

दोनों आरोपियों की पहले चार दिन की ईडी रिमांड मंजूर की गई थी। रिमांड अवधि पूरी होने के बाद उन्हें अदालत के समक्ष पेश किया गया। ईडी ने पूछताछ और जांच को आगे बढ़ाने के लिए सात दिन की अतिरिक्त कस्टडी मांगी थी, लेकिन अदालत ने तीन दिन की कस्टडी मंजूर की। अदालत के आदेश के अनुसार अनिल भल्ला और गौतम भल्ला को अब 5 अक्टूबर को शाम चार बजे दोबारा पेश किया जाएगा। इस दौरान ईडी दोनों से मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं को लेकर पूछताछ करेगी। जांच एजेंसी की ओर से अदालत को जांच की प्रगति से भी अवगत कराया गया।

वाटिका ग्रुप के दोनों निदेशकों की अतिरिक्त ईडी कस्टडी का फैसला मामले की जांच के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। चार दिन की पूछताछ के बाद भी ईडी ने आगे की जांच के लिए अतिरिक्त समय मांगा था। अदालत ने सात दिन की मांग के बजाय तीन दिन की कस्टडी मंजूर की है। अब की पेशी पर यह स्पष्ट होगा कि ईडी आगे की कार्रवाई को लेकर अदालत के समक्ष क्या जानकारी रखती है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका में सड़क हादसे में कुरुक्षेत्र के विक्की की मौत, दोस्तों ने जुटाए 20 लाख

भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र के 34 वर्षीय विक्की अरोड़ा की अमेरिका में सड़क हादसे में मौत हो गई। विक्की पिछले 12 साल से घर नहीं लौटा था और इस बार नवंबर में दिवाली के दौरान कुरुक्षेत्र आने की तैयारी कर रहा था। परिवार भी उसके स्वागत की तैयारियों में जुटा था और उसके लिए रिश्ता देखने की योजना बना रहा था। इसी बीच अमेरिका में सड़क हादसे की खबर ने परिवार को सदमे में डाल दिया। हादसे के बाद विक्की के शव को भारत लाने के लिए उसके दोस्तों ने अभियान चलाया। दोस्तों और परिचितों ने मिलकर करीब 20 लाख रुपये जुटाए, जिसके बाद शव को कुरुक्षेत्र भेजा गया। यहां परिजनों ने अंतिम संस्कार किया। जिस बेटे के घर लौटने का परिवार बेसब्री से इंतजार कर रहा था, उसका शव कॉफिन में पहुंचा। घटना से परिवार और परिचितों में शोक की लहर है।

ऐलनाबाद में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में फायरिंग, बाइक तोड़ी

भारतेन्दु संवाददाता, सिरसा। सिरसा जिले के ऐलनाबाद में रात पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में फायरिंग हो गई। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच पहले से विवाद चला आ रहा था। घटना से पहले दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को अल्टीमेटम दिया था और आपस में मिलने के लिए दिन व समय भी तय किया था। तय समय पर एक पक्ष से चार-पांच लोग मौके पर पहुंचे, जबकि दूसरे पक्ष की संख्या करीब 30 से 40 बताई जा रही है। संख्या अधिक होने के कारण एक पक्ष के लोग मौके से भाग गए और अपनी बाइक वहीं छोड़ गए। आरोप है कि दूसरे पक्ष के लोगों ने दोनों बाइक को तोड़ दिया। फायरिंग की घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी जुटाई। मामले में पुलिस जांच कर रही है।

किसान महापंचायत में आंदोलन का ऐलान यमुनानगर में हाईवे पर बैठे किसान

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर। यमुनानगर के औरंगाबाद में रविवार को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की ओर से किसान महापंचायत आयोजित की गई। इसमें किसानों से जुड़े मुद्दों और धान खरीद में आ रही परेशानियों को लेकर सरकार पर निशाना साधा गया। किसान नेता राकेश टिकैत ट्रैक्टर पर सवार होकर महापंचायत में पहुंचे। महापंचायत में किसानों ने अपनी मांगों को लेकर आंदोलन का ऐलान किया। किसान नेताओं ने कहा कि बिना संघर्ष के सरकार किसानों की मांगें नहीं मानेगी। इसके बाद किसानों ने पंचकूला-सहारनपुर हाईवे पर जाम लगा दिया। बड़ी संख्या में किसान हाईवे पर बैठ गए। राकेश टिकैत की अध्यक्षता में हुई महापंचायत के बाद किसानों ने सरकार के खिलाफ अपना विरोध जताया। धान खरीद में आ रही परेशानियों समेत किसानों से जुड़े अन्य मुद्दों को लेकर आंदोलन आगे बढ़ाने की बात कही गई। हाईवे जाम होने से यातायात प्रभावित हुआ। किसान नेताओं ने मांगें पूरी होने तक संघर्ष जारी रखने का आह्वान किया।

रोहतक में चाचा ने भतीजे को चाकू मारा इलाज के दौरान मौत

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक। रोहतक की कबीर कॉलोनी में हुए विवाद के बाद 27 वर्षीय कालू की चाकू लगने से मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, कालू परचून की दुकान पर सामान लेने गया था। इसी दौरान चार-पांच लोगों ने उसे घेर लिया और उसके साथ विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि इसी दौरान उसके चाचा अजीज ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। गंभीर हालत में कालू को उपचार के लिए ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि कालू पर चाचा की किरयाना दुकान से सामान उधार लेने के पैसे बकाया थे। इन्हीं रुपयों को लेकर दोनों के बीच पिछले कुछ समय से विवाद चल रहा था। घटना के बाद कॉलोनी में तनाव की स्थिति बनी रही। दो पक्षों के बीच पथराव और चाकूबाजी की भी बात सामने आई है।

दादा की अधूरी मुहिम को पोते ने संभाला 17 दिन से तालाब की सफाई में जुटे अंकित

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद



बड़ौली गांव में अंकित और हल्लू चंदीला सुबह-शाम तालाब की सफाई कर रहे हैं।

फरीदाबाद के बड़ौली गांव में एक पोता अपने दादा की अधूरी मुहिम को आगे बढ़ाने में जुटा है। अंकित चंदीला ने अपने दादा स्वर्गीय नत्थी सिंह चंदीला की उस पहल को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है, जिसके तहत वह गांव के तालाब की बदहाली को लेकर लंबे समय तक आवाज उठाते रहे थे। अब अंकित खुद तालाब की सफाई में जुटकर दादा के सपने को पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं।

अंकित अपने साथी हल्लू चंदीला के साथ पिछले 17 दिनों से सुबह और शाम तालाब की सफाई कर रहे हैं। उनका उद्देश्य तालाब को साफ करना और उसकी पुरानी स्थिति को बहाल करने की दिशा में प्रयास करना है। तालाब की बदहाली लंबे समय से गांव के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। ग्रामीणों के बीच इस तालाब को लेकर मान्यता रही है कि यहां स्नान करने से चर्म रोग समेत कई बीमारियों में राहत मिलती है। इसी वजह से तालाब का गांव के लोगों के बीच खास महत्व रहा है। हालांकि समय के साथ तालाब के आसपास कब्जे और जल निकासी की समस्या बढ़ती गई।

गंदे पानी की निकासी होने के कारण तालाब की स्थिति खराब होती चली गई। तालाब की सफाई के साथ अंकित और ग्रामीणों की मांग है कि इसमें आने वाले गंदे पानी की निकासी को रोका जाए। उनका मानना है कि केवल सफाई करने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। तालाब को बचाने के लिए जल निकासी की समस्या का समाधान भी जरूरी है। अंकित के लिए यह सिर्फ तालाब की सफाई का अभियान नहीं है, बल्कि अपने दादा की उस मुहिम को आगे बढ़ाने का प्रयास है, जिसे वह अधूरा छोड़ गए थे। दादा ने तालाब की बदहाली को लेकर आवाज उठाई थी और अब पोता उसी जिम्मेदारी को अपने कंधों पर लेकर काम कर रहा है।

17 दिनों से लगातार चल रही सफाई की यह पहल ग्रामीण स्तर पर तालाबों के संरक्षण की जरूरत को भी सामने लाती है। अंकित और उनके साथी सुबह-शाम सफाई में जुटे हैं। उनका प्रयास है कि तालाब को बचाया जा सके और ग्रामीणों के लिए इसकी उपयोगिता फिर से कायम हो। साथ ही गंदे पानी की निकासी रोकने और तालाब को अतिक्रमण जैसी समस्याओं से बचाने की मांग भी उठाई जा रही है। अंकित और साथी सुबह-शाम तालाब की सफाई कर दादा की अधूरी मुहिम को आगे बढ़ा रहे हैं।

हांसी में बस और ट्रक की आमने-सामने टक्कर करीब 30 यात्री घायल, अस्पताल में भर्ती

भारतेन्दु संवाददाता, हांसी



बरवाला-हांसी मार्ग पर हादसा, ट्रक से टकराई निजी बस

हरियाणा के हांसी में रविवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। शहर के राजकीय महाविद्यालय के पास सालासर मंदिर के सामने मोड़ पर बरवाला से हांसी आ रही एक निजी बस की सामने से आ रहे ट्रक के साथ आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में बस में सवार करीब 30 यात्रियों के घायल होने की सूचना है। घायलों में महिलाएं और पुरुष दोनों शामिल बताए जा रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार हादसा रविवार सुबह करीब 11 बजे हुआ। बरवाला से हांसी की ओर आ रही निजी बस जब राजकीय महाविद्यालय के पास सालासर मंदिर मोड़ पर पहुंची, उसी दौरान सामने से आ रहे ट्रक के साथ उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में करीब 30 यात्रियों के घायल होने की जानकारी सामने आई है।

फिलहाल घायलों की हालत और उन्हें किस अस्पताल में भर्ती कराया गया है, इसकी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। हादसे की सूचना पुलिस को भी दी गई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बस और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर हुई है, लेकिन हादसा किस वजह से हुआ, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

पुलिस घटनास्थल पर मौजूद लोगों और वाहन चालकों से जानकारी जुटा रही है। साथ ही हादसे से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। दुर्घटना के कारण कुछ समय के लिए सड़क पर यातायात प्रभावित होने की भी संभावना रही। पुलिस ने वाहनों को सुरक्षित तरीके से हटवाने और यातायात व्यवस्था सामान्य कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू की। फिलहाल प्रशासन और पुलिस की ओर से घायलों की स्थिति तथा हादसे के सही कारणों को लेकर विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है।

हरियाणा के किसानों को राहत, अक्टूबर में मिलेगी 7.50 लाख एमटी खाद

रबी सीजन में सरसों और गेहूं की बिजाई के दौरान किसानों को खाद की कमी नहीं होगी

भारतेन्दु संवाददाता, झज्जर



हरियाणा में रबी सीजन की तैयारियों के बीच किसानों के लिए राहत की खबर है। अक्टूबर माह में प्रदेश को करीब 7.50 लाख मीट्रिक टन खाद उपलब्ध कराई जाएगी। इससे सरसों और गेहूं की बिजाई के दौरान किसानों को खाद की कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा। केंद्र सरकार ने प्रदेश की जरूरत को देखते हुए खाद की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए संबंधित कंपनियों को मांग भेज दी है। डिपार्टमेंट आफ फर्टिलाइजर्स, दिल्ली की ओर से हरियाणा के लिए खाद की उपलब्धता को लेकर योजना तैयार की गई है।

इसके तहत अक्टूबर में विभिन्न प्रकार की खाद प्रदेश में पहुंचाई जाएगी। इससे रबी सीजन की प्रमुख फसलों की बिजाई के समय किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध होने की उम्मीद है। केंद्र की ओर से तय आपूर्ति के अनुसार इंडियन पोटाश लिमिटेड (आइपीएल) की ओर से हरियाणा में 1.50 लाख मीट्रिक टन डीएपी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा 3.50 लाख मीट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति होगी। वहीं, 40 हजार मीट्रिक टन एनपीके व एसएसपी तथा 10,650 मीट्रिक टन एमओपी भी प्रदेश को उपलब्ध कराया जाएगा। अलग-अलग प्रकार की खाद की यह आपूर्ति रबी सीजन में किसानों की जरूरत को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सरसों की बिजाई का समय नजदीक होने के कारण किसानों के लिए खाद की उपलब्धता बेहद अहम है। इसके बाद गेहूं की बिजाई का सीजन शुरू होगा। ऐसे में प्रदेश में पर्याप्त खाद उपलब्ध होने से किसानों को समय पर फसलों की बिजाई करने में मदद मिलेगी।

खाद के लिए किसानों को इधर-उधर भटकना न पड़े, इसके लिए केंद्र और प्रदेश स्तर पर आपूर्ति व्यवस्था पर नजर रखी जा रही है। झज्जर में भी खाद की आपूर्ति को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। यहां 2600 मीट्रिक टन डीएपी का रैक पहुंचने की उम्मीद है। रैक पहुंचने के बाद जिले के किसानों को डीएपी की उपलब्धता में राहत मिलने की संभावना है। कृषि विभाग और संबंधित एजेंसियों की ओर से खाद की उपलब्धता के अनुसार वितरण की व्यवस्था की जाएगी। प्रदेश में पिछले कुछ समय से रबी फसलों की बिजाई को लेकर किसान खाद की उपलब्धता पर नजर रख रहे हैं।

सरसों और गेहूं हरियाणा की प्रमुख रबी फसलों में शामिल हैं। इनकी अच्छी पैदावार के लिए समय पर खाद मिलना जरूरी है। सरकार की ओर से अक्टूबर में 7.50 लाख मीट्रिक टन खाद उपलब्ध कराने की व्यवस्था किए जाने से किसानों की चिंता कम होने की उम्मीद है। खाद की इस आपूर्ति में डीएपी और यूरिया की बड़ी मात्रा शामिल है। डीएपी का इस्तेमाल फसल की शुरुआती बढ़वार के लिए किया जाता है, जबकि यूरिया की मांग भी गेहूं सहित कई फसलों में रहती है। इसके अलावा एनपीके, एसएसपी और एमओपी की उपलब्धता भी किसानों के लिए उपयोगी रहेगी। अक्टूबर में पर्याप्त खाद की आपूर्ति होने से रबी सीजन की तैयारियों को गति मिलने की उम्मीद है। सरकार और संबंधित विभागों का लक्ष्य है कि किसानों को उनकी जरूरत के अनुसार खाद उपलब्ध हो और बिजाई के समय किसी प्रकार की परेशानी न आए।

सरकार और संबंधित विभागों की ओर से खाद की आपूर्ति पर लगातार नजर रखी जा रही है, ताकि किसानों को जरूरत के समय खाद के लिए परेशान न होना पड़े। रबी सीजन में सरसों और गेहूं की बिजाई को देखते हुए डीएपी और यूरिया की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अक्टूबर में प्रस्तावित आपूर्ति से किसानों को समय पर खाद मिलने की उम्मीद है। इससे फसलों की बिजाई प्रभावित नहीं होगी और किसान बेहतर तरीके से रबी सीजन की तैयारियां पूरी कर सकेंगे। झज्जर समेत प्रदेश के अन्य जिलों में भी मांग के अनुसार खाद पहुंचाने और उसके वितरण की व्यवस्था की जा रही है।

चंडीगढ़ में ओवरस्पीड कार चौक पर चढ़ी एयरबैग खुलने से चार युवकों की बची जान

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



करनाल से चंडीगढ़ क्लब में पार्टी करने आए चार युवकों की कार रविवार तड़के हादसे का शिकार हो गई। तेज रफ्तार के कारण उनकी किया कार 7/8-19/26 के चौक पर चढ़ गई। हादसे में कार सवार युवकों को मामूली चोटें आईं। दुर्घटना के बाद सभी युवकों का मेडिकल करवाया गया। एयरबैग खुलने के कारण बड़ा हादसा टल गया और चारों की जान बच गई।

जानकारी के अनुसार करनाल निवासी 29 वर्षीय अरुण, 32 वर्षीय बनी, 28 वर्षीय कुलदीप और उनका एक अन्य साथी शनिवार को चंडीगढ़ आए थे। चारों ने शहर के एक क्लब में पार्टी की। पार्टी खत्म होने के बाद सभी युवक कार से वापस करनाल जाने के लिए निकले। रविवार तड़के जब उनकी कार 7/8-19/26 के चौक के पास पहुंची तो रफ्तार अधिक होने के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। इसके बाद तेज रफ्तार किया कार चौक पर चढ़ गई और दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा इतना अचानक हुआ कि कार में सवार युवकों को संभलने का मौका नहीं मिला। टक्कर के बाद कार के एयरबैग खुल गए, जिससे युवकों को गंभीर चोटों से बचाया जा सका। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद संबंधित पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। युवकों की स्थिति सामान्य बताई जा रही है। सभी का मेडिकल परीक्षण कराया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हादसे की मुख्य वजह कार की तेज रफ्तार बताई जा रही है।

पुलिस हादसे के संबंध में आगे की जांच कर रही है। वहीं, दुर्घटना के बाद कार को भी नुकसान पहुंचा। गनीमत रही कि हादसे में किसी युवक को गंभीर चोट नहीं आई। अगर कार की रफ्तार कम होती तो संभवत: हादसा टाला जा सकता था। घटना एक बार फिर तेज रफ्तार में वाहन चलाने के खतरे को सामने लाती है। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना के बाद क्षतिग्रस्त कार को भी नुकसान पहुंचा। गनीमत रही कि एयरबैग खुलने से सभी युवक गंभीर चोटों से बच गए।

डीयू में शुरू होगा एआई फिल्म निर्माण कोर्स, छात्र सीखेंगे कमाई का हुनर

कम संसाधनों में फिल्म और वीडियो बनाना सिखाएगा डीयू, एआई पर रहेगा जोर

एजेंसी, नई दिल्ली

फिल्म निर्माण अब महंगे कैमरे, बड़े सेट और लंबी शूटिंग तक सीमित नहीं रह गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल ने फिल्म, विज्ञापन और वीडियो निर्माण के क्षेत्र में नए अवसर पैदा किए हैं। इसी बदलाव को ध्यान में रखते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) छात्रों के लिए एआई आधारित फिल्म निर्माण का छह महीने का कोर्स शुरू करने की तैयारी कर रहा है।

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को एआई की मदद से फिल्म बनाने की तकनीक सिखाई जाएगी। छात्रों को डिजिटल माध्यमों के लिए रचनात्मक सामग्री तैयार करने के साथ-साथ फिल्म निर्माण की बदलती तकनीकों से परिचित कराया जाएगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को ऐसा व्यावहारिक कौशल उपलब्ध कराना है, जिसका इस्तेमाल वे पढ़ाई के साथ-साथ भविष्य में रोजगार और कमाई के अवसर हासिल करने के लिए कर सकें। एआई के इस्तेमाल से फिल्म निर्माण की प्रक्रिया में कई



बदलाव आए हैं। अब कम संसाधनों में भी डिजिटल सामग्री तैयार करना संभव हो रहा है।

ऐसे में डीयू का प्रस्तावित कोर्स उन विद्यार्थियों के लिए उपयोगी हो सकता है, जो फिल्म, विज्ञापन, वीडियो और डिजिटल सामग्री निर्माण के क्षेत्र में रुचि रखते हैं। कोर्स में विद्यार्थियों को एआई आधारित तकनीकों के जरिए रचनात्मक डिजिटल सामग्री तैयार करने की समझ विकसित करने का अवसर मिलेगा। इसके जरिए वे कम संसाधनों का इस्तेमाल करते हुए अपनी कल्पनाओं को वीडियो और अन्य डिजिटल प्रारूपों में बदलने की तकनीक सीख सकेंगे। डीयू की ओर से शुरू किया जाने वाला यह छह महीने का पाठ्यक्रम पारंपरिक फिल्म निर्माण और नई तकनीक के बीच तालमेल बनाने की दिशा में कदम होगा।

एआई से रोजगार के अवसर तलाशेंगे विद्यार्थी

कोर्स के माध्यम से विद्यार्थियों को एआई आधारित तकनीकों के व्यावहारिक इस्तेमाल का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे वे कहानी, विज्ञापन और वीडियो जैसी डिजिटल सामग्री तैयार करने की प्रक्रिया को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे। एआई उपकरणों की सहायता से कम समय और सीमित संसाधनों में रचनात्मक सामग्री तैयार करने पर भी जोर रहेगा। विद्यार्थियों को अपनी कल्पनाओं को प्रभावी दृश्य और डिजिटल प्रारूप में बदलने के तरीके सिखाए जाएंगे। इससे फिल्म और डिजिटल मीडिया के क्षेत्र में रुचि रखने वाले छात्रों को नए प्रयोग करने का अवसर मिलेगा। छह महीने की अवधि में प्राप्त कौशल का उपयोग वे स्वतंत्र परियोजनाओं, डिजिटल मंचों और रोजगार के अवसरों में कर सकेंगे। पाठ्यक्रम युवाओं को तकनीकी बदलावों के अनुरूप तैयार करने के साथ उनकी रचनात्मक क्षमता को भी बढ़ावा देगा।

मेघालय के 'जिंगकिएंग जरी' पुलों पर दुनिया की नजर

पत्थर और कंक्रीट के बजाय पेड़ों की जड़ों से पुल बनाने की पीढ़ियों पुरानी परंपरा

एजेंसी, नई दिल्ली



मेघालय के अनोखे लिविंग रूट ब्रिज अब विश्व धरोहर की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। स्थानीय स्तर पर 'जिंगकिएंग जरी' के नाम से पहचाने जाने वाले इन प्राकृतिक पुलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर की अस्थायी सूची में जगह मिल चुकी है। इन पुलों की खासियत इनका निर्माण तरीका है, जो प्रकृति और मानव कौशल के अनोखे मेल को दर्शाता है।

भारत ने इन पुलों को विश्व धरोहर की सूची में शामिल करने के लिए 17 फरवरी 2022 को प्रस्ताव प्रस्तुत किया था। प्रस्ताव में मेघालय के खासी समुदाय की पीढ़ियों से चली आ रही पारंपरिक तकनीक और इससे जुड़े सांस्कृतिक परिदृश्य को शामिल किया गया है। लिविंग रूट ब्रिज पत्थर, लोहे या कंक्रीट से तैयार नहीं होते। इन्हें फाइकस इलास्टिका यानी भारतीय रबर वृक्ष की जीवित जड़ों से तैयार किया जाता है। पेड़ की जड़ों को नदी या नाले के एक किनारे से दूसरे किनारे तक ले जाकर निर्धारित दिशा में बढ़ाया जाता है। इसके बाद जड़ों को आपस में जोड़कर पुल का आकार दिया जाता है।

इन पुलों को तैयार होने में काफी लंबा समय लगता है। कई बार किसी पुल को उपयोग के योग्य बनने में दशकों का समय लग जाता है। इस दौरान जड़ें लगातार बढ़ती रहती हैं और पुल की संरचना मजबूत होती जाती है। यही कारण है कि इन पुलों को प्रकृति के साथ विकसित होने वाली संरचना के रूप में देखा जाता है। खासी समुदाय ने इस तकनीक को पीढ़ी-दर-पीढ़ी संरक्षित रखा है। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में नदी और नालों को पार करने के लिए इन पुलों का उपयोग स्थानीय लोगों के लिए महत्वपूर्ण रहा है। लिविंग रूट ब्रिज मेघालय की प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत के साथ समुदाय की पारंपरिक समझ को भी सामने लाते हैं।

मेघालय के जीवित जड़ वाले पुलों को मिली विश्व धरोहर की पहचान

इन जीवित जड़ वाले पुलों की सबसे बड़ी विशेषता इनका पर्यावरण के अनुकूल होना है। इनके निर्माण में किसी बड़े निर्माण उपकरण या आधुनिक सामग्री की आवश्यकता नहीं पड़ती। स्थानीय लोग पेड़ों की जड़ों को प्राकृतिक रूप से बढ़ने और सही दिशा में फैलने में मदद करते हैं। समय के साथ जड़ें आपस में जुड़ती जाती हैं और मजबूत ढांचा तैयार करती हैं। कई पुलों की देखभाल भी स्थानीय समुदाय द्वारा लगातार की जाती है, जिससे उनका उपयोग लंबे समय तक संभव बना रहता है। मेघालय में ऐसे कई पुल घने जंगलों और दुर्गम इलाकों के बीच स्थित हैं। इनका निर्माण स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों और समुदाय की जरूरतों के अनुसार विकसित हुआ। बारिश के मौसम में जब नदियों और नालों में पानी का बहाव बढ़ जाता है, तब ये पुल लोगों के आवागमन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विश्व धरोहर की अस्थायी सूची में शामिल होने से इन पुलों की पारंपरिक तकनीक और सांस्कृतिक महत्व को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलने की संभावना बढ़ी है। साथ ही, इनके संरक्षण और स्थानीय समुदाय की भूमिका पर भी ध्यान केंद्रित होगा। जिंगकिएंग जरी केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीवन जीने की खासी परंपरा का उदाहरण भी माने जाते हैं। इन पुलों के संरक्षण से स्थानीय ज्ञान और पारंपरिक निर्माण पद्धति को नई पहचान मिल सकती है। साथ ही, आने वाली पीढ़ियों तक इस अनूठी विरासत को सुरक्षित रखने और प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग का संदेश भी मजबूत होगा।

दिल्ली में 54 गुना बढ़ा आरक्षित वन क्षेत्र रिज की 5363 हेक्टेयर जमीन सुरक्षित

एजेंसी, नई दिल्ली

- अतिक्रमण और अवैध निर्माण पर लगेगी रोक

दिल्ली में रिज और अन्य वन क्षेत्रों को अतिक्रमण, अवैध निर्माण और पेड़ों की कटाई से बचाने के लिए आरक्षित वन का दायरा तेजी से बढ़ाया जा रहा है। दिल्ली सरकार द्वारा जारी नए आंकड़ों के अनुसार आरक्षित वन क्षेत्र में करीब 54 गुना वृद्धि हुई है। इससे रिज की हजारों हेक्टेयर भूमि को कानूनी सुरक्षा मिलने का रास्ता साफ हुआ है।



आंकड़ों के मुताबिक पिछली सरकारों के कार्यकाल में केवल 96.16 हेक्टेयर भूमि को आरक्षित वन के रूप में अधिसूचित किया गया था। वहीं मौजूदा सरकार के कार्यकाल में यह आंकड़ा बढ़कर 5,267.009 हेक्टेयर पहुंच गया है। इस तरह आरक्षित वन क्षेत्र में करीब 54 गुना की वृद्धि दर्ज की गई है। इस विस्तार के बाद दिल्ली रिज की लगभग 5,363 हेक्टेयर भूमि को कानूनी संरक्षण मिलने की बात सामने आई है। रिज दिल्ली के पर्यावरण और हरित क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। इसके बड़े हिस्से को आरक्षित वन के दायरे में लाने से भूमि की सुरक्षा मजबूत होने की उम्मीद है। सरकार का उद्देश्य वन क्षेत्र में होने वाले अतिक्रमण और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाना है। आरक्षित वन का दर्जा मिलने के बाद संबंधित भूमि पर नियमों के अनुसार संरक्षण और निगरानी की व्यवस्था लागू होती है।

इससे अवैध निर्माण तथा पेड़ों की कटाई जैसी गतिविधियों पर कार्रवाई का आधार मजबूत होगा। दिल्ली में रिज क्षेत्र लंबे समय से अतिक्रमण और निर्माण गतिविधियों को लेकर चर्चा में रहा है। वन क्षेत्र बढ़ाने के फैसले से प्राकृतिक हरित क्षेत्र को संरक्षित करने में मदद मिलने की उम्मीद है। सरकार की ओर से जारी आंकड़े इस दिशा में किए गए विस्तार को रेखांकित करते हैं। आरक्षित वन क्षेत्र के विस्तार के साथ अब संबंधित भूमि के संरक्षण और निगरानी की जिम्मेदारी भी महत्वपूर्ण होगी।

नोएडा वोटर लिस्ट में गड़बड़ी का आरोप सपा ने चुनाव आयोग से की शिकायत

एजेंसी, नई दिल्ली। नोएडा विधानसभा की मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों, डुप्लीकेट प्रविष्टियों और पात्र मतदाताओं के नाम काटे जाने के आरोपों को लेकर समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर संगठन ने चुनाव आयोग से शिकायत की है। पार्टी ने मतदाता सूची की निष्पक्ष जांच कराने और संदिग्ध प्रविष्टियों का सत्यापन कराने की मांग उठाई है। सेक्टर-22 स्थित बैंक्विट हाल में आयोजित प्रेस वार्ता में सपा पदाधिकारियों ने मतदाता सूची में बड़ी संख्या में संदिग्ध प्रविष्टियां होने का दावा किया।

- सपा ने मतदाता सूची में हजारों संदिग्ध प्रविष्टियों की जांच की मांग उठाई

महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने बताया कि संगठन ने इससे पहले तीन जून को भी मतदाता सूची में करीब 25 हजार डुप्लीकेट एवं संदिग्ध मतदाताओं से संबंधित दस्तावेज सार्वजनिक किए थे। इस संबंध में मुख्य चुनाव आयुक्त और जिला निर्वाचन अधिकारी गौतमबुद्ध नगर को शिकायत भी सौंपी गई थी। सपा नेताओं के अनुसार शिकायत दिए जाने के करीब चार माह बीतने के बावजूद मामले में संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद संगठन ने मतदाता सूची का दोबारा परीक्षण कराया। इस दौरान करीब 10 से 15 हजार और ऐसी प्रविष्टियां सामने आने का दावा किया गया है, जिनकी जांच आवश्यक बताई गई है। पार्टी पदाधिकारियों ने कहा कि मतदाता सूची में डुप्लीकेट नामों के साथ पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जाने का मुद्दा भी गंभीर है।

दयाल सिंह कॉलेज के बाहर छात्राओं का प्रदर्शन, महिला सुरक्षा की उठी मांग

एजेंसी, नई दिल्ली

- दयाल सिंह कॉलेज छात्राओं ने महिला सुरक्षा पर जताई चिंता
- छात्राओं ने सुरक्षित सार्वजनिक स्थलों और सम्मानजनक माहौल की उठाई मांग

राजधानी दिल्ली में महिला सुरक्षा और समानता को लेकर चल रहे प्रदर्शनों के बीच शनिवार को दयाल सिंह कॉलेज के बाहर छात्राओं ने धरना प्रदर्शन किया। छात्राओं ने महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल की मांग करते हुए हाथों में पोस्टर और बैनर लेकर अपनी आवाज बुलंद की। प्रदर्शन के दौरान छात्राओं ने महिलाओं के खिलाफ डर, उत्पीड़न और चुप्पी की संस्कृति को खत्म करने का संदेश दिया।

प्रदर्शन में शामिल छात्राओं के हाथों में कई संदेश लिखे पोस्टर दिखाई दिए। इनमें 'वूमन मार्च फ्राम फियर टू फ्रीडम', 'नो मोर फियर, नो मोर साइलेंस', 'नो मीन्स नो' और 'तू बोलेगी, मुंह खोलेगी तभी तो जमाना बदलेगा' जैसे संदेश शामिल थे। छात्राओं ने कहा कि महिलाओं को भयमुक्त वातावरण मिलना चाहिए, ताकि वे अपनी शिक्षा, नौकरी और



सार्वजनिक जीवन में पूरी स्वतंत्रता के साथ आगे बढ़ सकें। आयोजकों के अनुसार, प्रदर्शन के साथ मार्च निकालने की भी योजना थी, लेकिन अनुमति नहीं मिलने के कारण छात्राओं ने कॉलेज के बाहर ही शांतिपूर्ण तरीके से धरना दिया। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में अन्य शिक्षण संस्थानों में भी महिला सुरक्षा और उत्पीड़न के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

छात्राओं ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा केवल प्रतिबंध लगाने से सुनिश्चित नहीं हो सकती, बल्कि सार्वजनिक स्थानों को सुरक्षित बनाना जरूरी है। उन्होंने पर्याप्त रोशनी, सुरक्षित परिवहन व्यवस्था और शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शन में छात्राओं ने संदेश दिया कि महिलाएं अब उत्पीड़न और असुरक्षा के मामलों में चुप नहीं रहेंगी। उन्होंने कहा कि समाज में ऐसा वातावरण तैयार करने की जरूरत है जहां हर महिला बिना डर के अपनी बात रख सके और सम्मान के साथ आगे बढ़ सके।

दिल्ली पुलिस ने 80 लापता लोगों को परिवारों से मिलाया

ऑपरेशन मिलाप के तहत पुलिस ने 22 बच्चों समेत 80 गुमशुदा लोगों को खोजा

एजेंसी, नई दिल्ली

दक्षिणी पश्चिमी जिला पुलिस ने लापता लोगों की तलाश के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन मिलाप के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। सितंबर महीने में पुलिस ने अभियान चलाकर 80 लापता लोगों को खोजकर उनके परिजनों से मिलाया है। इनमें 22 बच्चे और 58 वयस्क शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि बरामद किए गए लोगों में कई ऐसे भी थे, जो लंबे समय से लापता चल रहे थे।

पुलिस के अनुसार, ऑपरेशन मिलाप के तहत 1 सितंबर से 30 सितंबर तक विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान वर्ष 2021 से लापता एक व्यक्ति, वर्ष 2024 से लापता एक नाबालिग और वर्ष 2025 से लापता दो वयस्कों को भी तलाश कर सकुशल बरामद किया गया। इसके अलावा 76 लोग वर्ष 2026



में अलग-अलग समय पर लापता हुए थे, जिनका भी पुलिस ने पता लगाया।

दक्षिणी पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि लापता लोगों की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीमों ने तुरंत तलाश अभियान शुरू किया। इसके लिए स्थानीय स्तर पर लोगों से पूछताछ की गई और सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। इसके अलावा ऑटो स्टैंड, ई-रिक्शा स्टैंड, बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों पर लापता लोगों की तस्वीरें लगाकर जानकारी जुटाई गई।

पुलिस ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान बस चालकों, परिचालकों और सड़क किनारे काम करने वाले विक्रेताओं से भी पूछताछ की गई। टीमों ने विभिन्न इलाकों में जाकर लापता लोगों के संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाई और लगातार निगरानी रखी।

इस साल 1229 लापता लोगों को खोजा

पुलिस ने बताया कि ऑपरेशन मिलाप के तहत लगातार प्रयास किए जा रहे हैं ताकि लापता लोगों को जल्द से जल्द उनके परिवारों तक पहुंचाया जा सके। आंकड़ों के अनुसार, 1 जनवरी से 30 सितंबर तक दक्षिणी पश्चिमी जिला पुलिस ने कुल 1229 लापता लोगों का पता लगाया है। इनमें 318 बच्चे और 911 वयस्क शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि लापता बच्चों और लोगों की तलाश के लिए तकनीकी संसाधनों के साथ-साथ जमीनी स्तर पर भी अभियान जारी रखा जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों को सुरक्षित उनके परिवारों से मिलाया जा सके।

अवैध हथियारों के साथ पालम से आरोपी अंशु गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली। इलाके में अपना प्रभाव और दबदबा बनाने के लिए अवैध हथियार रखने वाले एक आरोपी को दिल्ली क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान पालम कॉलोनी निवासी अंशु के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से दो देसी कट्टे, दो कारतूस और एक एयर गन बरामद की है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के मोबाइल की जांच में हथियारों के साथ उसकी तस्वीरें भी मिली हैं। उसने इन तस्वीरों को वॉट्सएप स्टेट्स पर लगाया हुआ था। पुलिस ने उसका मोबाइल भी जब्त कर लिया है और मामले में आगे की जांच की जा रही है। क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने बताया कि टीम बदमाशों, शूटरों और अवैध हथियार सप्लाई करने वालों पर नजर रख रही थी। इसी दौरान सब इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह को सूचना मिली कि आरोपी अंशु पालम गांव क्षेत्र में मौजूद है।

दिल्ली बसों में मुफ्त सफर के लिए महिलाओं को पिंक कार्ड अनिवार्य

एजेंसी, नई दिल्ली



दिल्ली सरकार ने महिलाओं के लिए बसों में मुफ्त यात्रा योजना को लेकर नई अधिसूचना जारी कर दी है। इसके तहत अब दिल्ली में रहने वाली महिला यात्रियों को दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) और क्लस्टर बसों में निशुल्क सफर करने के लिए पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड (एनसीएमसी) का इस्तेमाल करना अनिवार्य होगा। यह व्यवस्था वातानुकूलित और गैर-वातानुकूलित दोनों तरह की बसों पर लागू होगी।

सरकार की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार, योजना का लाभ लेने वाली महिला यात्रियों को यात्रा के दौरान अपना पिंक कार्ड दिखाना होगा। बिना कार्ड के मुफ्त यात्रा की सुविधा नहीं मिलेगी। हालांकि, जिन महिलाओं के पास कार्ड नहीं है या जो किराया देकर यात्रा करना चाहती हैं, उनके लिए टिकट लेकर सफर करने का विकल्प उपलब्ध रहेगा।

दिल्ली सरकार ने मुफ्त बस यात्रा योजना का लाभ ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को भी देने का फैसला किया है। इसके तहत पात्र ट्रांसजेंडर यात्री भी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार बसों में निशुल्क यात्रा कर सकेंगे। सरकार का उद्देश्य सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुलभ और समावेशी बनाना है।

अधिसूचना में यह भी स्पष्ट किया गया है कि योजना के लिए पात्र नहीं होने वाली महिला यात्रियों के लिए सामान्य किराया देकर बसों में सफर करने की व्यवस्था पहले की तरह जारी रहेगी। यानी सभी यात्रियों के लिए टिकट आधारित यात्रा सुविधा उपलब्ध रहेगी।

दिल्ली सरकार का कहना है कि पिंक कार्ड व्यवस्था लागू करने से मुफ्त यात्रा योजना में पारदर्शिता आएगी और वास्तविक लाभार्थियों तक सुविधा पहुंचाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा स्मार्ट कार्ड आधारित व्यवस्था से यात्रा का रिकॉर्ड रखने और योजना के बेहतर संचालन में भी सहायता मिलेगी।

एफएसएसएआइ जांच में नेस्ले लो फैट डेयरी व्हाइटनर असुरक्षित घोषित

एजेंसी, नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली के कनाट प्लेस स्थित द ललित होटल से लिए गए नेस्ले इंडिया के लो-फैट डेयरी व्हाइटनर के नमूने को खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआइ) ने जांच में असुरक्षित और मानकों के अनुरूप नहीं पाया है। खाद्य नियामक ने संबंधित उत्पाद की बिक्री तत्काल रोकने का निर्देश जारी किया है।

एफएसएसएआइ की प्रयोगशाला जांच में नेस्ले इंडिया द्वारा निर्मित लो-फैट डेयरी व्हाइटनर को घटिया गुणवत्ता का पाया गया। हालांकि, नियामक की ओर से यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि उत्पाद में किस विशेष कमी या मानक के उल्लंघन के आधार पर इसे असुरक्षित घोषित किया गया है।

खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण ने द



ललित होटल का संचालन करने वाली कंपनी भारत होटल्स लिमिटेड को भी नोटिस जारी किया है। नियमानुसार होटल प्रबंधन को जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराई गई है ताकि वह मामले की जानकारी लेकर आगे की कार्रवाई कर सके।

लो-फैट डेयरी व्हाइटनर का इस्तेमाल आमतौर पर चाय, कॉफी और अन्य पेय पदार्थों को स्वादिष्ट और गाढ़ा बनाने के लिए किया जाता है। इसमें सामान्य डेयरी व्हाइटनर की तुलना में वसा की मात्रा कम होती है।

अपील का मिलेगा अवसर

एफएसएसएआइ ने बताया कि खाद्य कारोबार संचालक को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत खाद्य विश्लेषक की रिपोर्ट के खिलाफ निर्धारित समय सीमा में अपील करने का अधिकार है। संबंधित पक्ष इस प्रक्रिया के तहत अपनी आपत्ति दर्ज करा सकता है। खाद्य नियामक ने उपभोक्ताओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए असुरक्षित घोषित उत्पाद की बिक्री पर रोक लगाने का कदम उठाया है। वहीं, अब आगे की कार्रवाई जांच रिपोर्ट और संबंधित पक्ष की प्रतिक्रिया के आधार पर तय की जाएगी।

संघर्ष मेधावी छात्र भी दबाव से प्रभावित, मानसिक स्वास्थ्य सहायता पर विशेषज्ञों ने दिया जोर

आईआईटी छात्रों की मौत से मानसिक स्वास्थ्य पर सवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

देश के प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों में शामिल आईआईटी में पढ़ने वाले छात्र अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर यहां तक पहुंचते हैं। कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं को पार करना, जटिल विषयों को समझना और लंबे समय तक एकाग्र होकर पढ़ाई करना उनकी बड़ी क्षमता होती है। लेकिन इसके बावजूद कई बार ये मेधावी छात्र बढ़ते शैक्षणिक दबाव, प्रतिस्पर्धा और भावनात्मक चुनौतियों से जूझते नजर आते हैं।



आईआईटी दिल्ली में डेढ़ माह के भीतर दो छात्रों की मौत ने एक बार फिर छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर चर्चा तेज कर दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि केवल बौद्धिक क्षमता जीवन की हर चुनौती से निपटने के लिए पर्याप्त नहीं होती। छात्रों को भावनात्मक मजबूती, सामाजिक जुड़ाव और समय पर सहायता की भी आवश्यकता होती है।

पीएचडी छात्र मनीष आनंद ने 18 अगस्त को कटवारिया सराय स्थित पीजी में नींद की गोलियां लेने के बाद तबीयत बिगड़ने पर एम्स के जेपीएन एपेक्स ट्रामा सेंटर में उपचार कराया था। करीब डेढ़ माह तक चले इलाज के बाद 3 अक्टूबर को उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस मामले की परिस्थितियों की जांच कर रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखा जा रहा है। इससे पहले 22 अगस्त को आईआईटी दिल्ली के एमएससी फिजिक्स छात्र ऋषिकेश कुमार की मौत हुई थी।

विशेषज्ञों के अनुसार, स्कूल और कॉलेज स्तर पर लगातार बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्रों को आईआईटी जैसे संस्थानों में पहुंचने के बाद नई तरह की प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है। यहां उनके आसपास समान या अधिक प्रतिभाशाली विद्यार्थी होते हैं।

मानसिक सहायता और सामाजिक जुड़ाव से मिलेगी मजबूती

मनोचिकित्सकों का कहना है कि छात्रों की पढ़ाई के साथ उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना जरूरी है। कई बार छात्र अपनी परेशानियां साझा नहीं कर पाते और अकेले ही तनाव से जूझते रहते हैं। ऐसे में परिवार, मित्रों और संस्थान की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि छात्रों को असफलताओं को स्वीकार करने, तनाव से निपटने और जरूरत पड़ने पर सहायता मांगने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। संस्थानों में परामर्श केंद्रों को मजबूत करने, शिकायत और सहायता प्रणाली को आसान बनाने तथा छात्रों के बीच संवाद बढ़ाने की आवश्यकता है। एम्स के मनोरोग विभाग के विशेषज्ञों के अनुसार, आत्मघाती कदम के पीछे कोई एक कारण नहीं होता। मानसिक परेशानी, तनाव से निपटने की क्षमता, व्यक्तिगत परिस्थितियां और सामाजिक सहयोग जैसे कई कारक प्रभाव डाल सकते हैं। इसलिए छात्रों के व्यवहार में आने वाले बदलावों को गंभीरता से समझना जरूरी है।

न्यूज ब्रीफ

कोट टांडा में व्यक्ति से मारपीट, मामला दर्ज

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। भराड़ी थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव कोट टांडा में एक व्यक्ति के साथ मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार कोट टांडा निवासी रोशन लाल पुत्र स्वर्गीय सुखिया राम ने थाना भराड़ी में शिकायत दर्ज करवाई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि गांव के ही लेख राम ने उसके साथ गाली-गलौज की और मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 126(2), 115(2), 351(2) और 352 के तहत अभियोग दर्ज किया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय बिलासपुर ने मामले की पुष्टि की है।

एम्स के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे नड्डा

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा 5 अक्टूबर को बिलासपुर पहुंचेंगे। दो दिवसीय दौरे के दौरान वह 6 अक्टूबर को एम्स बिलासपुर के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। इसी दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु भी बिलासपुर पहुंचेंगी और समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगी। राष्ट्रपति मेधावी छात्र-छात्राओं को उपाधियां एवं पदक प्रदान कर सम्मानित करेंगी। राष्ट्रपति और केंद्रीय मंत्री के दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। एम्स परिसर व आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा घेरा मजबूत किया गया है।



अलेउ गांव में जांचा ग्रामीणों का स्वास्थ्य



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। मनु मल्टी-स्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड डायग्नोस्टिक सेंटर, गोम्पा रोड मनाली की ओर से अलेउ गांव में एक दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया। शिविर का आयोजन प्रसिद्ध पर्यावरणविद् एवं 'ग्रीन मैन' किशन लाल के सहयोग से किया गया। शिविर में हॉस्पिटल के विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. अभिनव एस. माहेश्वरी (एमडी मेडिसिन) ने ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की और विभिन्न बीमारियों से संबंधित आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। मरीजों को जरूरत के अनुसार निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। ग्रामीणों ने शिविर में बढ़-चढ़कर भाग लिया। आयोजकों ने कहा कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को नजदीक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाना है।

विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा सोशल मीडिया विभाग सक्रिय, बैठकों का दौर शुरू



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा सोशल मीडिया विभाग ने संगठनात्मक गतिविधियां तेज कर दी हैं। रविवार को जिला कार्यालय में जिला संयोजक ठाकुर शैलेंद्र भड़ोल की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिला प्रभारी हितेंद्र सिंह ठाकुर इसमें मुख्य अतिथि रहे। बैठक में आगामी कार्यक्रमों और संगठन की सोशल मीडिया रणनीति पर चर्चा की गई। हितेंद्र सिंह ठाकुर ने कहा कि सोशल मीडिया संगठन के प्रचार-प्रसार और सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने मंडल संयोजकों को अपनी टीमों को सक्रिय करने तथा ग्राम केंद्र स्तर तक प्रभारियों की नियुक्ति जल्द पूरी करने के निर्देश दिए। ठाकुर शैलेंद्र भड़ोल ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वर्ष 2022 में किए गए चुनावी वादे पूरे नहीं किए गए। उन्होंने कहा कि भाजपा सोशल मीडिया विभाग केंद्र सरकार की उपलब्धियों और संगठन के कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाने के लिए सक्रियता से कार्य करेगा।

घायल बैल की मदद को आगे आई युवा टीम

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बरमाणा में स्थानीय युवाओं ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए गले में गहरे जख्म से तड़प रहे एक बेसहारा बैल का उपचार करवाया। पूर्व उपप्रधान नतीश ठाकुर अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचे और फार्मासिस्ट रजत से बैल की जांच करवाने के बाद जरूरी दवाइयों का प्रबंध किया। मौके पर ही बैल की मरहम-पट्टी की गई। इस कार्य में सिद्धार्थ पुरी, गोपाल पुरी और शुभम पुरी सहित अन्य युवाओं ने सहयोग किया। नतीश ठाकुर ने बताया कि बैल को फिलहाल गोपाल पुरी के घर पर रखा गया है। पूरी तरह स्वस्थ होने तक चारा, पानी, दवाइयों और नियमित उपचार की व्यवस्था जारी रहेगी।

युवाओं में बढ़ते नशे को रोकने के लिए स्कूल कॉलेज-आईटीआई में लगेंगे जागरूकता कैंप

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति और हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति के संयुक्त तत्वावधान में युवाओं को नशे से बचाने के लिए जिला में विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत स्कूलों, कॉलेजों और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में जागरूकता कैंप आयोजित किए जाएंगे। अभियान से जुड़े स्रोत व्यक्तियों के लिए साक्षरता भवन सौली खड्ड में दो दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। स्रोत व्यक्ति प्रो. वीना राठौर ने नशे से बचाव, व्यवहार और परामर्श सहित विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी। जिला बाल संरक्षण अधिकारी एनआर ठाकुर ने कहा कि हर प्रकार का नशा स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। वक्ताओं ने अभिभावकों से बच्चों के साथ संवाद बढ़ाने और उन्हें नशे से दूर रखने की अपील की।

हमीरपुर एमसी बनने पर चलने लगे सियासी दांव, महापौर चुनाव के लिए जमाने लगे पांव

अजमेर के अलावा वर्तमान अध्यक्ष मनोज मिंहास एवं पार्षद विनय कुमार अभी से चर्चा में

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल में पंचायती राज के चुनावों के लिए अभी दिसंबर तक का समय माना जा रहा है, लेकिन नगर परिषद से नगर निगम बना जिला का मुख्यालय हमीरपुर खास तौर पर महापौर बनने के लिए सियासी पांव अभी से जमाना शुरू हो गए है। इसके लिए हमीरपुर शहर की नब्ज को बेहत्तर तरीके से जानने वालों के कुछ नाम सामने आने लगे है। इनमें विशेष तौर पर अजमेर सिंह ठाकुर के अलावा पूर्व अध्यक्ष मनोज मिहांस एवं पूर्व पार्षद विनय कुमार भी चर्चा में है।

बतातें चलें कि अजमेर ठाकुर सरकारी नौकरी से पहले राजनीति में चर्चित रहे है, वहीं हमीरपुर नगर परिषद में बतौर दौ बार कार्यकारी अधिकारी के रूप में अपनी सेवाऐं भी दे चुके है। वे हाल ही में सेवानिवृत हुए है। इस बार



वे हमीरपुर नगर परिषद में बतौर कार्यकारी अधिकारी के रूप में पूरे शहर को नया रूप देने में भी खासे चर्चित रहे है। हालांकि दीप बजाज जैसे पूर्व में नगर परिषद के अध्यक्ष रह चुके नाम भी एक बार फिर सियासी तौर पर महापौर के लिए हाथ पांव मारने की कोशिश को लेकर चर्चा में है, लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि इस बार ऐसे चेहरे को सामने लाने की सुगबुगाहट है जो न केवल अधिकारिक तौर पर बल्कि सियासी तौर पर भी हमीरपुर की नब्ज को जानता हो। काबिलेगौर है कि हमीरपुर नगर परिषद अधिकांश तौर पर भाजपा वोट बैंक के रूप में जानी जाती है। वर्तमान में जो नगर परिषद के अध्यक्ष है, वे भी भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल होकर ही कांग्रेस समर्थित अध्यक्ष के रूप में ही जानी जाती है। बतातें चलें कि नगर निगम बनने के बाद वर्तमान में हमीरपुर में 15 वार्ड है। अनुमानित तौर पर एक वार्ड की जनसंख्या 25 सौ से 35 सौ तक है। अब ऐसे में पहली बार नगर निगम का पहला महापौर बनने की सियासी जोर आजमाईश में कोई पिछे नहीं रहना चाह रहा है।

सूत्र बतातें है कि इसके लिए कुछेक ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह के दरबार में भी हाजरी लगाना शुरू कर दी है। वहीं जो भाजपा समथित है उनमें कुछेक तो जेपी नड्डा तो कुछेक पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल के आर्शीवाद को लेकर आश्वासत है।

पहली बार 6 महिला, 3 अनुसूचित जाति व 6 सीटें हो सकती है ओपन

ऐसा माना जा रहा है कि पहली बार नगर निगम के स्वरूप में आई हमीरपुर नगर निगम में छः सीटें महिला व तीन अनुसूचित जाति व छः सीटें ओपन हो सकती है। हालांकि महापौर के लिए भी आरक्षित सीट ही आने की भी संभावनाऐं जताई जा रही है, लेकिन यदि सीट ओपन होती है तो उक्त नामों की चर्चा खासी चलने लगी है।

छात्र राजनीति से शहर में चकाचौंध को लेकर चर्चित रहे है अजमेर

बतातें चलें कि ऐसा कोई कार्यकारी अधिकारी चर्चा में आया है जो महापौर के लिए सहज माना जाप रहा है। अजमेर छात्र राजनीति में आल इंडियां स्टूडेंट फैडरेशन के ओहदेदार के रूप में चर्चा में रहे। इसके बाद सक्रिय राजनीति में भी चलते रहे। बाद में वे सरकारी सेवाओं में चले गए और अब सेवानिवृत होते ही सियासी गलियारों में चर्चित हो रहे है।

ट्रिपल आईटी सलोह के वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम में हंगामा, रजिस्ट्रार से मारपीट

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। ट्रिपल आईटी सलोह में आयोजित वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान उस समय हड़कंप मच गया जब नशे की हालत में पहुंचे तीन लोगों में से एक ने संस्थान के रजिस्ट्रार के साथ मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया। घटना में रजिस्ट्रार के नाक और चेहरे पर चोटें आई हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत के मुताबिक ट्रिपल आईटी ऊना के रजिस्ट्रार रवि सैनी ने बताया कि वह नौसेना से सेवानिवृत्त कैप्टन हैं और वर्तमान में ट्रिपल आईटी ऊना, सलोह में रजिस्ट्रार के पद पर कार्यरत हैं। तीन अक्तूबर की रात करीब 9:30 बजे संस्थान परिसर में वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान एक प्रोफेसर ने उन्हें सूचना दी कि तीन लोग नशे की हालत में संस्थान में आए हैं। शिकायत के मुताबिक रजिस्ट्रार और उनके सहयोगियों ने पहली पंक्ति में बैठे दो लोगों से विनम्रता से उनके बारे में पूछा और संस्थान से चले जाने का आग्रह किया। आरोप है कि इसके बाद जब रजिस्ट्रार अपने कार्यालय की ओर जा रहे थे तो उनके तीसरे साथी ने रास्ता रोक लिया और कथित तौर पर उनके साथ धक्का-मुक्की व मारपीट शुरू कर दी। रजिस्ट्रार का आरोप है कि उक्त व्यक्ति ने कहा कि यह हमारा इलाका है और हम जहां शराब बेचेंगे। मारपीट के दौरान उनके नाक और चेहरे से काफी खून बहने लगा। शोर सुनकर वहां मौजूद लोग एकत्रित हुए और आरोपी को पीछे हटाया। शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपी ने उन्हें और उनके परिवार को धमकियां देने के साथ गाली-गलौज भी की।

घायल रजिस्ट्रार को उपचार के लिए क्षेत्रीय अस्पताल ऊना लाया गया, जहां उनका उपचार करवाया गया। पुलिस थाना हरोली के प्रभारी अनूप कुमार ने बताया कि में इस संबंध में मामला दर्ज किया गया है और विभागीय जांच की जा रही है।

पालमपुर के होटल में चिट्टा बरामद, युवती समेत पांच गिरफ्तार

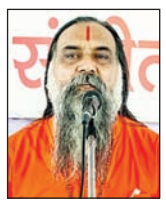
भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। नशे के खिलाफ अभियान के तहत कांगड़ा पुलिस की सीआईए टीम ने पालमपुर के लोहना के समीप एक होटल में दबिश देकर युवती सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने होटल के कमरे की तलाशी के दौरान दपिंदर सिंह के कब्जे से 7.92 ग्राम चिट्टा बरामद किया। पूछताछ और जांच के बाद कमरे में मौजूद चार अन्य लोगों को भी मामले में संलिप्त पाए जाने पर गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दपिंदर सिंह, आदित्य पठानिया, कबीर, प्रांशुल कपूर और ममता के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ पालमपुर थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। चिट्टे के साथ एक होंडा अमेज कार भी कब्जे में ली गई है। एसपी कांगड़ा कुलभूषण वर्मा ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ कर नशे की सप्लाई के स्रोत का पता लगाया जा रहा है।

अहंकार ही मनुष्य के पतन का मुख्य कारण: स्वामी जगदीशानंद



आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से श्री बीपी शर्मा के निवास स्थान मटौर, कांगड़ा में साप्ताहिक सत्संग का आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भजन संकीर्तन से हुआ। महात्मा अश्वनी ने गुरु महिमा से ओत-प्रोत भजनों का मधुर गायन कर श्रद्धालुओं को भावविभोर किया।



इस अवसर पर परम पूज्य श्री आशुतोष महाराज के शिष्य स्वामी जगदीशानंद ने प्रवचन करते हुए भक्ति मार्ग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अहंकार मनुष्य के पतन का मुख्य कारण है। जब तक व्यक्ति भीतर के अहंकार को समाप्त नहीं करता, तब तक सच्ची भक्ति का अनुभव संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि विनम्रता और समर्पण का मार्ग अपनाने वाला व्यक्ति ही ईश्वर की कृपा का पात्र बनता है। स्वामी जगदीशानंद ने कहा कि पूर्ण गुरु के मार्गदर्शन में चलकर ही मनुष्य जीवन को सफल बना सकता है। सत्संग के अंत में विश्व कल्याण के लिए ध्यान साधना की गई तथा श्री बीपी शर्मा की ओर से श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया गया।

सांसद डॉ. राजीव संसद की रक्षा समिति के सदस्य नियुक्त

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। कांगड़ा-चंबा संसदीय क्षेत्र से भाजपा सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज को संसद की महत्वपूर्ण रक्षा समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। लोकसभा की समिति शाखा की ओर से जारी सूची के अनुसार उनकी नियुक्ति 26 सितंबर 2026 से प्रभावी है। रक्षा समिति में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य शामिल हैं। लोकसभा सांसद राधा मोहन सिंह को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है।

डॉ. राजीव भारद्वाज ने नियुक्ति को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि देश की सुरक्षा, रक्षा व्यवस्था और सशस्त्र बलों से जुड़े विषयों पर संसदीय स्तर पर कार्य करने का अवसर मिलना उनके लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि वह अपने दायित्व का पूरी निष्ठा और गंभीरता से निर्वहन करेंगे तथा राष्ट्रहित से जुड़े मुद्दों पर सकारात्मक योगदान देने का प्रयास करेंगे। उन्होंने इस जिम्मेदारी के लिए पार्टी नेतृत्व का आभार भी जताया।

'लोकतंत्र बचाओ, देश बचाओ' को लेकर कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन 7 को



धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। जिला कांग्रेस कमेटी कुल्लू ने 'लोकतंत्र बचाओ, देश बचाओ' अभियान के तहत आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सेस राम आजाद ने पत्रकार वार्ता में बताया कि कांग्रेस ने इंडिया ब्लॉक में शामिल सीपीआईएम के साथ मिलकर आंदोलन की रणनीति बनाई है।

उन्होंने कहा कि 2 से 8 अक्तूबर तक 'लोकतंत्र बचाओ सप्ताह' मनाया जा रहा है। इसी के तहत 'वोट बचाओ, देश बचाओ' मार्च निकाला जाएगा, जिसमें कांग्रेस, सीपीआईएम, वरिष्ठ नागरिकों और समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को

◆ जिला कांग्रेस कमेटी कुल्लू ने सीपीआईएम के साथ बनाई आंदोलन की रणनीति

शामिल होने का आह्वान किया गया है। ब्लॉक स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित होंगे।

सेस राम आजाद ने बताया कि मुख्य रूप से 7 अक्तूबर को बड़ा धरना-प्रदर्शन आयोजित करने की तैयारी है। उन्होंने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ निलंबन या इस्तीफे के बजाय कानून के तहत आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़े मामलों में जिम्मेदारी तय होना जरूरी है।

वॉलीबॉल टूर्नामेंट में खिलाड़ी दिखाएंगे दम, 'एकता की जंग' ने संभाली कमान



भारतेन्दु संवाददाता, पांवटा साहिब। क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से 'एकता की जंग' की ओर से वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में करीब दर्जनभर टीमें हिस्सा लेंगी। दिन और रात में होने वाले मुकाबलों को लेकर खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह है।

प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य युवाओं को खेलों से जोड़ना और ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर देना है। कार्यक्रम में डॉ. कामेश्वर प्रसाद डिमरी ने मंच संचालन किया, जबकि मुख्य अतिथि पूर्व विधायक चौधरी किरनेश जंग रहे। उन्होंने खिलाड़ियों

◆ डे-नाइट मुकाबलों में दर्जनभर टीमें लेंगी हिस्सा खिलाड़ियों में उत्साह

का उत्साहवर्धन करते हुए खेलों को युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

क्लब संचालक मोहबत अली ने बताया कि 'एकता की जंग' पिछले 10 वर्षों से प्रतियोगिता आयोजित कर रही है। इसका उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखते हुए खेलों के प्रति रुचि बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता शुरू होने के बाद क्षेत्र के युवाओं में खेलों के प्रति रुझान बढ़ा है और कई युवा खेलों के माध्यम से आगे बढ़ रहे हैं।

खेलों के जरिए दिया स्वच्छ हवा और नशा मुक्ति का संदेश

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी/सुंदरनगर। 'स्वच्छ हवा, नशा मुक्त सुंदरनगर' अभियान के तहत सुंदरनगर में महिलाओं के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एसडीएम सुंदरनगर अमर नेगी ने किया। महिला क्रिकेट मैच प्रतियोगिता का मुख्य आकर्षण रहा। प्रतियोगिताओं में एसडीएम कार्यालय के स्टाफ, स्कूल-कॉलेजों की टीमों और महिला मंडलों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। एसडीएम बल्ह स्मृतिका नेगी और नगर परिषद सुंदरनगर की अध्यक्षा रूमा चौहान ने भी टीमों का प्रतिनिधित्व किया। महिलाओं के लिए क्रिकेट, रस्साकशी, स्किपिंग, थ्री-लेग्ड रेस और 100 मीटर दौड़ आयोजित की गई। एसडीएम अमर नेगी ने कहा कि खेलों के माध्यम से महिलाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के साथ स्वच्छ हवा और नशा मुक्ति के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभियान की शुरुआत 15 अगस्त को हुई थी। अभियान में क्रयाश संस्था के डॉ. धर्मेश शर्मा भी सहयोग कर रहे हैं।

कारदार संघ में कोई फर्जी कारदार नहीं, 136 को फर्जी बताने के आरोप निराधार



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। जिला देवी-देवता कारदार संघ कुल्लू के अध्यक्ष दोत राम ठाकुर ने ओम प्रकाश शर्मा द्वारा संघ के 136 कारदारों को फर्जी बताए जाने के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि संघ में कोई भी फर्जी कारदार नहीं है और लगाए गए आरोप निराधार हैं। उन्होंने ओम प्रकाश शर्मा को 10 दिन के भीतर आरोपों के प्रमाण प्रस्तुत करने की चुनौती दी है। ऐसा न करने पर संघ संविधान के तहत कार्रवाई की चेतावनी दी।

दोत राम ठाकुर ने कहा कि संघ के संविधान के अनुसार पुश्तैनी मंदिर, नियमित पूजा-पद्धति और 50 या अधिक परिवारों के हारियान वाले

◆ ओम प्रकाश शर्मा 10 दिन में आरोपों के प्रमाण दें अन्यथा संविधान के तहत होगी कार्रवाई: ठाकुर

गैर-माफीदार देवी-देवताओं के कारदार भी निर्धारित शर्तों के तहत मान्य हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 के जनरल हाउस ने कारदारों की पात्रता जांच का जिम्मा कार्यकारिणी को सौंपा था। प्रक्रिया पूरी होने के बाद पात्र कारदारों को बुकलेट और स्थायी पहचान पत्र जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 25 सितंबर 2026 के जनरल हाउस में कार्यकारिणियों को 31 मार्च 2027 तक सेवा विस्तार दिया गया है।

प्रसिद्ध समाजसेविका संतोष शर्मा के निधन से शोक की लहर



भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। जिला ऊना के बड़ोली-राजपुरा की प्रसिद्ध समाजसेविका एवं उद्योगपति स्वर्गीय अमरनाथ शर्मा की धर्मपत्नी संतोष शर्मा के निधन पर विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं सहित जनप्रतिनिधियों ने शोक व्यक्त किया है। करीब 90 वर्षीय संतोष शर्मा पिछले कुछ दिनों से बीमार थीं। उन्होंने दिल्ली में अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार निगम बोध घाट दिल्ली में किया गया, जहां उनके पुत्रों अश्विनी शर्मा, महेंद्र शर्मा और राजेश शर्मा ने मुखाग्नि दी। स्व अमरनाथ ने एएनएस कंस्ट्रक्शंस प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना कर देश की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं में योगदान दिया था। संतोष शर्मा भी सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में उनके साथ सक्रिय रूप से जुड़ी रहीं। परिवार की ओर से गांव में सड़क व स्ट्रीट लाइट सहित कई जनहित कार्य करवाए गए। उनके पुत्र महेंद्र शर्मा बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ट्रस्ट के सदस्य हैं। संतोष शर्मा के निधन से दिल्ली में रह रहे हिमाचलियों और परिजनों में शोक की लहर है।

पतलीकूहल में निर्माणाधीन ट्राउट ब्रूड बैंक का निदेशक ओमकांत ने किया निरीक्षण

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्ल। निदेशक एवं प्रारक्षी मत्स्य, हिमाचल प्रदेश ओमकांत ठाकुर ने कुल्लू और लाहौल-स्पीति में मत्स्य विभाग की विभिन्न गतिविधियों व विकासात्मक कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को परियोजनाओं में तेजी लाने और कार्य समयबद्ध पूरा करने के निर्देश दिए।

निदेशक ने ट्राउट फार्म पतलीकुहल में निर्माणाधीन प्रदेश के पहले ट्राउट ब्रूड बैंक का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने रेडी-टू-ईट सोमकड ट्राउट फिश कैनिंग यूनिट का भी जायजा लिया और मशीनरी व उपकरण जल्द स्थापित कर संचालन शुरू करने के निर्देश दिए।

वर्ष 2025 की भारी बारिश व आपदा से क्षतिग्रस्त जलापूर्ति लाइन और वाटर इनटेक का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने जल शक्ति विभाग के अधिकारियों के साथ चर्चा कर बहाली का कार्य शीघ्र शुरू करने को कहा। उन्होंने पतलीकुहल में प्रदेश की पहली कोल्ड वाटर



◆ फिश प्रोसेसिंग यूनिट शुरू करने व क्षतिग्रस्त जलापूर्ति व्यवस्था बहाल करने के निर्देश

आरएएस प्रणाली और बटाहर ट्राउट हैचरी का भी निरीक्षण किया।

लाहौल-स्पीति के सिस्सू में विभागीय भूमि का निरीक्षण करते हुए उन्होंने विभागीय कार्यालय शुरू करने की जानकारी दी। सिस्सू झील में एंगलिंग पर्यटन की संभावनाओं का जायजा लेते हुए उन्होंने कहा कि इससे पर्यटन, रोजगार और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

सीर उत्सव कबड्डी में बरोटा महिला मंडल व बास्केटबॉल में घुमारवीं की टीम रही विजेता

सीर उत्सव में खेलों ने बढ़ाया उत्साह

भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। सीर उत्सव-2026 के तहत घुमारवीं में आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में महिला मंडलों, युवाओं और विभिन्न विभागों की टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं में पुलिस, स्वास्थ्य, शिक्षा, बाल विकास और वन विभाग की टीमें भी शामिल हुईं। खेल गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ टीम भावना, अनुशासन और खेल भावना को बढ़ावा देने का अवसर मिला।

तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा कि सीर उत्सव को केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए खेल और सामाजिक गतिविधियों से भी जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मंच मिलता है। महिला मंडलों के लिए कबड्डी, रस्साकशी, बोरा दौड़ और



तीन टांग दौड़ सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। कबड्डी में आठ महिला मंडलों ने हिस्सा लिया। इसमें बरोटा महिला मंडल प्रथम और सनौर महिला मंडल द्वितीय रहा। रस्साकशी में करीब 11 टीमों ने भाग लिया, जिसमें आंगनबाड़ी घुमारवीं प्रथम और पुलिस विभाग की टीम द्वितीय रही।

बास्केटबॉल प्रतियोगिता में करीब 10 टीमों ने भाग लिया। घुमारवीं की टीम विजेता और कुठेड़ा की टीम उपविजेता रही। फुटबॉल में छह टीमों ने हिस्सा लिया, जिसमें ब्लेजर एफसी प्रथम और घुमारवीं फुटबॉल क्लब द्वितीय रहा। हैंडबॉल में मोरसिंघी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया, जबकि वॉलीबॉल प्रतियोगिता महिला मंडलों के लिए आयोजित की गई।

बैडमिंटन प्रतियोगिताओं में भी विभिन्न आयु वर्गों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। अंडर-17 वर्ग में अंशुमन और समर प्रथम तथा शुभकरण और दिव्यांश द्वितीय रहे।

◆ ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए मिलेंगे बेहतर अवसर: धर्माणी

महिला ओपन वर्ग में रिया प्रथम और रिया परमार द्वितीय रहीं। 65 प्लस वर्ग में विकास और प्रिंस प्रथम रहे। 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में मनोज और रॉकी चंदेल प्रथम रहे। ओपन वर्ग में वंश और रिदम उप्पल विजेता रहे। सभी विजेताओं और उपविजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान 'सशक्त नारी, सशक्त समाज' थीम पर जागरूकता रैली भी निकाली गई। जगन पैलेस से एमफोरयू होटल तक आयोजित रैली में महिलाओं के सम्मान, समान अधिकार और सशक्तिकरण का संदेश दिया गया। मंत्री ने कहा कि भविष्य में भी युवाओं और महिलाओं को स्थानीय स्तर पर अधिक अवसर उपलब्ध करवाए जाएंगे।

आपदा की त्रासदी को पीछे छोड़ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटे सराज के युवा

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। गत वर्ष आई आपदा की त्रासदी को पीछे छोड़ मंडी जिला की सराज घाटी के युवा अब अपने सुनहरे भविष्य के लिए मेहनत में जुट गए हैं। प्रदेश सरकार की पहल पर जिला प्रशासन द्वारा थुनाग स्थित लघु सचिवालय में शुरू किया गया 'अपना पुस्तकालय' प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए सहारा बन रहा है। एक अगस्त से शुरू हुए इस पुस्तकालय की अब तक करीब 56 युवाओं ने सदस्यता ली है, जबकि 20 से अधिक युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं।

पुस्तकालय में युवाओं को शांत एवं अध्ययन के अनुकूल वातावरण के साथ वाई-फाई, इंटरनेट, कंप्यूटर, प्रिंटआउट और बैठने की बेहतर सुविधा उपलब्ध है। यहां प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित करीब 600 पुस्तकें हैं, जबकि 200 पुस्तकें स्थानीय लोगों ने दान की हैं। पुस्तकालय की स्थापना पर करीब 13.75 लाख रुपये खर्च हुए

◆ 250 रुपए वार्षिक शुल्क में मिल रही स्तरीय पठन सामग्री व आधुनिक सुविधाएं

◆ 'अपना पुस्तकालय' बना ग्रामीण युवाओं के लिए वरदान

हैं। यह सुबह नौ से शाम छह बजे तक खुला रहता है और अवकाश के दिनों में भी सुविधा उपलब्ध रहती है।

लम्बाथाच की सरिता ठाकुर ने बताया कि पहले निजी पुस्तकालय के लिए 900 रुपये प्रतिमाह शुल्क देना पड़ता था, जबकि यहां मात्र 250 रुपये वार्षिक शुल्क में सुविधा मिल रही है। नीलम ठाकुर यूजीसी-नेट और विजय ठाकुर पटवारी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने इंटरनेट, कंप्यूटर और प्रिंटआउट सुविधा को उपयोगी बताया। एसडीएम थुनाग संजीत शर्मा ने कहा कि करसोग से शुरू हुई पहल अब अभियान का रूप ले चुकी है।

न्यूज ब्रीफ

हटगढ़ ने सुंदरनगर इलेवन को 118 रन से हराया



भारतेन्दु संवाददाता, सुंदरनगर। एचपीसीए के स्थापना सप्ताह के तहत रविवार को हटगढ़ में महिला 20-20 क्रिकेट मैच आयोजित किया गया। जिला क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ मंडी के तहत हुए मुकाबले में जिले के विभिन्न सब सेंटरों की 25 महिला क्रिकेटरों ने भाग लिया। हटगढ़ इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में दो विकेट खोकर 194 रन बनाए। हर्षिता राजपूत ने 41, हर्षिता शर्मा ने 33, दिनेश कुमारी ने 36 और दामिनी ने नाबाद 27 रन बनाए। जवाब में सुंदरनगर इलेवन की टीम सात विकेट पर 86 रन ही बना सकी। प्रणवी ने 33 और राईसा ने 18 रन बनाए। हटगढ़ ने 118 रन से मैच जीता। गेंदबाजी में धवल ठाकुर ने तीन, हर्षिता राजपूत ने दो और दामिनी ने एक विकेट लिया। हर्षिता राजपूत को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

बरोट पंचायत के ठंडी गुलाई में गांधी जयंती मेले की सांस्कृतिक संध्या में झूमे लोग



भागमल ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बरोट। चौहार घाटी की ग्राम पंचायत बरोट के ठंडी गुलाई में गांधी जयंती के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय मेले का आयोजन धूमधाम से किया जा रहा है। मेले की पहली सांस्कृतिक संध्या में बरोट पंचायत के उपप्रधान राजकुमार ठाकुर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। युवक मंडल और महिला मंडल बरोट ने उनका टोपी व मफलर पहनाकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने आयोजकों को अपनी ओर से 7100 रुपये की सहायता राशि प्रदान की। सांस्कृतिक संध्या में कुल्लू के प्रसिद्ध लोक गायक नरेश कुल्लवी ने करीब एक घंटे तक पहाड़ी गीतों से लोगों का मनोरंजन किया। इस अवसर पर सावित्री देवी, रामदास, छांगा राम सहित पंचायत के सातों वार्डों के सदस्य मौजूद रहे।

लॉर्ड बुद्धा कॉलेज के बीएड प्रशिक्षुओं ने किया सर की धार और रिवालसर का भ्रमण



भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। लॉर्ड बुद्धा कॉलेज ऑफ एजुकेशन के बीएड प्रशिक्षुओं ने एक दिवसीय शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान प्रशिक्षु सर की धार स्थित प्रसिद्ध नैना माता मंदिर पहुंचे और पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद भ्रमण दल ने रिवालसर का दौरा किया। प्रशिक्षुओं ने झील क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने के साथ इसके धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व की जानकारी प्राप्त की। कॉलेज स्टाफ भी प्रशिक्षुओं के साथ मौजूद रहा और विभिन्न स्थानों के ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व से अवगत करवाया। कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. आशुतोष ने कहा कि ऐसे भ्रमण विद्यार्थियों को प्रकृति, संस्कृति और सामाजिक परिवेश को करीब से समझने का अवसर देते हैं। इससे उनके व्यक्तित्व विकास, आपसी सहयोग और समन्वय को भी बढ़ावा मिलता है।

हमीरपुर में कांग्रेस की बैठक में संगठन मजबूती और 'वोट बचाओ अभियान' पर बनी रणनीति

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से रविवार को सर्किट हाउस हमीरपुर में संगठन की मजबूती और 'वोट बचाओ अभियान' को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमन भारती शर्मा ने की। इसमें ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्ष, ब्लॉक प्रभारी तथा विभिन्न फ्रंटल संगठनों के जिला प्रभारी शामिल हुए। बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर सक्रिय करने, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा हुई। 'वोट चोरी' के मुद्दे पर भी मंथन करते हुए लोकतंत्र की रक्षा के लिए चलाए जा रहे अभियान को ब्लॉक और बूथ स्तर तक पहुंचाने की रणनीति बनाई गई। एआईसीसी के 'वोट बचाओ अभियान' के उद्देश्यों को आम जनता तक पहुंचाने और अधिक लोगों को इससे जोड़ने पर भी जोर दिया गया।

रामलीला से पहले पुराना कांगड़ा में निकली झांकी

आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। रामलीला की पूर्व संध्या पर नगरकोट युवा कला केंद्र पुराना कांगड़ा के कलाकारों ने शहर में भगवान श्रीराम और शिव शंकर की आकर्षक झांकियां निकालीं। नाचते-गाते कलाकार विभिन्न वार्डों से होकर गुजरे। झांकी में हनुमान, राक्षस सेना, राम-सीता और शिव शंकर की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। नगर परिषद सदस्य अनिल कुमार, सीनियर सिटीजन फोरम के तुलसीराम, दिलीप, रामलीला क्लब के सुभाष, राकेश, अजय बिजला, लक्की, कमल, मनोज काका, संजीव बत्तरा, गगन, शेखर व रविंद्र सहित सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। युवा कला केंद्र के सुभाष भाषी ने बताया कि 11 अक्टूबर से पुराना कांगड़ा रामलीला मैदान में रोजाना रात 8:30 बजे रामलीला का मंचन शुरू होगा। इस दौरान श्रद्धालुओं को हलवा-चना प्रसाद भी वितरित किया गया।



उत्कृष्ट कार्य करने वाले सोलन जिला के 6 शिक्षकों को डीसी सिरमौर ने किया सम्मानित



भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। सिरमौर जिला में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले छह शिक्षकों को सम्मानित किया गया है। नाहन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिला उपायुक्त प्रियंका वर्मा ने इन शिक्षकों को सम्मानित किया।समग्र शिक्षा और संपर्क फाउंडेशन के तहत स्कूलों में चलाए जा रहे प्रोजेक्ट के माध्यम से बच्चों को डिजिटल और विजुअल माध्यम से शिक्षा उपलब्ध करवाई जा रही है जिसमें इन शिक्षकों ने उत्कृष्ट कार्य किया है। दरसल जिला में समग्र शिक्षा और संपर्क फाउंडेशन के सहयोग से जिला के स्कूलों में पढ़ाई को आधुनिक और रोचक बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसी प्रोजेक्ट के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले छह शिक्षकों को जिला उपायुक्त प्रियंका वर्मा ने सम्मानित किया।

कांग्रेस कार्यकर्ता शिष्टाचार के साथ जनता के बीच रखें अपनी बात : मुकेश अग्निहोत्री

पालकवाह में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी हरोली की बैठक, बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने पर दिया जोर

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। पालकवाह में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी हरोली की बैठक उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संगठन को मजबूत करने, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि ब्लॉक कांग्रेस कमेटी हरोली की बैठक प्रत्येक माह के पहले रविवार को नियमित रूप से आयोजित की जा रही है। अगली बैठक बूथ कमेटियों के सदस्यों के साथ की जाएगी।

उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से विपक्ष के दुष्प्रचार और गलत बयानबाजी का जवाब शिष्टाचार एवं संयम के साथ देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत टिप्पणियों से बचते हुए कांग्रेस की विचारधारा, सरकार के विकास कार्यों



और हरोली में हुए बदलाव को तथ्यों के आधार पर जनता के बीच रखा जाए। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को जनता के साथ लगातार संवाद बनाए रखना चाहिए।

मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि हरोली में विकास कार्यों को लगातार गति दी जा रही है। पेयजल क्षेत्र में 101 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी मिली है तथा क्षेत्र में 78 पानी के टैंक बनाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हरोली में पेयजल की समस्या दूर करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि हरोली कॉलेज के लिए अब तक 28 करोड़ रुपये उपलब्ध करवाए जा चुके हैं और 12 करोड़ रुपये अतिरिक्त दिए जाएंगे। हरोली स्कूल के लिए भी 12.50 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने पालकवाह स्थित रविदास मंदिर के लिए 25 लाख रुपये देने की घोषणा की।

प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री को लेकर की गई टिप्पणियों पर उन्होंने कहा कि गलत या आपत्तिजनक बयानबाजी का उचित जवाब दिया जाएगा, लेकिन कार्यकर्ताओं को संयम और शालीनता बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को विकास और जनसेवा के माध्यम से जनता का विश्वास मजबूत करना है। प्रदेश कांग्रेस महासचिव रणजीत सिंह राणा, जिला कांग्रेस अध्यक्ष देशराज गौतम, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष संदीप अग्निहोत्री सहित अन्य नेताओं ने भी संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। बैठक में युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, एससी सेल, पंचायत प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के एम्स बिलासपुर दौरे को देखते हुए कल यातायात मार्ग में रहेगा परिवर्तन



भारतेन्दु संवाददाता, अमर सिंह, बिलासपुर। महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के 6 अक्तूबर को प्रस्तावित एम्स बिलासपुर दौरे को देखते हुए जिले में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने तथा आम जनता को असुविधा से बचाने के लिए जिला प्रशासन ने यातायात मार्ग में परिवर्तन करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में जिला दंडाधिकारी बिलासपुर राहुल कुमार ने मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 115 के तहत आदेश जारी करते हुए बताया कि 6 अक्तूबर को प्रात: 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक दोनों दिशाओं में आने-जाने वाले वाहनों को घागस चौक से कंदरौर-भगेड़-औहर-ऋषिकेश-भराड़ी (फोरलेन जंक्शन)-ओपन एयर जेल जबली मार्ग से भेजा जाएगा। इस दौरान एंबुलेंस, वीवीआईपी वाहनों, सरकारी वाहनों तथा एम्स बिलासपुर में मरीजों को ले जाने वाले निजी वाहनों को छोड़कर अन्य सभी प्रकार के वाहनों के लिए यह वैकल्पिक मार्ग व्यवस्था लागू रहेगी। जिला प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे निर्धारित समयावधि के दौरान यातायात मार्ग में किए गए बदलाव का पालन करें तथा अपनी यात्रा की योजना उसी के अनुरूप बनाएं, ताकि राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे और किसी प्रकार की असुविधा न हो।

हिमाचल में इस बार 8007 बूथों पर कमल खिलाने का लक्ष्य: श्रीकांत

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भारतीय जनता पार्टी हिमाचल प्रदेश की प्रदेश पदाधिकारी बैठक शनिवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल की अध्यक्षता में ठाकुर राम सिंह स्मृति न्यास, टिप्पर, हमीरपुर में सम्पन्न हुई। बैठक में भाजपा प्रदेश प्रभारी श्रीकांत शर्मा, सह प्रभारी दर्शना सिंह, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, संगठन महामंत्री सिद्धार्थन सहित प्रदेश पदाधिकारी मौजूद रहे।



प्रदेश प्रभारी श्रीकांत शर्मा ने कहा कि हिमाचल में वर्षों से चला आ रहा 'एक बार कांग्रेस-एक बार भाजपा' का रिवाज इस बार टूटेगा। भाजपा 2027 में सभी 68 सीटों पर पूरी ताकत से लड़ेगी और 2047 तक मजबूत संगठन का लक्ष्य लेकर चलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 8007 बूथों पर संगठन को सक्रिय करना ही रिवाज बदलने की कुंजी है। उन्होंने पीएम मोदी के नेतृत्व का जिक्र करते हुए कहा कि अनुच्छेद 370 और राम मंदिर जैसे फैसलों ने मजबूत नेतृत्व दिया है।

हिमाचल मेरा दूसरा घर: दर्शना

सह प्रभारी दर्शना सिंह ने कहा कि हिमाचल उनका दूसरा घर है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और वामपंथ के नैरेटिव का तथ्यों के साथ जवाब देकर युवाओं तक सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का संदेश पहुंचाया जाएगा।

स्थानीय चुनाव का परिणाम रिवाज बदलने का संकेत: जयराम ठाकुर



नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि 11 में से 10 जिला परिषदों में भाजपा समर्थित नेतृत्व और 4 में से 3 नगर निगमों में भाजपा की जीत ने रिवाज बदलने का संकेत दे दिया है। भाजपा जमीनी तैयारी के साथ आगे बढ़ेगी।

'सेवा ज्योति यात्रा' 7 को: बिंदल



प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने बताया कि 7 अक्टूबर को सभी 68 विधानसभा क्षेत्रों में 'सेवा ज्योति यात्रा' निकलेगी। मोटरसाइकिल और पदयात्रा जिला केंद्रों तक पहुंचेगी, जहां एलईडी पर पीएम मोदी का संबोधन सुना जाएगा। शिमला के रिज सहित सभी जिला केंद्रों पर भव्य रंगोली और सेवा कार्यक्रम होंगे।

बैंक खाते से 5 यूपीआई लेनदेन में 6 लाख गायब

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिले के चिड़गांव में एक व्यक्ति के बैंक खाते से उसकी जानकारी और सहमति के बिना छह लाख रुपये निकाले जाने का मामला सामने आया है। गांव दुनाना निवासी विनोद कुमार (46) ने इस संबंध में चिड़गांव पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिकायत के अनुसार 2 और 3 अक्टूबर 2026 को विनोद कुमार के बैंक खाते से पांच यूपीआई लेनदेन के माध्यम से कुल छह लाख रुपये डेबिट किए गए। 2 अक्टूबर को उनके मोबाइल फोन पर खाते से रकम निकलने के संदेश आने शुरू हुए। उस समय वह अपने बैंक खाते में उपलब्ध राशि की जानकारी नहीं ले पा रहे थे। अगले दिन 3 अक्टूबर को सुबह करीब 9:30 बजे 50 हजार रुपये डेबिट होने का संदेश मिला। इसके बाद विनोद कुमार चिड़गांव स्थित यूको बैंक पहुंचे और खाते का स्टेटमेंट निकलवाया। स्टेटमेंट की जांच में पांच अलग-अलग यूपीआई लेनदेन के जरिए छह लाख रुपये निकाले जाने की पुष्टि हुई। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उसने इन लेनदेन के लिए किसी प्रकार की अनुमति नहीं दी थी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अब बैंक लेनदेन, यूपीआई ट्रांजेक्शन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच कर रही है, ताकि साइबर ठगी में शामिल व्यक्ति या गिरोह तक पहुंचा जा सके।

जाली नंबर प्लेटों से पंजाब पहुंचा रहे थे अवैध खनन सामग्री, दो टिपर जब्त

- नाकाबंदी के दौरान दो चालक गिरफ्तार, हिमाचल के चार आरोपी फरार

अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। हिमाचल प्रदेश से पंजाब में अवैध खनन सामग्री की कथित तस्करी के मामले में थाना नांगलाभूर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो टिपर जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी वाहनों पर असली सरकारी सिक्योरिटी नंबर प्लेटों की जगह फर्जी नंबर प्लेट लगाकर जांच से बचने का प्रयास करते थे। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दो चालकों को गिरफ्तार किया है, जबकि चार अन्य आरोपी फरार बताए जा रहे हैं।

पुलिस के अनुसार 2 अक्टूबर 2026 को जांच अधिकारी एएसआई कुलदीप सिंह को सूचना मिली थी कि हिमाचल से कुछ लोग अवैध तरीके से खनन सामग्री पंजाब ला रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मिरथल स्थित कठगढ़ शिव शंकर स्टोन क्रशर के पास नाकाबंदी की। इसी दौरान हिमाचल की ओर से आ रहे दो टिपरों को रोककर जांच की गई।

पुलिस ने जब चालकों से वाहनों में लदी खनन सामग्री के बिल और अन्य दस्तावेज मांगे तो वे वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके। जांच में नंबर प्लेटों को लेकर भी अनियमितता सामने आई। पुलिस ने दोनों टिपरों को कब्जे में ले लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राज कुमार निवासी मनषड़, थाना मुकेरियां और शाहिद निवासी नलूंगा, थाना नांगलाभूर के रूप में हुई है। वहीं पिंका निवासी मोहतली, रणजीत सिंह निवासी कठगढ़, बबलू निवासी लोधवां और गोल्डी, पूर्व प्रधान निवासी टांडा फरार बताए गए हैं।

पुलिस ने मुकदमा नंबर 45, दिनांक 2 अक्टूबर 2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं और माइंस एंड मिनरल्स एक्ट की धारा 21(1) के तहत मामला दर्ज किया है। फरार आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

हिमाचल के श्रम कल्याण मॉडल को समझने आएगा श्रीलंका-नेपाल का 35 सदस्यीय दल

- 5 से 9 अक्तूबर तक प्रदेश दौरे पर रहेगा प्रतिनिधिमंडल, कामगारों से करेगा सीधा संवाद
- पालमपुर, हमीरपुर और घुमारवीं में योजनाओं व पंजीकरण व्यवस्था का लेगा जायजा

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश के श्रम कल्याण मॉडल का अध्ययन करने के लिए श्रीलंका और नेपाल का 35 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 5 से 9 अक्टूबर तक प्रदेश के दौरे पर रहेगा। दल में दोनों देशों के अधिकारी और श्रमिक संगठनों के पदाधिकारी शामिल होंगे। प्रतिनिधिमंडल प्रदेश में भवन एवं अन्य निर्माण कामगारों के लिए संचालित कल्याणकारी योजनाओं, पंजीकरण व्यवस्था और श्रमिकों को दिए जा रहे विभिन्न लाभों की जानकारी हासिल करेगा।

प्रतिनिधिमंडल 6 अक्टूबर को पालमपुर, 7 अक्टूबर को हमीरपुर और 8 अक्टूबर को घुमारवीं में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेगा। पालमपुर के सरोवर पोर्टिको होटल में 6 अक्टूबर को विदेशी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया जाएगा। 7 अक्टूबर को सुबह 10 बजे दल धौलासिद्ध प्रोजेक्ट पहुंचेगा और वहां कार्यरत कामगारों से सीधा संवाद करेगा। इसके बाद सुबह 11 बजे हमीरपुर स्थित हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य निर्माण श्रम कल्याण बोर्ड के मुख्य कार्यालय का दौरा किया जाएगा। यहां बोर्ड की कार्यप्रणाली, श्रमिक पंजीकरण और विभिन्न योजनाओं के तहत मिलने वाले लाभों की जानकारी दी जाएगी।

इस अंतरराष्ट्रीय अध्ययन दौरे की नींव नवंबर 2025 में श्रीलंका के कोलंबो में आयोजित अंतरराष्ट्रीय मजदूर सम्मेलन के दौरान पड़ी थी। सम्मेलन में हिमाचल प्रदेश इंटक के प्रतिनिधियों ने प्रदेश की श्रम कल्याण योजनाओं और कामगारों को उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी साझा की थी। इसके बाद श्रीलंका और नेपाल के प्रतिनिधियों ने हिमाचल के मॉडल का प्रत्यक्ष अध्ययन करने में रुचि दिखाई।

8 अक्टूबर को घुमारवीं के जगन पैलेस में हिमाचल प्रदेश इंटक की 110वीं कार्यकारिणी बैठक में भी प्रतिनिधिमंडल शामिल होगा। बैठक की अध्यक्षता विधायक एवं इंटक अध्यक्ष बावा हरदीप सिंह करेंगे, जबकि तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी मुख्य अतिथि होंगे।

इंटक प्रदेश सचिव प्रेम लाल भाटिया ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल हिमाचल की श्रम कल्याण व्यवस्थाओं को समझने के बाद अपने देशों में ऐसी योजनाओं को लागू करने की संभावनाओं पर विचार करेगा।

बजट में घोषित 1,000 मानदेय बढ़ोतरी लागू न होने पर आंगनबाड़ी कर्मियों का प्रदेशव्यापी प्रदर्शन 23 को

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। आंगनबाड़ी वर्कर्स एवं हेल्पर्स यूनियन संबंधित सीटू हिमाचल प्रदेश राज्य कमेटी की बैठक रविवार को कॉमरेड ज्योति बासु भवन हमीरपुर में प्रदेशाध्यक्ष नीलम जसवाल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में आंगनबाड़ी कर्मियों की लंबित मांगों, बजट घोषणाओं को लागू करने तथा आगामी आंदोलन की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

यूनियन नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बजट में आंगनबाड़ी वर्कर्स एवं हेल्पर्स के मानदेय में 1,000 रुपये प्रतिमाह बढ़ोतरी की घोषणा की थी, लेकिन करीब छह माह बीतने के बावजूद इसे लागू नहीं किया गया है। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस घोषणा को तत्काल लागू करने और एरियर सहित भुगतान की मांग को लेकर 23 अक्तूबर 2026 को प्रदेशभर में प्रदर्शन किए जाएंगे। यूनियन की प्रमुख मांगों में आंगनबाड़ी वर्कर्स एवं हेल्पर्स को



नियमित कर्मचारी का दर्जा, सम्मानजनक वेतन एवं मानदेय, सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन, ग्रेच्युटी तथा सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं देना शामिल है। इसके अलावा आंगनबाड़ी केंद्रों में पर्याप्त पोषण सामग्री, मूलभूत सुविधाएं और सुरक्षित कार्य परिस्थितियां उपलब्ध करवाने की भी मांग उठाई गई।

बैठक में 8 जून को शिमला में हुए प्रदर्शन और 20 अगस्त को निदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग को सौंपे गए मांग-पत्र पर भी चर्चा हुई। यूनियन ने कहा कि इन मांगों पर अभी तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है।

सीटू के राष्ट्रीय आह्वान पर 1 और 2 दिसंबर 2026 को दिल्ली में होने वाले महापड़ाव में हिमाचल से 1,000 आंगनबाड़ी वर्कर्स एवं हेल्पर्स की भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया। सीटू राष्ट्रीय सचिव डॉ. कश्मीर ठाकुर और प्रदेशाध्यक्ष विजेंद्र मेहरा ने कहा कि आंगनबाड़ी कर्मियों की समस्याएं महिला एवं बाल कल्याण व्यवस्था से सीधे जुड़ी हैं, इसलिए सरकार को इन्हें प्राथमिकता से हल करना चाहिए।

बैठक को नीलम जसवाल और यूनियन महासचिव वीना शर्मा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर सुदेश ठाकुर, जोगिन्द्र कुमार, गोबिंद भंडारी, चंपा, बिमला, सुदर्शना, शशि, लजया देवी सहित राज्य कमेटी के सदस्य मौजूद रहे।

कार्यक्रम फरीदाबाद में हिमाचल वेलफेयर एसोसिएशन के समारोह में अनुराग ठाकुर बोले-

प्रवासी हिमाचलियों ने रखा हिमाचल की टोपी का मान

- फरीदाबाद में हिमाचल भवन के लिए 31 लाख स्वीकृत

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने फरीदाबाद में हिमाचल वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित हिमाचली सांस्कृतिक समारोह में हरियाणा के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल और स्थानीय विधायक दिनेश अधलखा के साथ सहभागिता की। इस अवसर पर फरीदाबाद में हिमाचल भवन के निर्माण के लिए अनुराग सिंह ठाकुर की मांग पर विपुल गोयल ने ₹21 लाख तथा दिनेश अधलखा ने ₹10 लाख, कुल ₹31 लाख की राशि स्वीकृत की।

समारोह में हिमाचल के विभिन्न जिलों से हजारों की संख्या में पहुंचे लोगों ने पारंपरिक हिमाचली संगीत और नृत्य का आनंद लिया तथा हिमाचली धाम का लुत्फ उठाया। अनुराग सिंह ठाकुर ने सफल आयोजन के लिए हिमाचल वेलफेयर एसोसिएशन और आयोजन समिति का आभार



व्यक्त किया। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि 'हिमाचली जहां भी रहते हैं, वहां अपने आप एक मिनी हिमाचल बन जाता है। प्रदेश से बाहर रहने वाले हर हिमाचली ने अपनी मेहनत और ईमानदारी से हिमाचल की टोपी का मान बढ़ाया है और भारत निर्माण में योगदान दिया है। फरीदाबाद में बड़ी संख्या में हिमाचली समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। लंबे समय से लंबित हिमाचल भवन के निर्माण के लिए ₹31 लाख स्वीकृत करने पर हरियाणा सरकार और स्थानीय विधायक का आभार है।'

उन्होंने कहा कि देश के 21 परमवीर चक्र विजेताओं में से चार हिमाचल से हैं। हिमाचल के वीरों ने 2 अशोक चक्र, 10 महावीर चक्र, 19 कीर्ति चक्र, 51 वीर चक्र, 90 शौर्य चक्र और 989 अन्य सेना पदक सहित लगभग 1165 शौर्य सम्मान हासिल किए हैं। करीब साढ़े चार लाख हिमाचली परिवार भारतीय सेना से जुड़े हैं। कारगिल युद्ध में हिमाचल के 52 वीरों ने सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि दशकों से सैनिक वन रैंक वन पेंशन की मांग कर रहे थे, जिसे लागू करने का कार्य नरेंद्र मोदी सरकार ने किया। किशाऊ बहुउद्देशीय परियोजना पर अनुराग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर अमित शाह और सीआर पाटिल की पहल से हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक कर वर्षों से लंबित मतभेदों का समाधान किया गया। 15 सितंबर 2026 को छह राज्यों द्वारा किशाऊ बहुउद्देशीय परियोजना के समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे परियोजना के आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त हुआ। उन्होंने कहा कि वर्षों तक लंबित इस महत्वपूर्ण विषय का समाधान नरेंद्र मोदी सरकार ने सभी संबंधित राज्यों को साथ लेकर किया है।

बरोट-मियोट सड़क की उखड़ी टायरिंग खलैहल पंचायत के लोगों में भारी रोष

भारतेन्दु संवाददाता, बरोट। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बने बरोट-मियोट सड़क मार्ग पर जगह-जगह टायरिंग उखड़ जाने से खलैहल पंचायत के लोगों में सरकार और लोक निर्माण विभाग के प्रति रोष है। करीब नौ किलोमीटर लंबा यह सड़क मार्ग लोक निर्माण विभाग के उपमंडल झटींगरी के अधीन आता है, लेकिन इसकी हालत लगातार खराब होती जा रही है।

सड़क की टायरिंग उखड़ने से बजरी मार्ग पर बिखर गई है, जिससे छोटे-बड़े वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क पर बिखरी बजरी के कारण कई दोपहिया वाहन चालक गिरकर घायल भी हो चुके हैं। कई स्थानों पर टायरिंग उखड़ने से गड्ढे बन गए हैं। विभाग द्वारा इन गड्ढों में मिट्टी भरने का कार्य करवाया जाता है, लेकिन कुछ ही दिनों बाद मिट्टी निकल जाने से स्थिति फिर जस की तस हो जाती है।

स्थानीय निवासी होशियार सिंह, रमेश कुमार, राजमल, सुंदर लाल,



रागी राम, दिनेश कुमार, रामचंद, दयाल सिंह, सुखराम और राजकुमार ने सड़क की जल्द मरम्मत की मांग की है। उन्होंने कहा कि सड़क की खराब हालत के कारण बाहर से आने वाले पर्यटक भी अपने वाहनों को इस मार्ग पर ले जाने से कतरा रहे हैं।

पंचायत प्रधान सुभाष चंद ठाकुर और उपप्रधान भागमल ने कहा कि विभाग के अधिकारियों को कई बार समस्या से अवगत करवाया गया, लेकिन अभी तक स्थायी समाधान नहीं हुआ। उन्होंने चेतावनी दी कि जल्द सड़क की दशा नहीं सुधारी गई तो ग्रामीणों को साथ लेकर आगामी कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

ग्लैमरस और फैशनेबल एलिस कैप्सी

एलिस कैप्सी इंग्लैंड की एक युवा और प्रतिभाशाली ऑलराउंडर हैं, जो आक्रामक दाएं हाथ की बल्लेबाजी और दाएं हाथ की ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी के लिए जानी जाती हैं। 2022 में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू के बाद से, वह टी-20आई में इंग्लैंड के लिए सबसे तेज अर्धशतक (21 गेंद) का रिकॉर्ड रखती हैं ।



एशियन गेम्स :24 साल बाद लड़कों से आगे निकलीं भारत की लड़कियां

4 गोल्ड मेडल ज्यादा जीते, लड़कों ने 7 और लड़कियों ने कब्जाए 11 स्वर्ण पदक

एजेंसी, नई दिल्ली

एशियन गेम्स 2026 में भारत का अभियान पूरा हो चुका है। आखिरी दिन घुड़सवारी के दो गोल्ड मेडल इवेंट हैं लेकिन इनमें कोई भारतीय खिलाड़ी शिरकत नहीं कर रहा है। भारत ने जापान के आइची-नागोया में 21 गोल्ड सहित कुल 85 मेडल जीते हैं। उज्बेकिस्तान ने भी भारत के बराबर ही गोल्ड जीते हैं लेकिन ज्यादा सिल्वर के आधार पर भारत चौथे स्थान पर है। भारत ने इस बार लड़कियों के इवेंट में 11 तो लड़कों के इवेंट में 7 गोल्ड जीते। 3 गोल्ड मिक्स्ड इवेंट में आए। इससे पहले 2002 में बुसान में हुए एशियन गेम्स में भारत की लड़कियां आगे रही थीं। तब भारत ने लड़कियों के इवेंट में 6 और लड़कों के इवेंट में 5 गोल्ड जीते थे।



टीम इवेंट्स में कायम रहा भारत का दबदबा

टीम इवेंट्स में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया है। क्रिकेट, हॉकी और कबड्डी में भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों के गोल्ड मेडल जीते हैं। हॉकी में एशियाड गोल्ड जीतने पर सीधे ओलिंपिक का टिकट मिलता है, लिहाजा भारत की दोनों हॉकी टीम लॉस एंजिल्स में होने वाले 2028 ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई कर गई है। यह पहला मौका है जब भारत की दोनों वर्गों की हॉकी टीमों ने एक ही इवेंट में गोल्ड जीता है।

बॉक्सिंग-रेसलिंग में बेहतर हुआ प्रदर्शन

भारत ने 2023 में चीन के ग्वांगझू में हुए एशियन गेम्स में 28 गोल्ड के साथ 106 मेडल जीते थे। तब भारत ने शूटिंग में 7 और एथलेटिक्स में 6 गोल्ड जीते थे। इस बार शूटिंग में 3 और एथलेटिक्स में 1 ही गोल्ड आया। यानी इन दो खेलों में ही भारत को 9 गोल्ड का नुकसान हो गया। भारत ने पिछली बार स्क्वॉश में 2 और टेनिस, बैडमिंटन और घुड़सवारी में 1-1 गोल्ड जीता था। इन खेलों में इस बार भारत को कोई गोल्ड नहीं मिला। बॉक्सिंग और रेसिलिंग में अच्छे प्रदर्शन ने कुछ हद तक गोल्ड में कमी की भरपाई की है। पिछली बार भारत को इन दोनों खेलों में एक भी गोल्ड नहीं मिला था। इस बार बॉक्सिंग में 3 और रेसलिंग में 2 गोल्ड आए हैं। आर्चरी में भारत ने पिछले प्रदर्शन को दोहराया है।

एशियन गेम्स में सबसे ज्यादा देखे गए क्रिकेट-हॉकी मैच



एजेंसी, नई दिल्ली

एशियाई खेलों के इतिहास में भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट और हॉकी मुकाबलों ने दर्शकों के मामले में नया रिकॉर्ड बनाया। एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) ने रविवार को बताया कि आइची-नागोया एशियाई खेलों में पुरुष क्रिकेट का भारत-पाकिस्तान फाइनल और पुरुष हॉकी का सेमीफाइनल सबसे अधिक देखे जाने वाले मुकाबले रहे। पुरुष हॉकी के सेमीफाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 4-3 से हराया था। इसके बाद भारतीय टीम ने फाइनल में मलेशिया को हराकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं पुरुष क्रिकेट के फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 19 रन से हराकर स्वर्ण अपने नाम किया। 'भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच खेलों का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला मुकाबला'

◆ पाकिस्तान-भारत क्रिकेट मैच को सबसे ज्यादा दर्शकों ने देखा

ओसीए समन्वय समिति के अध्यक्ष तैयब इकराम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत-पाक मुकाबलों की लोकप्रियता का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'प्रसारण को खेलों के इतिहास में सबसे अधिक दर्शक मिले। इसके पीछे दो बड़े मुकाबले रहे। पाकिस्तान-भारत क्रिकेट मैच खेलों का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला मुकाबला रहा और उससे एक दिन पहले पाकिस्तान-भारत हॉकी मैच खेलों के इतिहास में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला दूसरा मुकाबला था।'

स्पोर्ट्स विंडो

भारतीय गोल्फ संघ ने की प्रणवी को 10 लाख रुपए देने की घोषणा

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) ने एशियाई खेलों में भारत की पहली महिला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता प्रणवी उर्स के लिए रविवार को 10 लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की। प्रणवी एशियाई खेलों में व्यक्तिगत गोल्फ स्वर्ण पदक जीतने वाली तीसरी भारतीय गोल्फर हैं। उनसे पहले लक्ष्मण सिंह ने 1982 के दिल्ली एशियाई खेलों और शिव कपूर ने 2002 के बुसान एशियाई खेलों में यह उपलब्धि हासिल की थी। एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारतीय गोल्फ टीम की प्रत्येक सदस्य को तीन-तीन लाख रुपये दिए जाएंगे। प्रणवी के अलावा भारतीय टीम में अदिति अशोक और दीक्षा डागर शामिल थीं। आईजीयू अध्यक्ष बृजिंदर सिंह ने कहा, ''2026 एशियाई खेलों में शानदार स्वर्ण पदक जीतने के लिए प्रणवी को हार्दिक बधाई। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना बहुत बड़ी उपलब्धि है और यह उनकी प्रतिभा, कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और खेल के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'' उन्होंने कहा, ''हमें उन पर बेहद गर्व है और हम आने वाले वर्षों में उनकी निरंतर सफलता की कामना करते हैं।''

जितने अधिक बड़े मुकाबले खेलेंगे उतना बेहतर होगा: खालिद जमील

एजेंसी, कोलकाता। पांच बार के विश्व चैंपियन ब्राजील के खिलाफ करारी हार के बावजूद मुख्य कोच खालिद जमील ने भारत के प्रदर्शन में कई सकारात्मक पहलू देखे और उम्मीद जताई कि भविष्य में उनकी टीम को ऐसे ही बड़े मुकाबलों में खेलने के अधिक मौके मिलेंगे जिससे कि टीम बेहतर हो सके। फीफा पुरुष विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज ब्राजील ने शनिवार को यहां 138वें स्थान की भारतीय टीम को 4-0 से हराया। जमील ने मैच के बाद कहा, ''निश्चित रूप से उनका स्तर बेहद ऊंचा है। उनके कोच भी अच्छे हैं और उनके पास अलग-अलग क्लबों के लिए खेल चुके खिलाड़ी हैं।'' उन्होंने कहा, ''उनका सामना करना और उन्हें रोकना बहुत मुश्किल है। यह आसान काम नहीं है। ऐसा एक दिन में नहीं होता इसमें समय लगता है। दबाव हर जगह होता है। लेकिन हम जितना अधिक खेलेंगे उतना बेहतर होगा।'' उरुग्वे के खिलाफ मंगलवार को होने वाले मुकाबले को लेकर उन्होंने कहा, ''अगला मैच भी हमारे लिए बहुत अच्छा है, इसलिए हमें इसी तरह आगे बढ़ना होगा।'' ब्राजील 1993 में आधिकारिक फीफा रैंकिंग शुरू होने के बाद भारत का सामना करने वाला अब तक का सबसे ऊंची रैंकिंग वाला प्रतिद्वंद्वी भी है। उसने 1995 में नौवें स्थान पर काबिज रूस और 1998 के जापान को पीछे छोड़ा।

लगातार अच्छा प्रदर्शन करें तो नंबर एक टीम को टक्कर दे सकते हैं: सैमी

एजेंसी, मुल्लांपुर। वेस्ट इंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा है कि भारत के खिलाफ एकदिवसीय शृंखला से वेस्टइंडीज महत्वपूर्ण सीख लेकर आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि इस शृंखला से उन्हें अपनी टीम की शीर्ष टीमों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता के बारे में पर्याप्त संकेत मिले हैं। शाई होप की तूफानी नाबाद 162 रन की पारी के दम पर वेस्टइंडीज ने शनिवार को यहां 352 रन के रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत हासिल की और भारत को शृंखला में क्लीन स्वीप से रोक दिया। भारत ने शृंखला 2-1 से जीती। सैमी ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''हम यहां यह जानते हुए आए थे कि भारत के पास कितने स्तरीय खिलाड़ी हैं और हमारा लक्ष्य ऐसी मजबूत टीम के खिलाफ खुद को परखना था। हमने दिखाया है कि अगर हम लंबे समय तक लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो दुनिया की नंबर एक टीम को भी टक्कर दे सकते हैं। इसलिए हम इस विश्वास से भी काफी कुछ सीख लेकर जाएंगे।''

आईटीबीपी बैंड ने किया पदक विजेता मुक्केबाजों का स्वागत

एजेंसी, नई दिल्ली

शनिवार रात के करीब तीन बजे थे लेकिन हवाई अड्डे पर रौनक बनी हुई थी और एशियाई खेलों में पदक जीतकर लौटे भारतीय मुक्केबाजों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उत्साहित परिजनों की मौजूदगी में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के बैंड, फूल-माला, मिठाइयों से खिलाड़ियों का स्वागत हुआ। भारतीय मुक्केबाजी दल के नागोया में यादगार अभियान के बाद स्वदेश वापसी पर उसका सफलता के अनुरूप स्वागत किया गया। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के अध्यक्ष अजय सिंह ने खिलाड़ियों की अगवानी की। स्वर्ण पदक विजेता अंकुश पंघाल ने पीटीआई से कहा, ''मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। मेरे परिवार के सदस्य यहां आए हैं और अब हम और जश्न मनाएंगे। मेरे गांव में भी एक कार्यक्रम होगा जहां हम जश्न मनाएंगे।' उन्होंने कहा, ''मैं कुछ नया सीखकर लौटा हूं और यह आगे ओलंपिक क्वालीफिकेशन प्रक्रिया में काफी उपयोगी होगा। इसलिए मैं बहुत खुश हूं।' परवीन हुड्डा के लिए यह जश्न खास तौर पर भावुक करने वाला था। उन्होंने पिछली बार एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता था लेकिन निलंबन के बाद वह पदक उनसे छीन लिया गया था। इस बार उन्होंने स्वर्ण पदक हासिल किया। परवीन ने कहा, 'पिछली बार मैंने कांस्य पदक जीता था लेकिन वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण रहा क्योंकि रहने के स्थान की जानकारी (व्हेयरअबाउट नियम) से जुड़े नियम के कारण मेरा पदक छीन लिया गया था। लेकिन यही मेरी प्रेरणा थी कि मैं अलग रंग का पदक जीतकर वापसी करूं।' भारतीय मुक्केबाज नागोया से अभूतपूर्व तीन स्वर्ण पदक के अलावा तीन कांस्य पदक लेकर लौटे। महिला टीम के मुख्य कोच सैंटियागो नीवा इस प्रदर्शन से बेहद खुश थे। उन्होंने कहा, ''यह मुश्किल था और हमें हर मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ देना था।

एशियाई खेलों में दो पदक के बावजूद निराश हैं अभय सिंह

एजेंसी, नई दिल्ली। अभय सिंह एशियाई खेलों में दो पदक जीतने के बावजूद अधिक संतुष्ट नहीं हैं। यह भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी पुरुष टीम के कांस्य पदक से निराश है क्योंकि उनका मानना है कि भारत के पास पिछले एशियाई खेलों के अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने का पूरा मौका था। हवाई अड्डे से अभय ने बिना किसी माला, बैंड और शोर-शराबे के चुपचाप बाहर निकलते हुए स्वदेश वापसी की। पुरुष एकल में रजत पदक जीतने के बावजूद उनके चेहरे पर निराशा साफ नजर आ रही थी। अभय ने पीटीआई से कहा, 'मुझे लगता है कि व्यक्तिगत स्पर्धा का परिणाम विपक्षी खिलाड़ी की क्षमता को देखते हुए समझ में आता है। लेकिन मैं टीम स्पर्धा के नतीजे से काफी निराश हूं।' उन्होंने कहा, ''मुझे सच में लगता है कि हमारे पास स्वर्ण पदक जीतने की गहराई और गुणवत्ता थी, लेकिन खेल इसी तरह नहीं चलता। उम्मीद है कि हम अगली बार और मजबूत वापसी करेंगे और इससे बेहतर प्रदर्शन करेंगे।' अभय एशियाई खेलों में पुरुष एकल स्क्वाश का पदक जीतने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय पुरुष खिलाड़ी हैं।

रेस्ट ऑफ इंडिया ने कब्जाया ईरानी कप

जम्मू-कश्मीर को 167 रन से हराया; मुकेश कुमार ने लिए 6 विकेट

एजेंसी, श्रीनगर

रेस्ट ऑफ इंडिया ने 31वीं बार ईरानी कप का खिताब जीत लिया है। टीम ने जम्मू-कश्मीर को 167 रन से हराया। श्रीनगर में 1 से 5 अक्टूबर तक खेले गए मुकाबले में रेस्ट ऑफ इंडिया ने पहली पारी में 237 और दूसरी पारी में 319 रन बनाए। इसके जवाब में जम्मू-कश्मीर की टीम पहली पारी में 278 और दूसरी पारी में 111 रन पर ऑलआउट हो गई। दूसरी पारी में जम्मू-कश्मीर की बल्लेबाजी पूरी तरह लड़खड़ा गई। टीम 28.4 ओवर में 111 रन पर ऑलआउट हो गई। कामरान इकबाल ने 32 और शुभम खजूरिया ने 36 रन बनाए। इनके अलावा कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। रेस्ट ऑफ इंडिया के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार ने दूसरी पारी में शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने 10.4 ओवर में 33 रन देकर 6 विकेट लिए। आकाश दीप ने 3 और मुकेश चौधरी ने एक विकेट हासिल किया।



स्मरण का शतक

रेस्ट ऑफ इंडिया की दूसरी पारी में रविचंद्रन स्मरण ने शानदार शतक लगाया। उन्होंने 153 गेंदों पर 135 रन बनाए। उनकी पारी में 16 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। स्मरण के अलावा सनत सांगवान ने 55 और सुधीप कुमार घरामी ने 33 रन बनाए।

रेस्ट ऑफ इंडिया सबसे सफल टीम

ईरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की टीम सबसे सफल टीम रही है। रेस्ट ऑफ इंडिया टीम ने अब तक 63 बार ईरानी कप खेला है और 31 बार खिताब जीता है। मुंबई 15 खिताब के साथ दूसरे नंबर पर है।

महंगे यूरिया से किसानों को राहत सरकार दे रही 2700 रुपए सब्सिडी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत उर्वरकों का बड़ा आयातक देश है। ऐसे में वैश्विक बाजार में उर्वरकों की कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव का सीधा असर देश में इनकी आपूर्ति और कीमतों पर पड़ता है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आंध्र प्रदेश के मदनपल्ले में आयोजित एक कार्यक्रम में बताया कि यूरिया की वैश्विक कीमतों में भारी बढ़ोतरी के बावजूद केंद्र सरकार किसानों को सस्ती दर पर खाद उपलब्ध कराने के लिए प्रति बैग करीब 2700 रुपये की सब्सिडी दे रही है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण यूरिया की आयात लागत कई बार 3000 रुपये प्रति बैग तक पहुंच गई थी। इसके बावजूद सरकार ने किसानों पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ने दिया और उन्हें लगभग 300 रुपये प्रति बैग की दर पर यूरिया उपलब्ध कराया।



◆ वैश्विक कीमत बढ़ने के बावजूद 300 रुपए में मिल रहा यूरिया

वित्त मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसान कल्याण सरकार की प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर रहा है। वैश्विक बाजार में कीमतों में बढ़ोतरी का पूरा बोझ सरकार ने खुद उठाया, ताकि किसानों को खेती के लिए जरूरी उर्वरक सस्ती दरों पर मिलते रहें। उन्होंने कहा कि किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है और आवश्यक कृषि सब्सिडी में किसी तरह की कमी नहीं होने दी जाएगी।

सरकार पीएम-किसान सम्मान निधि के तहत प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से संस्थागत ऋण उपलब्ध कराने पर भी जोर दे रही है। इसका उद्देश्य किसानों की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के साथ खेती की लागत को कम करना है। सरकार कृषि उत्पादन बढ़ाने और किसानों की आय को मजबूत करने की दिशा में भी प्रयास कर रही है।

कृषि और बागवानी को मिलेगा बढ़ावा

वित्त मंत्री ने आंध्र प्रदेश में कृषि और बागवानी क्षेत्र को बढ़ावा देने से जुड़ी पहलों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर कृषि एवं इससे जुड़े क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने और किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रही हैं।

आरबीआई इस महीने बढ़ा सकता है रेपो रेट

करीब दो साल की नरमी के बाद अक्टूबर में आरबीआई कर सकता है दरों में बढ़ोतरी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक आज से सात अक्टूबर तक होने जा रही है। इस बैठक में केंद्रीय बैंक नीतिगत रेपो दर को लेकर फैसला करेगा। बैठक से पहले अर्थशास्त्रियों और वैश्विक ब्रोकरेज संस्थानों के अनुमानों ने ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना को लेकर चर्चा तेज कर दी है। पहले जहां दरों में वृद्धि की शुरुआत दिसंबर में होने की उम्मीद जताई जा रही थी, वहीं अब कुछ विश्लेषकों का मानना है कि आरबीआई अक्टूबर की बैठक में ही सख्ती की शुरुआत कर सकता है। बैंक ऑफ अमेरिका के अनुसार बढ़ती ऊर्जा कीमतों, खाद्य महंगाई और व्यापक महंगाई के दबाव को देखते हुए अक्टूबर में रेपो दर में 25 आधार अंक की बढ़ोतरी संभव है।

कर्ज की लागत बढ़ने के आसार

ब्रोकरेज के अनुसार बाजार में इससे अधिक सख्ती की आशंका है, लेकिन 75 आधार अंक से अधिक की व्यापक बढ़ोतरी की संभावना कम है। विशेषज्ञों का मानना है कि आरबीआई के सामने महंगाई को नियंत्रित करने और आर्थिक वृद्धि की रफ्तार बनाए रखने के बीच संतुलन बनाने की चुनौती होगी। बैठक में लिया गया फैसला आने वाले महीनों में कर्ज की लागत, उपभोक्ता मांग, निवेश और बाजार की दिशा पर असर डाल सकता है।



अगस्त में महंगाई बढ़कर 4.82 प्रतिशत पहुंची

भारतीय स्टेट बैंक के शोध दल ने भी दर बढ़ोतरी के जोखिम में वृद्धि की बात कही है। उसके अनुसार महंगाई का दायरा बढ़ने, वैश्विक परिस्थितियों में बदलाव, नकदी की स्थिति और भू-राजनीतिक जोखिमों के कारण पहले से कदम उठाना जरूरी हो सकता है। देश में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई अगस्त में बढ़कर 4.82 प्रतिशत हो गई, जबकि जुलाई में यह 4.45 प्रतिशत थी। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में तेजी भी महंगाई के लिए चुनौती बन रही है।

रिलायंस-बीपी समेत मुश्किल गैस क्षेत्रों की कंपनियों को सरकार ने दी बड़ी राहत

◆ गहरे समुद्र की गैस के लिए अधिकतम कीमत सीमा 9.89 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू

एजेंसी, नई दिल्ली



सरकार ने रिलायंस इंडस्ट्रीज और बीपी के केजी-डी6 ब्लॉक जैसे मुश्किल क्षेत्रों से उत्पादित प्राकृतिक गैस की अधिकतम कीमत सीमा बढ़ाकर 9.89 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू कर दी है। नई कीमत सीमा एक अक्टूबर, 2026 से 31 मार्च, 2027 तक लागू रहेगी। इससे पहले यह सीमा 8.90 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू थी। यह बदलाव गहरे समुद्र, बेहद गहरे समुद्र तथा उच्च दबाव और उच्च तापमान वाले क्षेत्रों से उत्पादित गैस पर लागू होगा। ऐसे क्षेत्रों में गैस निकालने की लागत सामान्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक होती है, इसलिए सरकार की ओर से उत्पादकों को विपणन और कीमत तय करने की स्वतंत्रता के साथ अधिकतम कीमत की सीमा निर्धारित की जाती है।

हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की ओएनजीसी और ऑयल इंडिया लिमिटेड के पुराने क्षेत्रों से उत्पादित गैस की कीमत सीमा सात डॉलर प्रति एमएमबीटीयू पर ही कायम रहेगी। पेट्रोलियम मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ की अधिसूचना के अनुसार, अक्टूबर से एपीएम गैस का मूल्य 11.22 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू रहेगा, लेकिन वास्तविक कीमत सात डॉलर की सीमा के भीतर होगी। पुराने क्षेत्रों के नए कुओं से निकलने वाली गैस पर मौजूदा एपीएम कीमत से 10 प्रतिशत अतिरिक्त मूल्य की अनुमति है। इसके तहत अक्टूबर में नए कुओं की गैस का मूल्य 7.70 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू होगा।

प्राकृतिक गैस का इस्तेमाल उर्वरक उत्पादन, बिजली उत्पादन और शहर गैस वितरण में होता है। सीएनजी तथा घरों में पाइप के जरिये पहुंचाई जाने वाली गैस की आपूर्ति में भी इसका महत्वपूर्ण योगदान है। ऐसे में गैस की कीमत में बदलाव का असर इन क्षेत्रों की लागत पर पड़ सकता है। सरकार के इस फैसले से मुश्किल क्षेत्रों में उत्पादन करने वाली कंपनियों को बढ़ी लागत की भरपाई में मदद मिलने की उम्मीद है।

व्यापार सीईपीए वार्ता में तेजी, भारत-कनाडा के बीच व्यापार बाधाएं घटाने पर होगी चर्चा

सीईपीए पर भारत-कनाडा वार्ता का पांचवां दौर ओटावा में

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और कनाडा के बीच प्रस्तावित व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को लेकर बातचीत का पांचवां दौर पांच अक्टूबर से ओटावा में शुरू होगा। पांच दिन चलने वाली इस वार्ता में दोनों देशों के मुख्य वार्ताकार शामिल होंगे। बातचीत नौ अक्टूबर तक चलने की संभावना है। दोनों पक्षों ने इस साल के अंत तक समझौते की बातचीत पूरी करने का लक्ष्य तय किया है। ऐसे में यह दौर दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को नई दिशा देने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बातचीत का चौथा दौर 18 सितंबर को समाप्त हुआ था।

सीईपीए एक प्रकार का मुक्त व्यापार समझौता है, जिसके तहत दोनों देश वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को आसान बनाने के लिए शुल्क और अन्य बाधाओं को कम करते हैं। इसके अलावा कुशल पेशेवरों की आवाजाही को सरल बनाने और निवेश को बढ़ावा देने के प्रावधान भी इसमें शामिल किए जा सकते हैं। भारत और कनाडा के बीच लंबे समय से प्रस्तावित इस समझौते का उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग को व्यापक स्तर पर बढ़ाना है।

वार्ता फिर पटरी पर लौटी

भारत और कनाडा ने पहली बार 2015 में इस समझौते को लेकर बातचीत शुरू की थी। 2015 से 2017 के बीच कई दौर की चर्चा हुई, लेकिन बाद में वार्ता रोक दी गई। मार्च 2022 में दोनों देशों ने अंतरिम व्यापार समझौते के लिए बातचीत फिर शुरू की, जिसे शुरुआती प्रगति व्यापार समझौते का नाम दिया गया।



यह वार्ता ऐसे समय हो रही है, जब दोनों देशों के संबंधों में हाल के वर्षों के तनाव के बाद फिर से सक्रियता बढ़ी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिसंबर के आसपास कनाडा दौरे की संभावना भी जताई जा रही है।

दवाएं और इलेक्ट्रॉनिक सामान प्रमुख निर्यात

द्विपक्षीय व्यापार के लिहाज से भी यह समझौता महत्वपूर्ण है। वर्ष 2025-26 में भारत और कनाडा के बीच वस्तुओं का व्यापार 7.95 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। इस दौरान भारत का कनाडा को निर्यात 10.63 प्रतिशत बढ़कर 4.67 अरब डॉलर हो गया, जबकि कनाडा से आयात 26.14 प्रतिशत घटकर 3.28 अरब डॉलर रह गया। भारत के प्रमुख निर्यात में दवाएं, लोहा-इस्पात, समुद्री उत्पाद, सूती वस्त्र, इलेक्ट्रॉनिक सामान और रसायन शामिल हैं।

कनाडाई व्यापार मंत्री भारत आएंगे

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने पिछले महीने इस संबंध में संकेत दिए थे। इसके अलावा कनाडा के व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू इस महीने के अंत में करीब 300 लोगों के व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ नई दिल्ली आ सकते हैं। सिद्धू और केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने पिछले महीने मुंबई में मुलाकात कर वार्ता की प्रगति की समीक्षा भी की थी।